शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 319 | गुवाहाटी | बुधवार, 19 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मणिपुर में सीआरपीएफ की गाड़ी में लगाई आग पेज 2
एनडीए सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : भाजपा पेज 3
काशीवासियों के असीम स्नेह से मुझे तीसरी बार देश का प्रधान सेवक बनने ... पेज 5
साहिल चौहान ने लगाया टी-20 इंटरनेशनल का सबसे तेज शतक... पेज 7

मूसलाधार बारिश से ब्रह्मपुत्र का जलस्तर बढ़ा, 14 जिलों के 1.05 लाख लोग प्रभावित

आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

गुवाहाटी (हि.स./एजे)। पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण असम में बाढ़ की स्थिति और भी खराब हो गई है। राज्य के 14 जिलों के 1.05 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। सबसे खराब स्थिति राज्य के बराक घाटी के तीनों जिले की है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार, अकेले करीमगंज जिले में लगभग 96 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बड़ी संख्या में लोग अपने घरों को छोड़कर अन्यत्र ऊंचे स्थानों पर शरण ले रहे हैं। वहीं, बराक घाटी के हैलाकांदी जिले के कई हिस्सों में बाढ़ का पानी घुस गया है। हैलाकांदी का सिरिसपुर थाना पूरी तरह से पानी में डूब गया है। सिरिसपुर पुलिस एक क्लब में जाकर वहां से कार्य कर रही है। जिसकी वजह से पुलिस को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, हैलाकांदी जिले के सरसपुर इलाके के कई गांव जलमग्न हो गए हैं। जिले के कई स्कूल भी पानी में डूबे हुए हैं। सरसपुर क्षेत्र में जलभराव होने के कारण पिछले कुछ दिनों से शिक्षक और छात्र स्कूल नहीं जा सके हैं। इस क्षेत्र के कई स्कूल पानी में डूबे हुए हैं। सरसपुर ब्लाक के तहत कुल 13 स्कूल हैं। उनमें से आठ वर्तमान में बाढ़ के कारण बंद हैं। तीन स्कूलों वर्तमान में पढ़ाई चल रही है। जबकि दो स्कूलों में आश्रय शिविर खोले गए हैं। आशियाली बील के बढ़ते पानी के कारण यह क्षेत्र डूब गया है। शानबील से जिला मुख्यालय हैलाकांदी को जोड़ने वाली एकमात्र सड़क पानी में डूब गया है। जिस कारण हैलाकांदी और शानबिल का संपर्क टूट गया है। वहीं, विश्वप्रसिद्ध नद द्वीप माजुली के शुकानसूंती नदी पर स्थित काठ का पुल टूट जाने के कारण ऊपरी माजुली के लोग परेशान हो गए हैं। इसी प्रकार राज्य के 14 जिलों में बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्रशासन द्वारा व्यापक पैमाने पर राहत और बचाव कार्य किए जा रहे हैं। उधर उधर लगातार हो रही बारिश से ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर बढ़ गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, ब्रह्मपुत्र नदी की सहायक नदी कोपिली का जलस्तर नगांव जिले के कामपुर में खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि इस समय जलस्तर ऊपर-नीचे हो रहा है। नदी के बीच में एक मूर्ति है और जब पानी उसकी गर्दन तक पहुंच जाता है, तो हमें पता चलता है कि जलस्तर बढ़ गया है। बता दें कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) -शेष पृष्ठ दो पर

हाफलांग-सिलचर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन, दोनों ओर बड़ी संख्या में वाहन फंसे

डिमा हसाउ (हि.स.)। हाफलांग-सिलचर राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर वाहनों को चलाना अब खतरनाक हो गया है। पिछले तीन दिन से लगातार हो रही बारिश के कारण हाफलांग-सिलचर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-27 पर विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। जिसके चलते राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बंद हो गया है। मंगलवार को बारिश के कारण हरंगाजाओ और बंदरखाल में भूस्खलन होने से हाफलांग-सिलचर राष्ट्रीय राजमार्ग-27 को बंद कर दिया गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएएचएआई) ने उस सड़क पर वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है। बंदरखाले में राष्ट्रीय राजमार्ग ध्वस्त हो गया। पहाड़ी से मिट्टी, पानी और बड़े पेड़ भूस्खलन के कारण ढह कर सड़क पर आ गए, जिसके चलते यातायात बंद हो गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने भूस्खलन को साफ करने और सड़क को चालू करने के अपने प्रयास कर रही हुए है, लेकिन बारिश के कारण कार्य में दिक्कत आ रही है। इसलिए अभी तक सड़क साफ नहीं हो पाई है। पहाड़ों से पानी-कीचड़-मिट्टी अब भी नीचे आ रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग ध्वस्त होने से सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में वाहन फंसे हुए हैं। गुवाहाटी, नगांव, लंका, लमडिंग, सिलचर में विभिन्न सामान से लदे वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-27 से होकर गुजरते हैं। मेघालय के सोनापुर, लुमसुम और राताछोड़ा में राष्ट्रीय राजमार्ग ध्वस्त होने से उन सड़कों पर भी यातायात बाधित हो गया है। नतीजतन, राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर माल लेकर पड़ोसी राज्य त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

लगातार श्रम करना ही आपकी सफलता का साथी है, इसलिए श्रम को सकारात्मक बनाएं विनाशक नहीं। श्रम एक अपराधी भी करता है, लेकिन उसका लक्ष्य सिर्फ किसी को नुकसान पहुंचाना या फिर उसकी जान लेना ही होता है।

– अब्दुल कलाम

सीएम ने केशव महंत से स्वास्थ्य मंत्रालय लिया वापस, कई अन्य विभाग सौंपे

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को अपने मंत्रिमंडल के एक मंत्री के विभाग में बदलाव किया है। सरकार ने मंत्री केशव महंत से स्वास्थ्य मंत्रालय वापस लेकर उन्हें अन्य कई विभागों की जिम्मेदारी सौंपी है। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने राज्य के मंत्री केशव महंत से स्वास्थ्य मंत्रालय की जिम्मेदारी वापस ले ली है। इसके बदले केशव महंत को परिवहन, आबकारी, मत्स्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी- जलवायु परिवर्तन और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग दिया गया है। इससे पहले मंत्री परिमल शुक्लबैद्य के पास परिवहन, आबकारी, मत्स्य पालन आदि विभाग थे। विधायक शुक्लबैद्य सिलचर से सांसद चुने जाने के बाद असम विधानसभा की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है। इसलिए मुख्यमंत्री ने अपने अधीनस्थ विभागों की जिम्मेदारी केशव महंत को देकर उनसे अत्यंत महत्वपूर्ण स्वास्थ्य विभाग वापस ले लिया है। उल्लेखनीय है कि -शेष पृष्ठ दो पर

पत्नी की मौत से दुखी आईपीएस ऑफिसर ने कर ली आत्महत्या

सर्विस रिवॉल्वर से अपने सिर में मारी गोली

गुवाहाटी (एजे/हि.स.)। गुवाहाटी शहर में एक सनसनीखेज आत्महत्या की घटना घटी। असम सरकार में गृह और राजनीतिक विभाग के सचिव के रूप में कार्यरत भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी शिलादित्य चेतिया की मंगलवार को कथित तौर पर आत्महत्या से मृत्यु हो गई। चेतिया एक निजी अस्पताल नेमकेयर अस्पताल के एक कमरे में अपनी सर्विस रिवॉल्वर से अपने सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। राज्य की पुलिस के अनुसार, अस्पताल में अपनी पत्नी की मौत के बारे में सुनते ही उसने यह कदम उठाया। उनकी पत्नी कैंसर से पीड़ित थीं। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने जनता को अधिकारी की मौत की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कैंसर के कारण पत्नी की मौत के कुछ मिनट बाद ही उन्होंने आत्महत्या कर ली। डीजीपी सिंह ने कहा कि अधिकारी की दुखद मौत से पूरा असम पुलिस परिवार गहरे शोक में है। उन्होंने कहा कि घटनाओं के एक दुर्भाग्यपूर्ण मोड़ में, शिलादित्य चेतिया आईपीएस 2009 आरआर, सचिव गृह और असम की राजनीतिक सरकार ने आज शाम अपनी जान ले ली, उपस्थित चिकित्सक द्वारा उनकी पत्नी की मृत्यु की घोषणा करने के कुछ मिनट बाद, जो लंबे समय से कैंसर से जूझ रही थीं। पूरा असम पुलिस परिवार गहरे शोक में है। 2009 के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी, शिलादित्य -शेष पृष्ठ दो पर

लौट रहा 16 सौ साल पुराना वैभव

पीएम मोदी आज नालंदा विवि के नवीन परिसर का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार 19 जून को बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के नवीन परिसर का उद्घाटन करेंगे। वर्ष 2016 मे नालंदा के भग्नावशेष को संयुक्त राष्ट्र विरासत स्थल घोषित किया गया था। विश्वविद्यालय की परिकल्पना भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) देशों के बीच एक संयुक्त सहयोग के रूप में की गई है। इस उद्घाटन समारोह में 17 देशों के मिशन प्रमुखों सहित कई प्रतिष्ठित गणमान्य शामिल होंगे। यह जानकारी -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में एक और बड़ा पुल धराशायी, उद्घाटन से पहले ध्वस्त

अररिया। सिकटी मे करोड़ों की लागत से बकरा नदी के पड़रिया घाट पर बना उद्घाटन से पूर्व ध्वस्त हो गया। सात करोड़ उनासी लाख साठ हजार रुपए की लागत से बने इस पुल का निर्माण पहले बने पुल की एप्रोच कट जाने के बाद कराया गया था। पुल के निर्माण मे घटिया सामग्री के इस्तेमाल की बात लोगों द्वारा बताई गई है। हाल मे पुल की एप्रोच बहाल करने के लिए विभाग की विभाग की ओर कवायद शुरू की गई थी, लेकिन उससे पहले पुल ही ध्वस्त हो गया। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क निर्माण योजना के तहत बने इस पल की लागत 7.79 करोड़ रुपए थी। 182 मीटर लंबे इस पुल का निर्माण 2021 में शुरू हुआ था। 2022 तक में इसे बनाने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन जून 2023 में बनकर तैयार हुआ। -शेष पृष्ठ दो पर

प्रियंका गांधी के खिलाफ उम्मीदवार उतारेगी आईएनडीआईए की सहयोगी पार्टी

तिरुवनंतपुरम। सीपीआई ने मंगलवार को कहा कि वह वायनाड लोकसभा उपचुनाव में प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ उम्मीदवार उतारेगी। सीपीआई के राज्य सचिव बिनॉय विश्वम ने यहां पत्रकारों से कहा कि सीपीआई वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) में वायनाड लोकसभा सीट रखती है और उसका उम्मीदवार उपचुनाव में चुनाव लड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसमें क्या संदेह है? सीपीआई और एलडीएफ ऐसा कुछ नहीं करेंगे जो भाजपा के अनुकूल हो। इसलिए, हम निश्चित रूप से वहां अपना उम्मीदवार उतारेंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त जारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी मंगलवार को पहली बार वाराणसी पहुंचे। उन्होंने वाराणसी में आयोजित एक समारोह के दौरान किसान सम्मेलन में पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 17 वीं किस्त जारी की। पीएम ने कार्यक्रम -शेष पृष्ठ दो पर

देश के तीन बड़े एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की मिली धमकी

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में स्थित जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिला। धमकी भरे मेल के बाद परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई। इस बीच, पटना एयरपोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिला और -शेष पृष्ठ दो पर

नीट मामले पर सुप्रीम कोर्ट की एनटीए को चेतावनी, कहा-

गलती हुई है तो स्वीकार करें, नहीं तो...

नई दिल्ली। मेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश की नीट-यूजी परीक्षा में गड़बड़ियों और पेपर लीक की शिकायतों को लेकर सड़क से अदालत तक उतरे छात्रों का दर्द सुप्रीम कोर्ट को भी महसूस होने लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीट-यूजी में गड़बड़ियों के बारे में दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए कहा इसका संकेत देते हुए कहा कि अगर किसी की ओर से 0.001 प्रतिशत भी लापरवाही हुई है तो उस की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) और केंद्र सरकार से कहा कि इन सभी मामलों को प्रतिकूल मुकदमेबाजी की तरह नहीं लिया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने डॉक्टर बनने का सपना संजोए नीट के लिए कड़ी मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों की व्याकुलता समझते हुए कहा कि हम सभी जानते हैं कि इन परीक्षाओं के लिए बच्चे कितनी मेहनत करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सिस्टम से धोखाधड़ी कर डॉक्टर बनने वालों से समाज को होने वाले खतरे के प्रति सचेत करते हुए कहा कि उस स्थिति की कल्पना करें, जहां किसी व्यक्ति ने सिस्टम के साथ धोखाधड़ी की और डॉक्टर बन गया। वह -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव बाद हिंसा का शिकार हुए लोगों से मिली भाजपा की केंद्रीय टीम

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के बाद हुए हिंसा की जांच के लिए भाजपा फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाया गया है। यह फैक्ट फाइंडिंग कमेटी (भाजपा की केंद्रीय टीम) ने दक्षिण 24 परगना में चुनाव के बाद हुए हिंसा के पीड़ितों से मुलाकात की। इस कमेटी में सांसद अग्निमित्रा पॉल, पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद रविशंकर प्रसाद और त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बिप्लब कुमार देब शामिल हैं। इस मामले पर रविशंकर प्रसाद ने ममता बनर्जी की सरकार को घेरा। भाजपा की चार सदस्यीय केंद्रीय टीम को अपनी ही पार्टी के कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उस समय सहानुभूति नहीं दिखाई, जब उन्हें -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मणिपुर में सीआरपीएफ की गाड़ी में लगाई आग

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में हिंसा लगातार उग्र होती जा रही है। इसी कड़ी में आज सीआरपीएफ जवानों को ले जा रही एक गाड़ी को भीड़ ने आग के हवाले कर दिया। पुलिस सूत्रों द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार गाड़ी मणिपुर के कांगपोकपी जिला उपायुक्त कार्यालय परिसर से कांगपोकपी सदर थाना तक सीआरपीएफ के जवानों को लेकर जा रही थी। कांगपोकपी बाजार में भीड़ ने उसे अचानक रोककर आग के हवाले कर दिया। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना अब तक नहीं है। इस घटना के बाद पूरे कांगपोकपी बाजार इलाके में सुरक्षा वालों की भारी तैनाती कर दी गई। इधर एक अन्य सूचना के अनुसार, स्थिति में सुधार होने के बाद आज जिरीबाम नगरपालिका क्षेत्र में कर्फ्यू में ढील दी गई। लोगों को जरूरी सामानों की खरीददारी करने के लिए यह ढील दी गई। हालांकि इस दौरान किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। उल्लेखनीय है कि छह जून को एक मैतेई की हुई हत्या के बाद भड़की हिंसा के बाद से जिरीबाम जिले में धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई थी। ज्ञात हो कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा मणिपुर की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती का इसी बीच निर्णय लिया जा चुका है। गृहमंत्री अमित शाह ने मणिपुर के मसले को लेकर सोमवार को की गई उच्च स्तरीय बैठक में मणिपुर को लेकर कई निर्णय ले चुके हैं।

विशिष्ट उपलब्धि पर विद्या भारती के विद्यार्थियों एवं प्रधानाचार्यों का अभिनंदन

गुवाहाटी (हिंस)। हर वर्ष की तरह इस बार भी विद्या भारती से संबद्ध असम की शिशु शिक्षा समिति की संचालित शंकरदेव शिशु/विद्या निकेतनों के हाल ही में घोषित असम के हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले छात्रों और उनके प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया। मंगलवार को सुबह गुवाहाटी के वीआईपी रोड स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय सुदर्शनालय के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन असम सरकार के मंत्री अशोक सिंघल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। समारोह में भारतीय सेना के पूर्वी क्षेत्र के जीओसीएनसी (सेवानिवृत्त) लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता, लखीमपुर के विशिष्ट व्यवसायी, सामाजिक कार्यकर्ता तथा पुरस्कार प्रदाता राजेश मालपानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिशु शिक्षा समिति असम के अध्यक्ष डॉ. दिव्यज्योति महंत ने किया। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी ने स्वागत भाषण दिया। मुख्य अतिथि मंत्री अशोक सिंघल ने अपने संबोधन में पिछले 45 वर्षों से मातृभाषा माध्यम में सर्वोत्तम शिक्षा के जरिए असम में मानव संसाधन के निर्माण में निकेतनों के सेवाभावी आचार्यों के योगदान की प्रशंसा की। इस समारोह में असम में दूसरा स्थान हासिल करने वाले शंकरदेव शिशु विद्या निकेतन बिश्वनाथ चारियाली की छात्रा झरना सैकिया को और उनके प्रधानाचार्य को सम्मानित किया गया। साथ ही 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। जिन निकेतनों के 100 प्रतिशत विद्यार्थी इस परीक्षा में पहली बार सफल हुए हैं तथा जिन निकेतनों के सभी परीक्षार्थी प्रथम विभाग में उत्तीर्ण हुए हैं उन निकेतनों के प्रधानाचार्यों को भी सम्मानित किया गया। इसी अवसर पर वर्ष 2023 असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) परीक्षा में उत्कृष्टता के साथ उत्तीर्ण होने वाले पूर्व छात्रों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अरूप बुजराबरुवा ने किया। उल्लेखनीय है कि राजेश मालपानी ने अपने दिवंगत पिता–माता युगल किशोर तथा रामदुलारी मालपानी की स्मृति में प्रति वर्ष यह पुरस्कार देते हैं।

असम मेघालय में अगले दो दिन भारी बारिश की चेतावनी

गुवाहाटी (हिंस)। मौसम विभाग ने अगले दो दिन के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के साथ असम-मेघालय में भारी बारिश होने की संभावना जताई है। इसके अलावा पूर्वोत्तर के अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। उल्लेखनीय है कि बीते सात दिन से असम, मेघालय समेत पूरे पूर्वोत्तर में लगातार वर्षा हो रही है। इस बारिश के कारण असम के 14 जिले पूरी तरह से बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। वहीं, असम समेत पूर्वोत्तर के कई राज्यों में कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। वर्षा और भूस्खलन की वजह से कई मार्गों पर सड़क एवं रेल यातायात अवरुद्ध हैं।

रोपवे का उपयोग करने वाले छात्रों को मिलेगी 50 फीसदी रियायत

गुवाहाटी (हिंस)। ब्रह्मपुत्र नद में बाढ़ की भीषण स्थिति के कारण उत्तर गुवाहाटी और ब्रह्मपुत्र के दक्षिणी तट पर स्थित गुवाहाटी के बीच आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस कारण उत्तर गुवाहाटी से पढ़ने के लिए गुवाहाटी आने वाले छात्रों की कठिनाइयां काफी बढ़ गईं हैं। बढ़ते जलस्तर के मद्देनजर गुवाहाटी मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (जीएमडीए) ने गुवाहाटी रोपवे का उपयोग करने वाले कॉलेज जाने वाले छात्रों के लिए रियायत की घोषणा की है। मंगलवार से छात्र अगले 30 दिनों के लिए यात्रा किराए पर 50 फीसदी छूट प्राप्त कर सकेंगे। इस छूट को प्राप्त करने के लिए छात्रों को टिकट काउंटर पर एक वैध कॉलेज आईडी कार्ड प्रस्तुत करना होगा।

कार बिजली की खंभे से टकराई, चार घायल

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के दैगुंरुंग इलाके में तेज रफ्तार कार बिजली की खंभे से जा टकराई, जिसकी वजह से कार में सवार चालक सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह ऑल्टो कार (एएस-05एस-9050) बिजली के खंभे से जा टकरायी। जिसकी वजह से कार में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में पाया कि चालक को नींद लगने की वजह से यह दुर्घटना हुई है। कार में सवार सभी लोग एक ही परिवार के बताए गए हैं। जो चुंगाजान से अलांग्सो शिव मंदिर गए हुए थे। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पंकजा मुंडे के हार से सदमे में पांच समर्थकों ने की आत्महत्या

मुंबई। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा नेता पंकजा मुंडे को महाराष्ट्र की बीड से मिली हार के बाद उनके समर्थकों को बड़ा झटका लगा है। ऐसे में मुंडे समर्थकों का आत्महत्या का दौर जारी है। पंकजा मुंडे की हार से आहत अब तक 5 समर्थक आत्महत्या कर चुके हैं। रविवार रात एक युवक संदीप शिरसाट ने भी आत्महत्या कर ली। पंकजा मुंडे ने सोमवार को आत्महत्या करने वाले युवक के परिवार से मुलाकात की। पंकजा मुंडे को देख परिवार फूट-फूट कर रोने लगा। अब तक पांच मुंडे समर्थकों की मौत हो चुकी है। पंकजा मुंडे लगातार आत्महत्या न करने की अपील कर रही हैं। हालांकि एक के बाद एक समर्थक आत्महत्या कर रहे हैं। ये देखकर उनका दिल भी दुखी हो रहा है। दरअसल, इस लोकसभा चुनाव में बीड लोकसभा महायुति की उम्मीदवार पंकजा मुंडे हार गई हैं। महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार बजरंग सोनवणे और पंकजा मुंडे के बीच सीधी टक्कर देखने को मिली। बीड लोकसभा क्षेत्र में 15 लाख 19 हजार 523 मतदाताओं ने मतदान किया। चुनाव में पंकजा मुंडे 6 हजार 553 वोटों से हार गईं। फैसला 4 जून को सुनाया गया। उसके बाद पंकजा मुंडे की हार के वजह से युवा आत्महत्या करने लगे। पंकजा मुंडे की हार के कारण सचिन कोंडीबा मुंडे (उम्र 30, निवासी येस्टार, निवासी अहमदपुर, जिला लातूर), पांडुरंग रामभाऊ सोनवणे (निवास डीघोल अंबा, अंबाजोगाई जिला बीड), पोपट वैभसे (निवासी चिंचवाड़ी), आष्टी जिला बीड) और गणेश (उर्फ) हरिभाऊ भाऊसाहेब बड़े (उम्र 35, निवासी वारनी, शिरूर कसार जिल्हा बीड) संदीप शिरसाट ने आत्महत्या कर ली। पंकजा मुंडे ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जीवन से हार मत मानो। मेरे कार्यकर्ता मेरे लिए महत्वपूर्ण हैं। कृपया ऐसा कदम न उठाएं। अपने बच्चों और परिवार को न छोड़ें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि मैं बहुत बहादुर इंसान हूं। हार के बावजूद मैं कभी असहज नहीं हूं। लेकिन इससे (समर्थकों के आत्महत्या करने) मुझे गहरा सदमा पहुंचा है और मैं खुद को दोषी महसूस करती हूं कि लोग अपनी जान दे रहे हैं। मैं आपको एक मौका दूंगी। मैं आपकी कसम खाता हूं। राजनीति में हार-जीत चलती रहती है। लोगों में हीन भावना पैदा होती जा रही है। पंकजा मुंडे ने कहा कि ये भावनाएं लोगों को विरोध के लिए प्रेरित कर रही हैं। दूसरी ओर बीड के आष्टी तालुका के चिंचवाड़ी के पोपट बैबसे ने एक पेड़ से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली है। रविवार को पंकजा मुंडे ने बैबसे परिवार से मुलाकात की। पंकजा को देखते ही बैबसे की पत्नी और बच्चे बिलख पड़े। ये देखकर पंकजा भी फूट-फूटकर रोने लगीं। उन्होंने कहा कि राजनीति में हार-जीत लगी रहती है। कई महान नेता हार गए लेकिन इस हार की वजह मौजूदा हालात हैं। उन्होंने कहा कि आत्महत्याओं से सदमे में हूं।

ब्रिटेन के आम चुनाव में कश्मीर और गाजा मुद्दों के नतीजों पर पड़ेगा गंभीर असर

लंदन। ब्रिटेन में आगामी आम चुनाव में 3.9 मिलियन मुस्लिमों के मतदान करने की संभावना है, जिससे मुस्लिम वोट सभी राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण हो जाएगा। इसके अलावा गाजा की स्थिति का चुनाव परिणाम गंभीर असर होने का अनुमान है। सरल शब्दों में कहा जाए तो इस बार ब्रिटेन के आम चुनाव में मुसलमान किंगमेकरकी भूमिका निभा सकते हैं। यही वजह है कि यू.के. में राजनीतिक दल मुस्लिम देशों से आने वाले अप्रवासी मूल के मतदाताओं की बढ़ती आबादी पर ध्यान केंद्रित करके जनसांख्यिकीय परिदृश्य पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। यदि 2 मई को इंग्लैंड में आयोजित परिषद चुनावों को 4 जुलाई के आम चुनावों से पहले जनता की राय का नमूना माना जाए, तो गाजा में युद्ध मतदान पैटर्न को प्रभावित करने वाला बड़ा मुद्दा प्रतीत होता है। इजरायल-हमास युद्ध पर लेबर पार्टी की स्थिति ने इंग्लैंड के स्थानीय चुनावों में मुस्लिम क्षेत्रों में इसके समर्थन को कम कर दिया है। इस तथ्य के बावजूद कि लेबर पार्टी पारंपरिक रूप से मुस्लिम मतदाताओं के बीच किसी भी अन्य प्रमुख पार्टी की तुलना में कहीं अधिक लोकप्रिय रही है, पार्टी को बड़ी संख्या में मुस्लिम मतदाताओं वाले वार्डों में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। यह इस बात का संकेत है कि इजरायल-गाजा युद्ध पर इसका रुख उन क्षेत्रों में इसके वोट को प्रभावित कर रहा है। युद्ध शुरू होने के बाद इसके शुरुआती रुख, जिसमें इसने लड़ाई में मानवीय विराम का आह्वान किया, ने पिछले साल काउंसिल और इसके फ्रंटबेंच से लेबर के इस्तीफों को प्रेरित किया। उदाहरण के लिए, वर्थिंग काउंसिलर और मोमेंटम की सह-अध्यक्ष हिलेरी शैन ने अन्य पार्टियों के फिलिस्तीनी समर्थक उम्मीदवारों का समर्थन करने के लिए लेबर पार्टी से इस्तीफा दे दिया और वह पत्रकार ओवेन जोन्स के वी डिजर्व बेटर अभियान में शामिल हो गई हैं। ब्लैकबर्न विद डार्वेन में, लेबर पार्टी ने स्वतंत्र उम्मीदवारों के लिए काउंसिल सीटें खो दीं, जिन्होंने नेतृत्व के गाजा रुख के कारण पार्टी छोड़ दी। वेस्ट मिडलैंड्स मेयर की दौड़ में, स्वतंत्र उम्मीदवार अखमद याकूब, जिन्होंने *गाजा* पर अभियान चलाया, ने 69,000 से अधिक वोट जीते। ग्रीन्स, जिन्होंने युद्ध शुरू होने के एक हफ्ते बाद ही *तत्काल युद्ध विराम* का आह्वान किया था, ने 2021 से अपने वोट शेयर में वृद्धि की है। परिणामस्वरूप, गाजा में संघर्ष पर लेबर का रुख तब से बदल गया है। फरवरी से, पार्टी इस क्षेत्र में तत्काल युद्ध विराम और सभी बंधकों की रिहाई की मांग कर रही है। और पहले से ही सर कीर स्टारमर इजरायल के लिए मजबूत समर्थन से दूर होने लगे हैं, जिसे उन्होंने 7 अक्तूबर को हमास द्वारा 1,200 इजरायलियों के नरसंहार के तुरंत बाद व्यक्त किया था। गाजा के अलावा कश्मीर भी ब्रिटेन के चुनावों में एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। स्थानीय चुनावों में जीत हासिल करने वाले वर्कर्स पार्टी के जॉर्ज गैलोवे ने ओल्डम में चुनाव प्रचार के दौरान गाजा और कश्मीर दोनों को प्राथमिक मुद्दा बनाया था, जहां पाकिस्तानी/कश्मीरी समुदाय के मतदाताओं की बड़ी संख्या है। ब्रिटेन की राजनीतिक बहसों में इस्लामवादी बयानबाजी को जगह मिलती है। दिसंबर 2023 में, स्कॉटिश नेशनल पार्टी की नेता और सांसद एलिसन थेवलिस ने ब्रिटिश संसद में कश्मीर मुद्दे को उठाया। विशेष रूप से, थेवलिस ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को रद्द करने के राष्ट्रपति के अधिकार को बरकरार रखने के भारत के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले पर ब्रिटिश सरकार के रुख पर सवाल उठाया। 4 जुलाई, 2024 के आम चुनावों की दौड़ में, ब्रिटिश कश्मीरी समूहों के नेताओं ने कश्मीर मुद्दे पर विभिन्न राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों के बीच लॉबिंग शुरू कर दी है। पाकिस्तानी और कश्मीरी समुदाय से अपील की जा रही है कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्रों में उन उम्मीदवारों की सफलता के लिए अपनी भूमिका निभाएं जो न केवल कश्मीरियों की इच्छा के अनुसार कश्मीर मुद्दे के समाधान का वादा करते हैं बल्कि कश्मीर में भारतीय बलों द्वारा कथित मानवाधि

140 यात्रियों के साथ कंचनजंघा एक्सप्रेस सियालदह के लिए रवाना

सबरूम (हिंस)। कंचनजंघा एक्सप्रेस पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार आज सुबह 6:20 बजे दक्षिण त्रिपुरा जिले के सबरुम स्टेशन से सियालदह स्टेशन के लिए रवाना हुई। सबरुम स्टेशन के अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन 140 यात्रियों को लेकर रवाना हुई। इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए आज सुबह से ही सैकड़ों लोग स्टेशन परिसर में मौजूद थे। स्टेशन अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। जैसा कि यहां बताया गया है, कंचनजंगा एक्सप्रेस सप्ताह में चार दिन मंगलवार, गुरुवार, शनिवार और रविवार सबरुम स्टेशन से प्रस्थान करती है। वहीं, ट्रेन हर मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार और रविवार को सियालदह स्टेशन से खुलेगी। दक्षिण त्रिपुरा में यात्रियों के लिए रेल यात्रा बहुत आसान हो गई है क्योंकि, कंचनजंघा एक्सप्रेस को सबरुम तक बढ़ा दिया गया है। ज्ञात हो कि दक्षिण त्रिपुरा में सबरुम निकट भविष्य में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण हो जाएगा। बांग्लादेश से संपर्क आसान हो गया है। यहां मैत्री सेतु के साथ इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट की स्थापना की गई है। यहां से बांग्लादेश के साथ सीधे आयात-निर्यात व्यापार का विस्तार किया जाएगा।

पृष्ठ एक का शेष

मूसलाधार बारिश से ...

ने सोमवार को एक सप्ताह का पूर्वानुमान जारी करते हुए गुवाहाटी में लगातार बारिश होने की भविष्यवाणी की है। असम और मेघालय समेत देश के कई हिस्सों के लिए अलर्ट जारी किया गया है, जहां 20 जून तक भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने 18 जून यानी मंगलवार को विशेष रूप से भारी बारिश की चेतावनी दी है। आईएमडी ने रविवार को अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर कहा कि असम और मेघालय में 16 और 17 जून को भारी (64.5-115.5 मिमी) से लेकर बहुत भारी वर्षा (115.5-204.4 मिमी) और 18 जून को असाधारण रूप से भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि 19 और 20 जून को भारी (64.5-115.5 मिमी) से लेकर बहुत भारी वर्षा (115.5-204.4 मिमी) होने की संभावना है। गुवाहाटी में भारी बारिश के बाद सोमवार को अनिल नगर और चांदमारी इलाकों की सड़कें बुरी तरह जलमग्न हो गईं, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। अनिल नगर के एक निवासी ने प्रशासन से समाधान की गुहार लगाई। एक स्थानीय ने कहा कि रात में पानी गिरा और पानी भर गया है। हम यहां कैसे आएंगे-जाएंगे? मैं प्रशासन से कहना चाहता हूं कि हमें यहां डायवर्जन की जरूरत है, क्योंकि डायवर्जन के बिना कोई समाधान नहीं है। इस बीच, चक्रवात रेमल के कारण असम में भारी बारिश हुई है, जिससे व्यापक बाढ़ आ गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, बाढ़ के कारण 14 जिले और 309 गांव प्रभावित हुए हैं, जिनमें करीमगंज सबसे अधिक प्रभावित है। ताजा बुलेटिन के अनुसार, बाढ़ के कारण ग्रामीण असम में 1,05,786 लोग प्रभावित हुए हैं और 1005.7 हेक्टेयर फसल क्षेत्र भी प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने 11 राहत शिविर और वितरण केंद्र स्थापित किए हैं, जहां 3,168 लोग शरण लिए हुए हैं।

हाफलांग-सिलचर राष्ट्रीय ...

के साथ-साथ बराक घाटी जाने वाली कई लॉरियां राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर फंसी हैं। ऐसे में इस बात को लेकर काफी संशय बना हुआ है कि राष्ट्रीय राजमार्ग कब चालू होगा। अगर बारिश नहीं रुकी तो सड़क चालू होने की कोई संभावना नहीं है। फिलहाल ध्वस्त राजमार्ग की हालत खतरनाक स्थिति में है।

सीएम ने केशव महंत ...

डॉ. हिमंत विश्व शर्मा मुख्यमंत्री बनने से पहले लंबे समय तक स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी थे। वर्तमान में मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा के पास गृह, कर्मचारी, लोक निर्माण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान, खिलंजिया एवं आदिवासी विकास, सांस्कृतिक सहित अन्य विभाग हैं। यह विभाग किसी मंत्री को वितरित नहीं किए गए हैं।

पत्नी की मौत से दुखी ...

चेतिया, संभवत: अपनी पत्नी के कैंसर से संबंधित व्यक्तिगत मुद्दों से निपटने के लिए, पिछले चार महीनों से छुट्टी पर थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन वहां पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। असम सरकार में सचिव बनने से पहले, चेतिया ने राज्य के तिनसुकिया और शोणितपुर जिलों के पुलिस अधीक्षक (एसपी) के रूप में कार्य किया था। पुलिस अभी भी उनकी मौत के पीछे की परिस्थितियों की जांच कर रही है।

पीएम मोदी आज ...

प्रधानमंत्री कार्यालय ने दी। परिसर में 40 कक्षाओं वाले दो शैक्षणिक ब्लॉक हैं, जिनकी कुल बैठने की क्षमता लगभग 1900 है। इसमें 300 सीटों की क्षमता वाले दो सभागार हैं। इसमें लगभग 550 छात्रों की क्षमता वाला एक छात्र छात्रावास है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, 2000 व्यक्तियों तक की क्षमता वाला एम्फीथिएटर, फैकल्टी क्लब और खेल परिसर सहित कई अन्य सुविधाएं भी हैं। यह परिसर एक *नेट जीरो* ग्रीन कैंपस है। यह सौर संयंत्र, घरेलू और पेयजल शोधन संयंत्र, अपशिष्ट जल के पुन: उपयोग के लिए जल पुनर्चक्रण संयंत्र, 100 एकड़ जल निकाय और कई अन्य पर्यावरण अनुकूल सुविधाओं के साथ आत्मनिर्भर रूप से कार्य करता है। नालंदा विश्वविद्यालय का इतिहास से गहरा संबंध है। लगभग 1600 वर्ष पूर्व स्थापित किए गए मूल नालंदा विश्वविद्यालय को विश्व के प्रथम आवासीय विश्वविद्यालयों में से एक माना जाता है। यह बिहार ही नहीं भारतवर्ष का वैभव रहा है।

बिहार में एक ...

पुल के दोनों और पहुंच पथ नहीं होने के कारण इस पर आवागमन नहीं हो रहा था। ग्रामीणों ने कुल निर्माण में अनियमितता का आरोप लगाया है। ग्रामीणों की मानें तो पिछले दो दिनों से पुल के स्लैब में दरार दिख रही थी। मंगलवार को अचानक से भरभराकर पुल गिर गया। यह प्रोजेक्ट केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय से वित्त पोषित है। जिसका निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग के अंतर्गत पड़ोसी जिला किशनगंज के ठेकेदार सिराजुर्रहमान ने कराया है। विभाग के इंजीनियर और ठेकेदार से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया जा रहा है। बिहार में पुल गिरने का इतिहास पुराना है। पिछले साल जून में भागलपुर-खगड़िया को जोड़ने वाला नीतीश कुमार का ड्रीम प्रोजेक्ट अगुवानी-सुल्तानगंज ध्वस्त हो गया था। इसका निर्माण एसपी सिंगला ने किया था। बाद में कंपनी ने अपने खर्चे पर नए सिरे से इसका निर्माण कर रही है। वहीं, पिछले साल सितंबर में बांका के बेलहर प्रखंड में जिलानीपथ के खेसर-तारापुर मुख्य सड़क के लोहागर नदी पर बहोरना गांव के पास बना पुल पानी के तेज बहाव के कारण धंस गया था। इससे 50 से अधिक गांवों के लोगों का आवागमन का रास्ता बंद हो गया था।

प्रियंका गांधी के खिलाफ ...

प्रियंका की उम्मीदवारी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को किसी भी क्षेत्र में अपना उम्मीदवार चुनने की पूरी आजादी है। वामपंथी नेता ने यह भी कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी की योजना वायनाड खाली करने की है, तो उन्हें राहुल गांधी जैसे प्रमुख नेता को दक्षिण में लाने की कोई जरूरत नहीं है। सीपीआई की वरिष्ठ नेता एनी राजा ने हाल ही में वायनाड से लोकसभा चुनाव में राहुल के खिलाफ चुनाव लड़ा था। नई दिल्ली में नेतृत्व बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि राहुल उत्तर प्रदेश में रायबरेली लोकसभा सीट रखेंगे और वायनाड सीट खाली करेंगे, जहां से उनकी बहन प्रियंका चुनाव लड़ेंगी। राहुल ने वायनाड और रायबरेली दोनों निर्वाचन क्षेत्रों से जीत हासिल की थी और उन्हें 4 जून को आए लोकसभा परिणामों के 14 दिनों के भीतर एक सीट खाली करनी थी।

गलती हुई है तो...

समाज के लिए अधिक घातक है। शीर्ष अदालत ने एनटीए से कहा कि परीक्षा कराने वाली एजेंसी का प्रतिनिधित्व करते हुए उसे दृढ़ रहना चाहिए। अगर गलती हुई है तो उसे स्वीकार करना चाहिए कि हां गलती हुई है और हम ये कार्रवाई करने जा रहे हैं। कम से कम इससे आपके काम पर भरोसा तो पैदा होगा। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और एसवीएन भट्टी की अवकाशकालीन पीठ ने केंद्र सरकार और एनटीए की पैरोकारी कर रहे वकीलों से कहा कि वह उनसे टाइमली एक्शन चाहते हैं। पीठ ने नई याचिकाओं पर केंद्र और एनटीए को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा है। इसके साथ ही इन नई याचिकाओं को भी पहले से लंबित याचिकाओं के साथ संलग्न करते हुए आठ जुलाई को सुनवाई के लिए लगाने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को नीट में गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए दोबारा परीक्षा कराने की मांग वाली दो नई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। शुरुआत में मामला सुनवाई पर आते ही कोर्ट ने कहा कि वह इन दोनों याचिकाओं पर भी नोटिस जारी कर रहे हैं। इन याचिकाओं को पहले से लंबित याचिकाओं के साथ संलग्न किया जाता है जिन पर आठ जुलाई को सुनवाई होनी है। केंद्र और एनटीए के वकील ने कोर्ट से कहा कि उनके उत्तर दाखिल करने तक कोर्ट मामले में कोई टिप्पणी न करे। लेकिन तभी याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने छात्रों का दर्द साझा करते हुए कहा कि हमें छात्रों की मेहनत को नहीं भूलना चाहिए। जरा सोचिए इस तरह से परीक्षा पास करने वाला इलाज करे। वकील ने मामले की जांच का मुद्दा उठाया। एनटीए के वकील ने कहा कि इसी पर पिछले सप्ताह 1563 छात्रों का ग्रेस मार्क रद्द करने का फैसला किया गया। अथॉरिटी छात्रों द्वारा उठाए गए मुद्दों और चिंता को समझती हैं और कार्रवाई कर रही हैं। गौरतलब है कि मेडिकल के पाठ्यक्रम एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष आदि में प्रवेश के लिए नीट-यूजी गत पांच मई को आयोजित हुई थी। परीक्षा के बाद से ही पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ियों की बात उठने लगी थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट और देश के छह उच्च न्यायालयों में छात्रों ने याचिका दाखिल कर नीट रद्द कर दोबारा परीक्षा कराने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं पर नोटिस जारी कर सभी को आठ जुलाई को सुनवाई पर लगाने का निर्देश दिया है। इस बीच एनटीए ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि 1563 छात्रों को दिए गए ग्रेस मार्क रद्द करने का निर्णय लिया गया है। इनकी दोबारा परीक्षा कराई जाएगी तथा छात्रों के पास दोबारा परीक्षा में शामिल होने का विकल्प होगा, अन्यथा उन्हें ग्रेस मार्क हटाकर दिए गए नंबर ही स्वीकार करने होंगे। पिछली सुनवाई पर कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि परीक्षा की शुचिता प्रभावित हुई है, जवाब देना होगा। छात्रों की ओर से लगातार कोर्ट में याचिकाएं दाखिल की जा रही हैं, दूसरी ओर छात्र पूरी परीक्षा रद्द कर सभी के लिए दोबारा परीक्षा कराने की मांग लेकर सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं।

चुनाव बाद हिंसा ...

अपने घरों से विस्थापित कर कहीं और आश्रय दिया गया था। इसे लेकर टीएमसी के नेता शांतनु सेन ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा अपने ही नेताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन पार्टी के भीतर असंतोष को दर्शाता है। पीड़ितों से मुलाकात के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने मीडिया से बाद की। भाजपा नेता ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी सरकार) की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि हर तरफ एक ही कहानी है। अगर आप भाजपा के लिए काम करते हैं तो आपको पीटा जाएगा। अगर आप यहां आएंगे तो आपकी पत्नी और परिवार को हिंसा का शिकार होना पड़ेगा। ममता जी यह आपकी सरकार है। यहां महिलाओं को पीटा जाता है। यह बहुत गंभीर मामला है। ममता जी आपको शर्म आनी चाहिए। एक चीज, जो मैं पुलिस को कहना चाहता हूं, हमारे कार्यकर्ताओं ने आपके सामने अपनी दुर्दशा व्यक्त की। अगर पुलिस ने उनके खिलाफ एक भी फर्जी मामला दर्ज किया तो ये गलत है। हम इसे राष्ट्रीय स्तर पर पूरी गंभीरता से लेंगे। रविशंकर ने कहा कि वह (पीड़िता) दलित समुदाय से तालुक रखती है। उसकी गलती ये थी कि उसका बेटा भाजपा की तरफ से पंचायत चुनाव लड़ रहा था। उसके दुकान को तोड़ दिया गया। ममता बनर्जी को कुछ तो शर्म करनी चाहिए। उन्हें संविधान के बारे में बात करना बंद कर देना चाहिए। अगर थोड़ी भी शर्म बची है तो उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसकी (पीड़ित) दुकान की मरम्मत कराई जाए जिसे उनके गुंडों ने तोड़ दिया। रविशंकर प्रसाद ने आगे कहा कि यह गांव शांत है। यहां कोई भी नहीं है। यह वह जगह है, जहां भाजपा कार्यकर्ता आकर बैठते थे। लेकिन अब वे नहीं आते हैं, क्योंकि वे अब डर में है। विरोध के रुप में हम यहां बैठे हैं। ये कैसा शासन है ममता बनर्जी का? हम लोगों की तलाश कर रहे हैं। वे सभी कहां गए? उन्होंने बताया कि पूरे गांव को खाली कर दिया गया है।

किसान सम्मान निधि ...

में एक बटन दबाकर डॉयरेक्ट ट्रांसफर के जरिए 9 करोड़ किसानों के खाते में 2-2 हजार किश्त डिजिटली ट्रांसफर की है। इस योजना के तहत 20,000 रुपए करोड़ किसानों के खाते में भेजे गए हैं। इसे 1 फरवरी 2019 को शुरु किया गया था और अबतक इसकी 16 किस्तें किसानों को जारी कर दी गई हैं। इस सुविधा का लाभ उठाने वाले किसानों के लिए केवाईसी प्रोसेस जरुरी कर दिया गया है।

देश के तीन बड़े ...

एयरपोर्ट प्रशासन ने पुलिस को इसकी सूचना दी। राजस्थान के जयपुर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को आज बम की धमकी वाला ईमेल मिला। हवाई अड्डे पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बम की धमकी वाले ईमेल के बाद पटना के जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई। बता दें कि मंगलवार को बिहार के पटना एयरपोर्ट, राजस्थान के जयुपर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट और गुजरात के वडोदरा एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मेल के जरिए मिली। जैसे ही यह धमकियां मिली, एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया गया। इसके चलते यात्रियों को भी काफी परेशानी हो रही है, लेकिन अब तक किसी प्रकार का बम एयरपोर्ट पर नहीं मिला है। एयरपोर्ट के चप्पे-चप्पे की जांच की जा रही है। जांच एजेंसियां लगातार बम की तलाश कर रही है और ईमले की जांच कर रही है।

आव्या जोशी के जन्मदिन पर पौधरोपण के साथ शीतल पेय का वितरण

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ के जानेमाने युवा व्यावसाई मनोज जोशी व शालु जोशी की पुत्री आव्या जोशी के चौथे जन्मदिन के अवसर पर जोशी परिवार ने विश्वनाथ वार्किंग जॉन में माहा नीम सहित कई वृक्षारोपण किया। इसके बाद विश्वनाथ के महर्षि विद्यापीठ में जाकर विधार्थियो में शीतल पेय फलों के रस का वितरण किया। मनोज जोशी ने बताया कि आज के आधुनिक युग में लोग विभिन्न तरह के फिजूल खर्ची करते हैं पर हमारा परिवार बच्चों के जन्मदिन पर इस तरह आयोजन कर सभी के साथ खुशियां मनाते हैं जोशी परिवार की इस पहल की चारों ओर लोग प्रशंसा कर रहे हैं।

छात्र की मौत की जांच सीबीआई को सौंपने के लिए सीएम ने ममता को लिखा पत्र

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने पश्चिम बंगाल की अपनी समकक्ष ममता बनर्जी से अनुरोध किया कि वे असम के तिनसुकिया के रहने वाले आईआईटी खड़गपुर के छात्र फैजान अहमद की रहस्यमयी मौत की सच्चाई को उजागर करने के लिए मामले की जांच में सीबीआई को शामिल करें। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को 17 जून को भेजे गए पत्र में डॉ. शर्मा ने पारदर्शी और निष्पक्ष जांच के लिए मामला सीबीआई को सौंपने का अनुरोध किया है। डॉ. शर्मा ने अपने पश्चिम बंगाल समकक्ष से अनुरोध किया कि वे सच्चाई का पता लगाने और शोकाकुल माता-पिता को न्याय दिलाने के लिए इस मामले की जांच में केंद्रीय एजेंसी सीबीआई को शामिल करने की अपील की है। इससे पहले 10 अक्टूबर, 2022 को भी डॉ. शर्मा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखकर फैजान की मौत की गहन जांच का अनुरोध किया गया था।

एनडीए सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : भाजपा

पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत धनराशि जारी करने के कदम का स्वागत

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किस्त जारी करने के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को धन्यवाद दिया है। भाजपा ने कहा कि इस योजना ने न केवल असम में, बल्कि पूरे देश में लाखों किसानों के चेहरों पर मुस्कान ला दी है। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता कल्याण गोगोई ने आज कहा कि पीएम किसान योजना के तहत, हजारों किसानों को लाभ हुआ है, जिससे वे राष्ट्रीय उत्पादन में अपना योगदान देने में सक्षम हुए हैं। इस योजना को देश की आर्थिक संरचना को मजबूत करने

की दिशा में एक बड़ा कदम बताते हुए प्रवक्ता गोगोई ने कहा कि असम के कुल 17.50 लाख किसानों को इससे 350 करोड़ रुपए का लाभ मिलेगा। असम के किसान पिछले कुछ वर्षों में कृषि उत्पादन बढ़ाने और कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र में हुई भारी वृद्धि और कृषि को राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए प्रवक्ता कल्याण गोगोई ने कहा कि जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में किसान सम्मेलन आयोजित करके हमारे किसानों के योगदान को मान्यता दी है, उसी तरह असम सरकार ने भी किसानों को उचित सम्मान और मान्यता देकर उनके योगदान को स्वीकार किया है।

निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर भजन-कीर्तन का आयोजन

गुवाहाटी। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर श्रीराम मंदिर रेलवे गेट नं 2 पुलिस रिजर्व के सामने गुवाहाटी में जय श्री राम भक्त महिला मंडल गुवाहाटी एवं जानकी महिला मंडल गुवाहाटी द्वारा भजन कीर्तन दिनांक 18 जून दोपहर 3 बजे से श्रीमती पार्वती मुंदड़ा एवं श्रीमती कमला धूत की देखभाल में बड़े ही सौहार्द पूर्ण वातावरण में हुआ। ईश प्रार्थना, गणेश वंदना एवं गायत्री मंत्र के साथ ही भजन कीर्तन श्रीमती गौरी अग्रवाल द्वारा शुभारंभ किया गया। श्रीराम श्री कृष्ण श्री हनुमान जी शिव शंकर भगवान कामाख्या देवी राणी सती दादी के भजनों से वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर श्रीराम गुप्ता माथुर वैश्य, हरी शंकर प्रसाद, उमा पोद्दार, उदय शंकर शाह, सरस्वती मूंधड़ा, गौरव झा, रमेश उपाध्याय, मृदुल कृष्ण गुप्ता, गोपाल राय, सरिता शर्मा, आशा झाकल, चंचल गुप्ता, दिनेश कुमार झा, रमेश कुमार झा, संगीता कुमारी चौहान, लीला भंसाली, उपेन्द्र कुमार गुप्ता, माया पारिक, सरस्वती गुप्ता, रमेश कुमार गुप्ता, माया शर्मा के साथ अनेकों व्यक्ति उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही भजन कीर्तन का समापन हुआ। आपकी अपनी ही पार्वती गुप्ता माथुर वैश्य जय श्री राम भक्त महिला मंडल गुवाहाटी।

पूर्वोत्तर यादव महासभा का सम्मान समारोह संपन्न

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर यादव महासभा की ओर से भांगागढ़ स्थित हिंदुस्तानी केंद्रीय विद्यालय में सभा एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। एसपी राय की अध्यक्षता में आयोजित समारोह का शुभारंभ सुभाष चंद्र यादव ने गणेश वंदना के साथ किया। तत्पश्चात श्री राय ने अपना संबोधन रखते हुए सभी समाज बंधुओं का स्वागत किया। साथ ही उन्होंने समाज का स्थाई भवन निर्माण करने पर भी बल दिया, जिसमें छात्रावास की व्यवस्था भी है ताकि बाहरी राज्यों से आने वाले बच्चे वहां रहकर अपनी पढ़ाई पूरी कर सके। इस सभा में आगामी सत्र के लिए सर्वसम्मिति से नागेश्वर कुमार यादव को अध्यक्ष के रूप में चुना गया। नवनियुक्त अध्यक्ष नागेश्वर कुमार यादव ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की, जिसमें कार्यकारी अध्यक्ष योगेश चौधरी, उपाध्यक्ष जयप्रकाश यादव (ननका यादव), महासचिव राम बाबू राय, कोषाध्यक्ष बिरजू कुमार यादव, संयुक्त सचिव संजय प्रसाद यादव व राजीव राय के अलावा कार्यकारिणी में संजय सिंह, प्रमोद राय, राघोकुमार यादव, मदन चौधरी, रमेश चौधरी आदि शामिल हैं।

वहीं मुख्य सलाहकार के रूप में एसपी राय, रामलाल यादव व देवेंद्र राय के नामों की घोषणा की गई। इसके अलावा टीम लीडर के रूप में संरक्षक सुरेश यादव को सर्वसम्मति से चुना गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में नागेश्वर कुमार यादव ने सभी समाज बंधुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपने कार्यकाल के दौरान संस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का भरपूर प्रयास करेंगे, जिसमें उन्हें समाज बंधुओं का पूर्ण सहयोग चाहिए। साथ ही उन्होंने संस्था को मजबूत करने के लिए प्रवासी यादव भाइयों से महासभा से जुड़ने का आह्वान किया।

मायुमं, नगांव समृद्धि शाखा ने अमृत धारा के अंतर्गत पानी मशीन लगवाई

नगांव (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच नगांव समृद्धि शाखा ने शनिवार को अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय कार्यक्रम अमृत धारा प्रकल्प के अंतर्गत नगांव में दो ठंडे पानी की मशीन लगवाकर उद्घाटन किया। इसी कड़ी में सर्वप्रथम हैबरगांव पुलिस चौकी के पास स्थित शिव मंदिर प्रांगण में एक अमृत धारा लगवाई गई। जिसके प्रायोजक राधेश्याम लोहिया ने अपने स्वर्गीय पिता इंद्र चंद्र लोहिया की स्मृति में प्रदान की। उक्त अमृत धारा का उद्घाटन राधेश्याम लोहिया ने अपनी धर्मपत्नी माया देवी लोहिया के साथ संयुक्त रूप से किया। अमृत धारा ठंडे पानी की मशीन को चारों ओर से लोहे की ग्रिल बनवाकर सुरक्षित भी किया गया है, उक्त ग्रिल बनवाने तथा मशीन को स्थापित करने में संजय रातुसरिया एवं जयप्रकाश अग्रवाल का सहयोग सराहनीय रहा। तत्पश्चात दूसरी अमृत धारा नगांव के खागोरीजान कॉलेज प्रांगण में लगवाई गई।

जिसे समृद्धि शाखा की सभी सदस्याओं ने मिलकर प्रायोजित किया, इसका उद्घाटन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ रमेश नाथ एवं वाइस प्रिंसिपल जोना राम नाथ के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ महावीर प्रसाद किल्ला, नगांव समृद्धि शाखा की पूर्व अध्यक्ष रिंकू गिदड़ा के साथ प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य विवेक तोदी, प्रांत की मारवाड़ी भाषा संस्कृति एवं सांस्कृतिक के वाइस चेयरमैन अरुण नागरका उपस्थित थे। सभी का फुलाम गमोछा से अभिनंदन किया गया। अभिनंदन कार्यक्रम का संचालन शाखा सचिव सपना पेड़ीवाल द्वारा किया गया। शाखा अध्यक्ष ममता सिंघी ने कार्यक्रम की सफलता हेतु सभी सदस्याओं, सलाहकार, मंदिर समिति के सदस्यों एवं अमृतधारा के प्रायोजक राधेश्याम लोहिया का धन्यवाद दिया है। इस अवसर पर शाखा की कोषाध्यक्ष मुस्कान जाजोदिया तथा अमृत धारा संयोजीका श्वेता जयदीप अग्रवाल एवं ज्योति अग्रवाल का सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम में समृद्धि की काफी मात्रा में सदस्याओं ने भारी बारिश के बावजूद भी अंश ग्रहण किया। इससे पूर्व 11 जून को भी नगांव समृद्धि शाखा द्वारा बोरकुला पालंतोली नामघर एवं मीना बाजार नामघर में भी एक-एक अमृत धारा लगाई गई थी, एवं बोरकुला गांव के लोगों के साथ जल ही जीवन है विषय पर एक सभा का आयोजन भी किया गया था। यह जानकारी नगांव समृद्धि शाखा की जनसंपर्क अधिकारी पिंकी नागरका द्वारा दी गई।

टुनापुखुरी के तट पर गीत और कविता की एक संध्या कार्यक्रम आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ में प्राय: 30 नव-पुराने कवियों ने वारिश के कविताओं से वातावरण जीवंत हो उठा। विश्वनाथ चारिआलि के काव्य चर्चा के अन्यतम तथा पुराने अनुष्ठान कविचक्र विश्वनाथ चारिआलि के सौजन्य में तथा बरकुरा एक्य मंच के आतिथ्य में टुनापुखुरी के किनारे आयोजित बहुभाषिक कवि सम्मेलन के पूर्व मूहूर्त में रूपकुंवर ज्योतिप्रसाद को सश्रद्धा याद करके दीप प्रज्ज्वलन बरकुरा एक्य मंच के उपाध्यक्ष मतिराम मुरा ने किया। कविचक्र बिश्वनाथ चारिआलि के अध्यक्ष शैलेन्द्र बोरा के अध्यक्षता में और कविचक्र के सचिव चंद्र लुइटेल के संयोजन में कविता के इस रंगारंग कार्यक्रम में विशिष्ट संस्कृत पंडित लोकनाथ उपाध्याय शास्त्री ने भाषा के जननी संस्कृत भाषा में स्वरचित प्रकृति विषयक कविता प्रस्तुति से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में प्रमुख कवि चित्र प्रसाद पौड़ेल ने हिंदी, सोमेश्वर उरांग ने साद्री , पूर्णिमा घिमिरे ने नेपाली, प्रतिभा

दास ने उड़िया, संतोष कुमार महतो ने भोजपुरी व हिंदी भाषा में स्वरचित कविता के प्रस्तुति के साथ विशिष्ट कवि दिलीप कुमार भट्टाचार्य, अंजना भागवती, बिपुल कुमार गायन, अंजन कुमार बरुवा, साबित्री भट्टाचार्य, रूबी सैकिया, रीता पटवारी बरुवा, शैलेन्द्र बोरा, माधवी हजारिका, दीपेन पौरेल, गोपाल शर्मा, सीमांत ओजा, बिमान रायबरुआ, पुर्वाली सैकिया, दुलाल बोरा, सबिता मुदै, निरला बोरा, पुलिन सैकिया आदि के साथ तीस से भी अधिक नए-पुराने कवि के स्वरचित कविता पाठ से पुखुरी के किनार जीवंत हो उठा। यह कार्यक्रम प्राकृतिक औऔर अकृत्रिम तकनीकों से सुसज्जित सुंदर वातावरण में आयोजित कार्यक्रम में लोकप्रिय कलाकार और कवि अतुल दास के गीतों और कविताओं से भरा हुआ था अनुभव करने का एक शानदार अवसर है। कार्यक्रम के पूर्व *आइए गांवों में जाए, कविता से सजाएं हरियाली धरती* कविचक्र, विश्वनाथ चारिआलि के इस असाधारण कार्यक्रम के साथ संपर्क रखकर स्थानीय छात्र-छात्राओं के बीच कविता आवृत्ति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उभरते हुए कवि और वाचक तप्पीदुति बोरा और विचित्र कुमार भुइयां प्रतियोगिता निर्णायक के रूप में उपस्थित थे और उन्होंने छात्रों को कविता पाठ सीखने की कला के बारे में बताया। कवियों का स्वागत एकता मंच के अध्यक्ष कृष्णकांत भुइयां ने किया। इसके अलावा मूर्तिकार शिव प्रसाद मारार के वाणीबद्ध कविता और बरकुरा-सधारूपार की माताओं द्वारा दिहा नाम, भाइटी कर्माकर और उनके बैंड द्वारा झूमूर नृत्य और निहारिका बोरा और अंकिता हजारिका के नेतृत्व में बिहू नृत्य की भी प्रस्तुति हुई। इस कार्यक्रम में स्थानीय ग्राम प्रधान अतुल खाउंड, बसंत काकती और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित में बहुभाषी कवि सम्मेलन में एक्य मंच के तरफ से मैट्रिक तथा बारहवीं में उत्तीर्ण मेधावी विद्यार्थी को अभिनंदन जनाया गया। इस कार्यक्रम में कविता पाठ प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

एसएसबी ने किया योगाभ्यास का आयोजन

कोकराझाड़ (विभास)। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली के कमांडेंट रविन्द्र कुमार के मार्गदशन में अगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रानीगुली के संदीक्षा परिवार तथा समस्त बलकर्मियों ने बढ़-चढ़कर योग में हिस्सा लिया। इस अवसर में श्री रविन्द्र कुमार ने संबोधित करते हुए बताया कि आज की व्यस्त दिनचर्या से मानव जीवन तनाव और अवसाद ग्रस्त होते जा रहा हैं, जिससे अपने खान-पान, स्वास्थ्य के बारे में सोचने तक का समय नही रह पाता है। हम अपने दैनिक कार्यों को भी सुचारू ढंग से नही कर पा रहे हैं। योग हमारे दिनचर्या में शामिल करना चाहिए ताकि हमारे शारीरिक एवं मानसिक तनाव से निजात पाया जा सके। योग मनुष्य के शारीरिक स्वास्थ्य, भावनात्मक सद्भाव बढ़ाने में मदद करता है और दैनिक तनाव और उसके परिणामो का प्रबंधन करता है।

सम्मेलन की नगांव शाखा ने मनाया रूप कुमार ज्योति प्रसाद अग्रवाल का जन्मोत्सव

नगांव (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा ने सोमवार रूप कुंवर ज्योति प्रसाद अग्रवाल की जन्म जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के तहत नगांव के ढाका पट्टी चौराहे पर स्थित रूप कुंवर ज्योति प्रसाद अग्रवाल की प्रतिमा को फूलों से सजाया गया एवं उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें फूल अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई एवं दीप प्रज्ज्वलित किए गए। इस अवसर पर सम्मेलन की नगांव शाखा के अध्यक्ष प्रदीप शोभासरिया, पूर्व अध्यक्ष पवन गाड़ोदिया, अनिल शर्मा, कोषाध्यक्ष मालचंद अग्रवाल, संयुक्त सचिव अरुण नागरका, रघुवीर प्रसाद आलमपुरिया, शंकर लाल शोभासरिया, सुरेन्द्र बंका, बालकिशन दादलिका, दिनेश अग्रवाल, प्रांगण बुधिया, संजय मित्तल, सम्मेलन के प्रांतीय मंडलीय उपाध्यक्ष संजय गाडोदिया के साथ-साथ समाज के कई गणमान्य व्यक्तगण उपस्थित थे। मारवाड़ी युवा मंच नगांव समृद्धि शाखा की उपाध्यक्ष रितिका मोर एवं सचिव सपना पेड़ीवाल ने भी कार्यक्रम में उपस्थित होकर रूप कुंवर को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए माल्यार्पण किया। सुबह से हो रही बारिश के बावजूद भी सम्मेलन के सदस्य एवं समाज बंधु गण काफी मात्रा में कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उक्त आशय की जानकारी सम्मेलन के द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

नलबाड़ी खांडल विप्र परिषद की नई कार्यकारिणी का गठन

नलबाड़ी। रविवार को अखिल भारतवर्षीय श्री खांडल विप्र महासभा के अंतर्गत नलबाड़ी शाखा सभा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का गठन एवं शपथ समारोह स्थानीय मारवाड़ी पंचायत धर्मशाला में आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय खांडल विप्र संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष कन्हैयालाल पीपलवा, महामंत्री, लक्ष्मीपत माटोलिया, कोषाध्यक्ष, महेश कुमार जोशी एवं गुवाहाटी खांडल विप्र परिषद के अस्थाई अध्यक्ष गोवर्धन रिणवा एवं सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता जुगल किशोर बुढ़ाढ़रा उपस्थित रहे। श्रीमती शिखा शर्मा माटोलिया ने सभी अतिथियों को वैदिक मंत्रोचार से मंचासीन करवाया। शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता खांडल विप्र परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष विजय कुमार झिखनाड़िया ने की। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा भगवान परशुराम का पूजन तिलक, माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। सभा में उपस्थित सभी खांडल समाज एवं मातृ शक्ति ने भगवान परशुराम का पूजन अर्चन किया। इसके पश्चात सुश्री निशा शर्मा बुढ़ाढ़रा ने शानदार स्वागत गीत गाकर अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया। सर्वप्रथम असमिया संस्कृति का प्रतीक फूलाम गमछा ओढ़ाकर आज की सभा के अध्यक्ष विजय कुमार झिकनाड़िया का स्वागत

अभिनंदन पुरुषोत्तम बुढ़ाढ़रा द्वारा किया गया। पूर्वोत्तर प्रदेशीय खांडल विप्र संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष कन्हैयालाल पीपलवा का स्वागत अभिनंदन विजय कुमार झिकनाड़िया ने किया। महामंत्री लक्ष्मीपत माटोलिया का स्वागत अभिनंदन पवन कुमार झिकनाड़िया ने किया, कोषाध्यक्ष महेश कुमार जोशी का स्वागत प्रमोद कुमार बुढ़ाढ़रा ने किया, खांडल विप्र परिषद गुवाहाटी के सामाजिक कार्यकर्ता गोवर्धन रिणवा का स्वागत पूर्वोत्तर प्रदेशीय खांडल विप्र संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील कुमार चोटिया ने एवं सामाजिक कार्यकर्ता जुगल किशोर बुढ़ाढ़रा का स्वागत अभिनंदन सांवरमल चोटिया ने किया। महिला प्रकोष्ठ की सदस्या श्रीमती द्रोपदी देवी बुढ़ाढ़रा, श्रीमती सुनीता बुढ़ाढ़रा, हेमा चोटिया, सुधा रिणवा एवं रुचिका चोटिया ने उपस्थित सभी अतिथियों को नीम पेड़ का पौधा उपहार स्वरूप भेंट किया गया। इसके पश्चात विजय कुमार झिकनाड़िया ने नलबाड़ी खांडल समाज का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें समाज के पूर्वजों एवं बड़े बुजुर्गों का सामिजिक व धार्मिक अवदान, समाज की प्रतिभाओं का विवरण, महासभा तथा हितैषी के आजीवन सदस्यों की तालिका आदि प्रस्तुत की। सभा में खांडल विप्र परिषद की पुरानी कार्यकारिणी का पदत्याग की घोषणा विजय कुमार झिकनाड़िया ने की साथ ही आज की सभा में खांडल विप्र परिषद की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी की घोषणा एवं कार्यकारिणी सदस्यों का शपथ ग्रहण पूर्वोत्तर प्रदेशीय खांडल विप्र संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष कन्हैयालाल पीपलवा द्वारा करवाया गया। कार्यकारिणी इस प्रकार रही-वरिष्ठ संरक्षक- विजय कुमार झिकनाडिया। वरिष्ठ मार्गदर्शक-पवन कुमार झिकनाड़िया, राजकुमार बुढ़ाढ़रा, सांवरमल चोटिया। उपाध्यक्ष- पुरुषोत्तम बुढ़ाढ़रा, प्रकाश कुमार चोटिया। अध्यक्ष डॉक्टर जितेंद्र कुमार शर्मा बुढ़ाढ़रा, महासचिव- एडवोकेट प्रवीण कुमार शर्मा काछवाल, सह सचिव आनंद कुमार चोटिया, प्रशांत शर्मा माटोलिया, मोहित शर्मा झिकनाड़िया, कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार बुढ़ाढ़रा, प्रचार सचिव- सुशील कुमार चोटिया, सदस्यगण अनिल कुमार झिकनाड़िया, भगवान बुढ़ाढ़रा, राजेश कुमार रिणवा, अशोक कुमार माटोलिया, संतोष कुमार बुढ़ाढ़रा, प्रदीप कुमार चोटिया, मनोज कुमार चोटिया, पवन कुमार चोटिया, भंवरलाल बुढ़ाढ़रा, अंकित बुढ़ाढ़रा, शांतनु झिकनाड़िया, राहुल कुमार चोटिया, संजय कुमार बुढ़ाढ़रा। साथ ही सर्व सम्मति से नव निर्वाचित महिला प्रकोष्ठ में श्रीमती सुनिता बुढ़ाढ़रा को अध्यक्षा एवं श्रीमती शिखा माटोलिया को महासचिव पद पर मनोनीत किया गया एवं महिलाओं की पूर्ण कार्यकारिणी गठन करने की जिम्मेदारी सभा में दी गई। पूर्वोत्तर प्रदेशीय खांडल विप्र संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष कन्हैयालाल पीपलवा एवं गुवाहाटी से पधारे अतिथियों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉक्टर जितेंद्र कुमार शर्मा बुढ़ाढ़रा, महासचिव एडवोकेट प्रवीण कुमार शर्मा काछवाल तथा महिला अध्यक्षा श्रीमती सुनीता देवी बुढ़ाढ़रा व महासचिव श्रीमती शिखा शर्मा माटोलिया को पुष्प माला पहरा कर स्वागत अभिनंदन किया। प्रांतीय अध्यक्ष कन्हैयालाल पीपलवा ने नवनिर्वाचित सभी पदाधिकारी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी एवं अपने संबोधन में समाज को सुसंगठित होकर कार्य करने की प्रेरणा दी साथ ही महिलाओं को भी संगठित होकर समाज हित में कार्य करने की सलाह दी। इसके अलावा उपस्थित अतिथि गोवर्धन रिणवा, पूर्वोत्तर प्रदेशीय खांडल विप्र संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील कुमार चोटिया तथा नलबाड़ी समाज के प्रकाश कुमार चोटिया, पुरुषोत्तम बुढ़ाढ़रा एवं पवन कुमार झिकनाड़िया ने सभा में अपने विचार रखें। अंत में अपने अध्यक्षीय संबोधन में विजय कुमार झिखनाड़िया ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को हार्दिक बधाई दी एवं गुवाहाटी से पधारे सभी अतिथिगण, उपस्थित नलबाड़ी खांडल समाज एवं मातृशक्ति युवा शक्ति को सभा की हार्दिक सफलता के लिए अंतर दिल से धन्यवाद दिया। अंत में राष्ट्रीय गीत के साथ सभा भंग करने की घोषणा की।

संपादकीय

अस्थिर राजनीति की ओर

जिस प्रदेश में बार-बार उपचुनाव होने लगें और जहां विधानसभा की सदस्यता अदालत से विधानसभा अध्यक्ष की कचहरी तक नाच करे, वहां सामान्य परिस्थितियां नहीं हैं। हिमाचल अब तक अपनी सियासत की मजबूती, सहनशीलता, जवाबदेही, वचनबद्धता तथा दलगत संस्कृति के उच्च आयाम स्थापित करता रहा है, लेकिन अब जुबान, जिरह और जमीन बदल रही है। विधानसभा बार-बार बंट रही है और जनादेश भी सियासी बही खाते की अपंगता में शरीक हो रहा है। आप ऐसे तो न थे, आप यह कैसे हो गए, यह हिमाचल का मतदाता पूछ रहा है। वह कब तक सियासी जोर आजमाइश का मोहरा बना रहेगा। मात्र 68 सदस्यीय विधानसभा से नौ विधायकों की सदस्यता का खारिज होना, न प्रेरक है और न ही पूरक, बल्कि यह अस्थिरता रोग की निशानी दे गया। अब पुनः यही दस्तूर निर्दलीय विधायकों के कारण उपचुनाव की धौंकनी से अस्थिरता के अंगारों को हवा देगा। ये तमाम उपचुनाव दो पार्टियों के बीच का फासला नहीं, बल्कि सियासत का तियापांचा है जो सिर्फ अहंकार और स्वार्थ की मिट्टी से खेल रहा है। जब टुकड़े बंटने लगते हैं, तो क्या छोटा और क्या बड़ा, यहां सारा तमाशा, घात-प्रतिघात का है। कौन नेता, किसकी मुहर और किसकी बिकवाली से किसकी खता, सभी इस हमाम में नंगे हैं। लोगबाग पार्टियां बदल रहे हैं, क्योंकि पार्टियों में कब्जाधारी बदल रहे हैं। हिमाचल में सत्ता के जनक अपनी फौज और अपने युद्ध के मोर्चे तय कर रहे हैं। चुनावी राजनीति के फलक को तिरोहित करके जब सत्ता के लाभार्थी किसी भी गली-कूचे से सीधे सरकार के अलंकार बन जाएं, तो ये सीढियां भी खेल तमाशा है। सियासत अब अनूठी कचहरी की तरह हमारे सामने सरकारें और सरकारों के तख्त परोसने लगी है। यहां जीत के प्रमाण से कहीं अधिक हार के तर्क हैं और इसलिए शक्तिशाली को हार कर भी जीत का ढिंढोरा पीट दे। चार लोकसभा की सीटों से कहीं अधिक जोश उस जीत का है जो कांग्रेस के कुल छह विधायक गंवा कर चार नए चेहरे हासिल करने से पैदा हुआ। अब पुनः तीन उपचुनाव किसी के लिए बरसात-किसी के लिए सौगात, लेकिन इसके पीछे के हालात राजनीति में अस्थिरता का माहौल ही तो पैदा कर रहे हैं। अस्थिर राजनीति की परेशानी में जनता यह कैसे तय करे कि वह किसी को जीत दिला कर हार जाएगी या हरा कर परास्त होगी। क्या फर्क पड़ता कि कल के निर्दलीय आज के भाजपाई होकर चुनाव का शंखनाद करें या टोह लेती कांग्रेस कहीं आगे निकलकर भाजपा के किसी विक्षुब्ध नेता को हथिया ले। यही परिस्थितियां अचानक कुछ गुमशुदा नेताओं को सामने ले आती हैं, जबकि आम कार्यकर्ता चुनाव के मूड को पढ़ते-पढ़ते अपने मूड को कुर्बान कर देता है। देहरा उपचुनाव की बाहों में हथियार बना पहले ही निर्दलीय होशियार सिंह की संगत में भाजपा को देख रहा है, जबकि रमेश धवाला का पारा इतिहास की गवाही में सियासत को कसूरवार बना रहा है। कुछ बयान फरमाइश करते हुए या कांग्रेस के खालीपन को साधते हुए रमेश धवाला के आए, तो भाजपा के हाकिम उनका नाड़ी परीक्षण करने जुट गए। अब ज्वालाजी-ज्वालाजी रहेगी या ज्वालाजी से निकलकर कोई ज्वाला देहरा पहुंच जाएगी। विपिन सिंह परमार की मान मनोव्वल में दिल पिघल जाए तो भी गनीमत है वरना एक उपचुनाव की हस्ती में कई कुरुक्षेत्र हो जाएंगे। जरा सोचें जीवित नेताओं के स्वाभिमान के कारण बढ़ते उपचुनाव, हिमाचल की हस्ती में कितने विराम और कितने अनिश्चय लेकर आ रहे हैं। उपचुनावों के नाखून गंजे लोकतंत्र को लहूलुहान करके हमारे भविष्य को अस्थिर ही करेंगे, जबकि सुरक्षा कवच पहनकर भी सत्ता और विपक्ष, निहायत कमजोर और अमर्यादित होकर सिर्फ लुकाछिपी करते रहेंगे।

हिमाचल अब तक अपनी सियासत की मजबूती, सहनशीलता, जवाबदेही, वचनबद्धता तथा दलगत संस्कृति के उच्च आयाम स्थापित करता रहा है, लेकिन अब जुबान, जिरह और जमीन बदल रही है। विधानसभा बार-बार बंट रही है और जनादेश भी सियासी बही खाते की अपंगता में शरीक हो रहा है। आप ऐसे तो न थे, आप यह कैसे हो गए, यह हिमाचल का मतदाता पूछ रहा है। वह कब तक सियासी जोर आजमाइश का मोहरा बना रहेगा। मात्र 68 सदस्यीय विधानसभा से नौ विधायकों की सदस्यता का खारिज होना, न प्रेरक है और न ही पूरक, बल्कि यह अस्थिरता रोग की निशानी दे गया। अब पुनः यही दस्तूर निर्दलीय विधायकों के कारण उपचुनाव की धौंकनी से अस्थिरता के अंगारों को हवा देगा। ये तमाम उपचुनाव दो पार्टियों के बीच का फासला नहीं, बल्कि सियासत का तियापांचा है जो सिर्फ अहंकार और स्वार्थ की मिट्टी से खेल रहा है। जब टुकड़े बंटने लगते हैं, तो क्या छोटा और क्या बड़ा, यहां सारा तमाशा, घात-प्रतिघात का है। कौन नेता, किसकी मुहर और किसकी बिकवाली से किसकी खता, सभी इस हमाम में नंगे हैं। लोगबाग पार्टियां बदल रहे हैं, क्योंकि पार्टियों में कब्जाधारी बदल रहे हैं। हिमाचल में सत्ता के जनक अपनी फौज और अपने युद्ध के मोर्चे तय कर रहे हैं।

केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है

फिर आतंकी हमलें, कायम हो शांति का उजाला

ललित गर्ग

यह आशंका सच साबित हो रही है कि भाजपा को पूर्ण बहुमत न मिलने पर कश्मीर में आतंकी घटनाएं बढ़ेंगी एवं पाकिस्तान पोषित आतंकवाद फिर से फन उठाने लगेगा। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा में चार दिनों में चार आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। रविवार को रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस के चालक पर हुए हमले के बाद बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी। जिसमें नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। फिर कठुआ व डोडा में हुए आतंकी हमलों में एक जवान और दो आतंकवादी मारे गए हैं। लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर कश्मीर को अशांत करने की कोशिशें तीव्र होते हुए दिख रही है। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है। इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से लिया है। कुछ गिरफ्तारियां भी हुई और हथियार भी बरामद हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल व सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक की है। इसमें आतंकवाद की नई चुनौती से मुकाबले की रणनीति पर विचार हुआ है। दरअसल, नई सरकार बनने की प्रक्रिया के दौरान हुए इन हमलों में पाक की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन पाकिस्तान यह बड़ी भूल कर रहा है, क्योंकि मोदी सरकार की दृढ़ता एवं साहस को चुनौती देना इतना आसान नहीं है। फिर भी लगातार हुए आतंकी हमले चिंता तो बढ़ा ही रहे हैं। एलओसी से लगते जम्मू के इलाके में आतंकवादी घटनाओं का बढ़ना गंभीर हैं, चिन्ताजनक है। मारे गये दो आतंकवादियों के पास से पाकिस्तानी हथियार व सामान की बरामदगी बताती है कि पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे। मैंने चुनाव से पूर्व अपनी एक सप्ताह की कश्मीर यात्रा में देखा कि केन्द्र सरकार ने कश्मीर में विकास कार्यों को तीव्रता से साकार किया है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 10 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया। लेकिन वहां विकास एवं शांति स्थापना का ही परिणाम रहा कि चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेकर लोकतंत्र में अपना विश्वास व्यक्त किया। कहा जा सकता है कि राज्य में लोकतंत्र को मजबूत होते देख बौखलाहट में ये आतंकवादी हमले किये जा रहे हैं। दरअसल, केंद्रशासित प्रदेश का शांति-सुकून की तरफ बढ़ना आतंकवादियों की हताशा को ही बढ़ाता है। हाल के दिनों में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटकों का घाटी में आना और लोकसभा चुनाव में बंपर मतदान सीमा पार बैठे आतंकियों के आकाओं को रास नहीं आया है। जम्मू के इलाके में आतंकी घटनाओं में वृद्धि शासन-प्रशासन के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इन हमलों में पाकिस्तान की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि रविवार को हुए हमले की जिम्मेदारी जहां लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी गुट टीआरएफ ने ली तो डोडा में हुए हमले की जिम्मेदारी पाक पोषित जैश-ए-मोहम्मद के एक गुट कश्मीर टाइगर्स नामक आतंकी संगठन ने ली है। बहरहाल, भारतीय सेना व सुरक्षा बल आतंकवादियों को भरपूर जवाब दे रहे हैं। लेकिन इस माह के अंत में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा का निर्बाध आयोजन सुरक्षा बलों के लिये बड़ी चुनौती होगी। जिसको लेकर विशेष चौकसी बरतने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर हाल के आतंकी हमले केंद्र सरकार व राज्य प्रशासन को भी आत्ममंथन का मौका देते हैं। तीन दशकों से कश्मीर घाटी दोषी और निर्दोषी लोगों के खून की हल्दीघाटी बनी रही है। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से वहां शांति एवं विकास का अपूर्व वातावरण बना है। गठबंधन की केन्द्र सरकार के सामने अब बड़ा लक्ष्य है वहाँ आतंक से अमन-चैन तक लाने के चले आ रहे मिशन को सफल करने का, लोकतंत्र को सशक्त बनाने का, विकास के कार्यक्रमों को गति देने का एवं कश्मीर के लोगों पर आयी मुस्कान को कायम रखने का। बेशक यह कठिन और पेचीदा काम है लेकिन राष्ट्रीय एकता और निर्माण संबंधी कौन-सा कार्य पेचीदा और कठिन नहीं रहा है? इन कठिन एवं पेचीदा कामों को आसान करना ही तो नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार का जादू रहा है। अब गठबंधन सरकार में भी वे अपने इस जादू को दिखाये। इन आतंकी हमलों ने अनेक प्रश्न खड़े किये हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि कश्मीर की जनता क्यों राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ नहीं पा रही है? क्या कश्मीरी लोगों में नई व्यवस्था में अपने अधिकारों की सुरक्षा व संपत्ति के अधिकारों को लेकर मन में संशय की स्थिति में वृद्धि हुई है? हमें यह तथ्य स्वीकारना चाहिए कि किसी भी राज्य में आतंकवाद का उभरना स्थानीय लोगों के सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकता। वहीं यह भी हकीकत है कि कश्मीरी जनमानस का दिल जीतना शक्ति से नहीं बल्कि उनके अनुकूल नीतियां बनाने व लोकतंत्र की बहाली से ही संभव है। अब कश्मीर में आतंक का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होना ही चाहिए। आए दिन की हिंसक घटनाएं आम नागरिकों में भय का माहौल ही बनाती हैं। माना कि रोग पुराना है, लेकिन ठोस प्रयासों के जरिए इसकी जड़ का इलाज होना ही चाहिए। कश्मीरियों में अपनी सुरक्षा के प्रति भरोसा जगाना सरकार की पहली जिम्मेदारी है। घाटी में सक्रिय आतंकियों के खात्मे में सुरक्षा तंत्र ने काफी कामयाबियां हासिल की हैं। अब जरूरत है खुफिया तंत्र को दूसरी तरह की चुनौतियों का सामना करने को तैयार एवं सक्षम किया जाये। घाटी में हालात सुधरने के केंद्र सरकार के दावों की सत्यता इसी से परखी जाएगी कि घाटी में अल्पसंख्यक पंडित और प्रवासी कामगार खुद को कितना सुरक्षित महसूस करते हैं। वास्तव में देखा जाये तो असली लड़ाई कश्मीर में बन्दूक और सन्दूक की है, आतंकवाद और लोकतंत्र की है, अलगाववाद और एकता की है, पाकिस्तान और भारत की है। शांति का अग्रदूत बन रहा भारत एक बार फिर युद्ध के जंग की बजाय शांति प्रयासों एवं कूटनीति से पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाये, यह अपेक्षित है। पाकिस्तान एक दिन भी चुप नहीं बैठा, लगातार आतंक की आंधी को पोषित करता रहा, अपनी इन कुचेष्ठाओं के चलते वह कंगाल हो चुका है, आर्थिक बदहाली में कटोरा लेकर दुनिया घूम आया, अब कोई मदद को तैयार नहीं, फिर भी उसकी घरेलू व विदेश नीति 'कश्मीर' पर ही आधारित है। कश्मीर सदैव उनकी प्राथमिक सूची में रहा। पाकिस्तान जानता है कि सही क्या है पर उसकी उसमें वृत्ति नहीं है, पाकिस्तान जानता है कि गलत क्या है पर उससे उसकी निवृत्ति नहीं है।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा में चार दिनों में चार आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। रविवार को रियासी में श्रद्धालुओं से भरी बस के चालक पर हुए हमले के बाद बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी।

दृष्टि कोण

खाद्य पदार्थों की सुरक्षा एवं गुणवत्ता जरूरी

खाद्य सुरक्षा की स्थिति तब बनती है जब सभी लोगों के पास हर समय पर्याप्त, सुरक्षित और पौष्टिक भोजन के लिए भौतिक एवं आर्थिक पहुंच उपलब्ध होती है, ताकि एक सक्रिय एवं स्वस्थ जीवन के लिए उनकी आहार संबंधी आवश्यकताओं एवं खाद्य वरीयताओं की पूर्ति हो सके। खाद्य सुरक्षा इस बात का बहुत महत्वपूर्ण निर्धारक है कि लोग सक्रिय और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं या नहीं, क्योंकि यह पोषक तत्वों की जरूरत को पूरा करने के लिए आवश्यक खाद्य पदार्थों तक उनकी पहुंच निर्धारित करता है। खराब खाने से पनपने वाले खतरे को पहचानने और समझने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन के सहयोग से इस वर्ष 7 जून को नए थीम के साथ खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2024 का विषय था- 'खाद्य सुरक्षा : अप्रत्याशित के लिए तैयारी करें।' इस वर्ष का थीम खाद्य सुरक्षा, घटनाओं के लिए तैयार रहने के महत्व को रेखांकित करता है, चाहे वे कितनी भी हल्की या गंभीर क्यों नहीं हों। खाद्य सुरक्षा दिवस को मनाने के लक्ष्य हैं : खाद्य सुरक्षा, मानव स्वास्थ्य, आर्थिक समृद्धि, कृषि बाजार पहुंच, सतत विकास में योगदान करने, खाद्य जनित जोखिमों का पता लगाने एवं रोकने तथा प्रबंधित करने में मदद हेतु ध्यान आकर्षित करने और कार्रवाई को प्रेरित करने हेतु। एक अनुमान के अनुसार हर साल वायरस, बैक्टीरिया, रासायनिक पदार्थों से दूषित भोजन खाने से लगभग 600 मिलियन लोग बीमार पड़ते हैं और 420000 लोग मारे जाते हैं। इनमें ज्यादातर औरतें और बच्चे होते हैं। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की हर साल 125000 मौतें होती हैं। सयुंक्त राष्ट्र ने खाद्य सुरक्षा में चुनौतियां चिन्हित की हैं जो हैं : जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान, मौसम की परिवर्तनशीलता, आक्रामक फसल कीट और लगातार चरम मौसमी घटनाओं का खेती कार्यों पर हानिकारक प्रभाव आदि। इससे ऊपज में कमी, पोषण गुणवत्ता की गिरावट और किसान आय में हानि हो रही है। हरित क्रांति से भारतवर्ष में खाद्य असुरक्षा और गरीबी दोनों के स्तरों में कमी आई है। साथ में जनसंख्या की वृद्धि के दबाव को भी सहन किया है। परंतु अभी भी खाद्य सुरक्षा को बनाए रखने में बहुत सी चुनौतियां हैं जिनमें बढ़ते भूमि क्षरण, मृदा उर्वरता की हानि, जल जमाव, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान (रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण), खाद्य प्रबंधन नीति का अभाव, खाद्यान्नों में लीकेज एवं डायवर्सन, अनाज का सडना, बारिश में भीगने से अनाज का खराब होना, फल/सब्जियों का प्रबंधन, नकली राशन कार्ड आदि। इसके लिए सरकार को गोदामों और कोल्ड स्टोरेज, फार्म टू फैक्टरी की सुविधा देनी होगी। भारत में वार्षिक भंडारण हानि 14 मिलियन टन खाद्यान्न है। भारत में आज भी अनाज को तिरपांलिन के नीचे खुले में रखा जाता है जिससे अनाज में नमी के साथ कवक तथा फफूंद आता है। भारत में खाद्य सुरक्षा इसलिए आवश्यक है क्योंकि किसी भी वर्ष देश को राष्ट्रीय आपदा या आपदा जैसे भूकंप, सूखा, बाढ़, सुनामी आदि का सामना करना पड़ सकता है। वस्तुओं की कीमतों को बढने से रोकने के लिए भी खाद्य सुरक्षा आवश्यक है। इसके लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकार खाद्यान्न खरीदती है तथा इसका बफर स्टॉक रखा जाता है, जिसको जन वितरण प्रणाली के द्वारा जरूरतमंद लोगों को सस्ती दर पर दिया जाता है। भारतीय संसद ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 पारित करके राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना की शुरुआत की। बाजार कीमत से कम कीमत पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से लक्षित वर्ग को चावल, गेहूं और मोटा अनाज सरकार द्वारा उपलब्ध कराया जाता है जिससे नागरिकों को सुरक्षा मिल सके। पूरे संसार में 78.3 करोड़ लोग क्रानिकल भूख से पीड़ित हैं, उधर 19 प्रतिशत खाना बर्बाद किया जाता है। इस बर्बादी को रोकना आवश्यक है। उच्चतम न्यायालय ने खाने के अधिकार के साथ-साथ स्वास्थ्य का अधिकार तथा सुरक्षित भोजन के अधिकार का भी करार दिया है। इस अधिकार की सुरक्षा के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण को जिम्मेदारी दी है और वह इस जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकता है। हाल ही में सिंगापुर, हांगकांग, मालदीव, ऑस्ट्रेलिया और नेपाल ने भारतीय लोकप्रिय ब्रांड एमडीएच एवं एवरेस्ट मसाले में इथिलीन ऑक्साइड की मिलावट होने के परिणामस्वरूप इनके आयात पर प्रतिबंध लगा दिया। इस रसायन की अधिक मात्रा होने से कैंसर तथा अन्य बीमारियां हो सकती हैं। एफएसएसएआई ने परीक्षण के बाद इसका खंडन भी किया। एमडीएच/एवरेस्ट मसालों के अतिरिक्त पतंजलि स्वास्थ्य उत्पाद, कुछ बेबी फूड, जैनेटिक मॉडिफाई फसलें आदि के ऊपर भी उंगलियां उठी हैं जो उपभोक्ताओं की सुरक्षा के ऊपर गंभीर प्रश्न है। नियंत्रक महालेखा परीक्षक और लोक लेखा समिति ने 2017 में आडिट में पाया कि विनियमन के कार्यान्वयन में लापरवाही थी। उद्योगों द्वारा अनुपालना भी कम थी। कर्मचारियों की भी बहुत कमी थी। लोक लेखा समिति ने पाया कि मानकों के उल्लंघन करने वालों को अपराधी ठहराने की दर भी बहुत ही कम है, हालांकि उनके बहुत से नमूने फेल हुए हैं। खाद्य सुरक्षा भारत में नाममात्र की है जो लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ है। राष्ट्रीय पोषण संस्थान हैदराबाद जो भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अंतर्गत आता है, वो भारतीयों के लिए आहार के दिशा-निर्देश जारी करता है। भारत में इस समय जो चुनौतियां हैं, उनमें कुपोषण तथा हृदय, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियां और मोटापा हैं। एक से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों में मधुमेह और उच्च रक्तचाप के प्रारंभिक संकेत मिल रहे हैं। इसके लिए अत्यधिक प्रसंस्कृत भोजन जिसमें नमक, वसा और चीनी की मात्रा अधिक है, जिम्मेदार है। इनके विज्ञापन तथा विपणन इतने आक्रामक तरीके से हो रहे हैं कि युवा पीढ़ी इस ओर आकर्षित हो रही है।

कुछ अलग

गई भैंस पानी में...

आदिकाल से भारतीयों की भैंस से न जाने क्या दुश्मनी रही है। उसका दूध पीते हैं, गोबर से खाद बनाते हैं, लिपाई करते हैं और उसका मांस भी खाते हैं। बावजूद इसके बेचारी पर तमाम तरह की नकारात्मक टिप्पणियां करते रहते हैं। गोबर पट्टी में गोवध की तरह उसकी कटाई पर कोई हो-हल्ला नहीं उठता। कोई मॉब लिंचिंग नहीं होती। गधे को मूर्ख प्राणी बताए जाने पर ऐतराज़ होता है। पर भैंस के आगे बीन बजाना, कहावत को लेकर कोई आपत्ति नहीं करता। मानो अन्य जानवरों के सामने बीन बजाने पर वे गीता का ज्ञान देने लगते हैं। भारतीय जनमानस में न जाने कितनी कहावतें हैं बेचारी भैंस को लेकर। कोई श्याम वर्ण है तो उसके रंग-रूप की तुलना भैंस से कर दी जाती है। किसी का डील-डौल बिगड़ा हुआ है तो भी आक्षेप का माध्यम भैंस ही बनती है। यहां तक कि एक महिला सांसद की तुलना लोग भैंस से करने लगे। कोई पढने में एंटायर अनपढ़ होता है तो उसके लिए कहा जाता है, काला अक्षर भैंस बराबर। किसी पर भरोसा टूटने की बात हो तो भी कहा जाता है कि भरोसे की भैंस पाड़ा जनती है। मानो गाय तो हमेशा बछिया ही जनती हो। सभी जानवर पूंछ उठाकर शौचते हैं। पर कहते हैं कि भैंस जब पूंछ उठाएगी गाना तो गाएगी नहीं, गोबर ही करेगी। मानो दूसरे जानवर गाना गाने के लिए ही पूंछ उठाते हों। हरियाणा में किसी से नाराज़ी जताने के लिए आमतौर पर कह दिया जाता है कि मैंने क्या तेरी भैंस खोल ली है। सत्ता या ताक़त का रौब दिखाने के समय भी बात भैंस पर ही आकर अटक जाती है। लोग कहने लगते हैं 'जिसकी लाठी उसकी भैंस'। लाठी वाले तो चुनावों में भी हेराफेरी करके पांच साल तक सिंहासन पर बैठ कर पगुराते रहते हैं। इतना ही नहीं अपने लिए ताउम्र पेंशन का जुगाड़ कर भी लेते हैं। तब तो कोई नहीं बोलता कि लाठी से चुनाव जीत के आए, सिंहासन पर बैठे पगुराए। भैंस के साथ जीते जी अन्याय करने वाला इनसान मरने के बाद भी उससे भेदभाव करना नहीं छोड़ता। मरते समय गोदान ही किया जाता है, भैंसदान नहीं। अगर ऐसा न होता तो मुंशी प्रेमचंद 'गोदान' जैसा बड़ा उपन्यास लिखने की बजाय 'भैंसदान' पर कई खंडों में उपन्यास रच सकते थे। जब वैतरणी ही पार करनी है तो गाय की नाजुक पूंछ क्यों, भैंस की मजबूत पूंछ क्यों नहीं। जबकि भैंस की तैरने की क्षमता के किस्से तो विश्वविख्यात हैं। लेकिन बात यहां तक ही नहीं रुकती। क्रिएटिव इंडस्ट्री की श्रेणी में शामिल फिल्म नगरी को हास्य गीत बनाने के लिए भैंस का ही सहारा मिला। शम्मी कपूर अभिनीत फिल्म 'पगला कहीं का' में बेचारी पर गाना तक बना डाला, 'मेरी भैंस को डंडा क्यों मारा।' इस बार के लोकसभा चुनावों में भैंस जमकर रंभा रही है। देश के प्रधान सेवक चुनावी रैलियों में लोगों को डरा रहे हैं कि अगर कांग्रेस जीत गई तो जिन लोगों के पास दो भैंसे हैं, वह उनकी एक भैंस खोलकर ले जाएगी। समझ में नहीं आता कि 'जिसकी लाठी उसकी भैंस' है तो वह दोनों भैंसों को खोलकर क्यों नहीं ले जा सकता। क्या ईडी, सीबीआई या इनकम टैक्स वालों के नियम-क़ायदे भैंस के आगे बीन बजाते रह जाएंगे? लेकिन मैं तो यह सोचकर ही रोमांचित हो उठा हूं कि अगर कहीं कांग्रेस की सरकार बन गई तो अगली बार जब दिल्ली जाऊंगा तो वहां संसद के प्रांगण में भैंसें बंधी होंगी। इंडिया गेट पर भैंसे रंभा रही होंगी। बहादुरगढ़ बार्डर से लेकर गुडग़ांव तक का एरिया तबेले में बदल चुका होगा। दिल्ली के वातावरण में रची-बसी गोबर की गंध बुद्ध पार्क में घूमने वाले प्रेमी जोड़ों को रोमांस-रोमांच से भर देगी। भैंसों को हांकने के लिए लाठी की जगह राजदंड अर्थात सेंगोल काम में लाया जाएगा।

देश दुनीया से

महात्मा गांधी को न जानने वाले

पिछले दशक में कई ऐसी बेतुकी, आधारहीन और फूहड़ बातें उछाली जाती रही हैं, ताकि राजनीतिक, सामाजिक गलियारों में बेवजह की हलचल पैदा होती रहे और असली सवाल अनदेखे ही रह जाएं। एटनबरो की ऑस्कर पुरस्कार से नवाजी गई फिल्म 'गांधी' के पहले गांधी से अनजान दुनिया की बात इन्हीं में से एक है। इस आलेख में इसी विषय को खंगालने की कोशिश करेंगे। 29 मई 2024 को दिए अपने एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 'क्या पिछले 75 सालों में हमारी यह जिम्मेदारी नहीं थी कि हम सारी दुनिया को महात्मा गांधी से परिचित करवाते? माफ कीजिए, मगर गांधी जी को कोई नहीं जानता था जब तक कि 1982 में उन पर बनी फिल्म रिलीज नहीं हुई थी।' अत्यंत लंबे चुनाव अभियान के अंतिम दौर में यह वक्तव्य दिए जाने के पीछे के उद्देश्य का अनुमान लगाना कठिन नहीं है। बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की दुर्दशा, पेपर लीक, अग्निवीर योजना जैसे मुद्दों को लेकर उनके दस साल के शासनकाल की आलोचना बढ़ती जा रही थी। इन महत्वपूर्ण मुद्दों से लोगों का ध्यान कैसे हटाया जाए, यह उनकी चिंता का मुख्य विषय था। महात्मा गांधी को लेकर इस तरह की बात कहने का उद्देश्य लोगों का ध्यान इन महत्वपूर्ण मुद्दों से हटाने के साथ-साथ यह भी था कि नेहरू और कांग्रेस सरकारों को दुनिया को गांधी जी के बारे में न बताने के लिए कटघरे में खड़ा किया जा सके। इससे नेहरू और कांग्रेस सरकारें तो कटघरे में नहीं खड़ी होतीं, उल्टे पता चलता है कि गांधीजी के जीवन और उनके कार्यों, दुनिया में उनकी प्रतिष्ठा और उनके दुनिया के कई महान लोगों के प्रेरणास्त्रोत होने के बारे में मोदी कुछ नहीं जानते। इससे विश्व राजनीति पर 1930 के दशक से ही गांधीजी के असर के बारे में मोदी की अज्ञानता पता लगती है। गांधीजी को दुनिया रिचर्ड एटनबेरो द्वारा लुई फिशर की गांधीजी की जीवनी पर आधारित फिल्म बनाए जाने के बहुत पहले जानती और मानती थी। दक्षिण अफ्रीका में संघर्ष की वजह से गांधीजी रंगभेद विरोधी प्रमुख नेता के रूप में उभर चुके थे। गांधीजी के भारत वापस लौटने और किसानों के चंपारण आंदोलन का नेतृत्व करने के बाद उनके मित्र चार्ल्स एन्ड्रयूज ने चंपारण सत्याग्रह की अनूठी प्रकृति की बात सारी दुनिया में प्रचारित की थी। सत्य और अहिंसा पर आधारित उनके सत्याग्रह से कमजोरों और शोषितों की समस्याओं की ओर विश्व का ध्यान आकृष्ट हुआ था। बाद में उनके द्वारा छेड़े गए अन्य आंदोलनों : 'सविनय अवज्ञा' एवं 'दांडी मार्च' को वैश्विक मीडिया में काफी कवरेज मिला था। दुनिया में उनकी पहचान कायम होने से समाज की समस्याओं से साधारण जन को जुडने और न्याय के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा मिली थी। उनके कार्यों की खबरें बिजली की तेजी से सारी दुनिया में फैले। जहां एक ओर भारत में अंग्रेजों का दमन बढ़ता गया, वहीं शांति, न्याय एवं अहिंसा जैसे मूल्यों का सम्मान करने वाले लोगों का ध्यान मानवतावाद के सिद्धांतों के सन्दर्भ में वैश्विक स्तर पर गांधीजी के योगदान की ओर गया। शायद मोदी उस काल में गांधीजी के योगदान और दुनिया में उनके अत्यंत लोकप्रिय होने के बारे में न जानते हों, लेकिन उन्हें यह जरूर जानना चाहिए कि अंग्रेजी समाचार पत्र 'द बर्लिंगटन हॉक आई' ने रविवार, 20 सितंबर 1931 के अंक में पूरे एक पृष्ठ में उन पर सामग्री प्रकाशित की थी जिसमें उन्हें विश्व का सर्वाधिक चर्चित व्यक्ति बताया गया था। प्रतिष्ठित अमरीकी पत्रिका टाइम ने उनकी तस्वीर अपने मुखपृष्ठ पर प्रकाशित की थी और उन्हें सन-1931 का मैन ऑफ दि ईयर घोषित किया था। दो अन्य अवसरों पर उनकी तस्वीर इस प्रसिद्ध पत्रिका के मुखपृष्ठ पर प्रकाशित की गई। इसी तरह टाइम की सहयोगी पत्रिका लाइफ ने भी गांधीजी पर केन्द्रित परिशिष्ट प्रकाशित किया था। दुनिया भर में अपने विचारों और कार्यों के माध्यम से न्याय और शांति के लिए प्रयासरत लोग गांधीजी की ओर आकृष्ट हुए थे। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आईंस्टाइन ने 1939 में लिखा, 'मेरा मानना है कि गांधीजी के विचार हमारे दौर के सभी राजनीतिज्ञों में सबसे अधिक प्रबुद्ध थे। हमें उनकी भावना के अनुसार काम करने का प्रयास करना चाहिए, अपने उद्देश्य के लिए लड़ाई में हिंसा का प्रयोग नहीं करना चाहिए, बल्कि जिस चीज को आप बुरा मानते हैं उसमें भाग नहीं लेना चाहिए।' आइंस्टीन ने गांधीजी के बारे में लिखा, 'आने वाली पीढियां शायद ही यह विश्वास करेंगी कि रक्त और मज्जा का बना कोई ऐसा आदमी इस धरती पर रहा होगा।' चार्ली चैपलिन भी गांधीजी के आन्दोलन से प्रेरित थे। वे गांधीजी से मिले और गांधीजी के मूल्यों का प्रतिबिम्ब चार्ली चैपलिन की फिल्मों मॉडर्न टाइम्स और दि ग्रेट डिक्टेटर में दिखाई देता है। दि ग्रेट डिक्टेटर में वे गांधीजी और हिटलर के बीच विरोधाभास को दिखाते हैं। इसी तरह फ्रांसीसी नाटककार रोम्यां रोलां ने यंग इंडिया के फ्रेंच संस्करण में लिखा, 'अगर ईसा मसीह शांति के राजकुमार थे, तो गांधी भी इस उपाधि के लिए कोई कम योग्य नहीं हैं।' बीसवीं सदी के दो प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ताओं मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला गांधीजी के संघर्ष से प्रेरित और प्रभावित थे और उन्होंने अपने संघर्ष के मार्ग का निर्धारण उसी आधार पर किया था। सन

काशीवासियों के असीम स्नेह से मुझे तीसरी बार देश का प्रधान सेवक बनने का सौभाग्य मिला : नरेंद्र मोदी

वाराणसी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार केंद्र में सत्तारूढ़ होने पर मंगलवार को काशी की जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ और मां गंगा के आशीर्वाद से काशीवासियों के असीम स्नेह से मुझे तीसरी बार देश का प्रधान सेवक बनने का सौभाग्य मिला। काशी के लोगों ने मुझे तीसरी बार प्रतिनिधि चुनकर धन्य कर दिया है। मैं आपका ऋणी हूं। केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के बाद अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी आए प्रधानमंत्री सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र के मेहंदीगंज में आयोजित किसान संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने देशभर के 9.27 करोड़ किसानों को सम्मान निधि की 17वीं किस्त 20 हजार करोड़ रुपए और स्वयंसहायता समूहों की 30 हजार महिलाओं को *कृषि सखी* प्रमाणपत्र उपहार में दी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह चुनाव भारत के लोकतंत्र के सामर्थ्य को और यहां के विशालता को दिखाता है। इस चुनाव में देश के 64 करोड़ लोगों ने वोट दिया है। इससे बड़ा चुनाव और कहीं नहीं होता है। प्रधानमंत्री ने इटली के अपुलिया में जी-7 शिखर सम्मेलन का खासतौर पर जिक्र कर कहा कि जी-7 के सारे मतदाताओं को मिला दें तो भी भारत के वोटर की संख्या उनसे डेढ़

गुना अधिक है। यूरोप के तमाम देशों को जोड़ दें यूरोपीय यूनियन के सारे मतदाताओं को जोड़ दें तो भी भारत के वोटर की संख्या उनसे ढाई गुना ज्यादा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश ने इस बार अभूतपूर्व जनादेश दिया है। इसने एक इतिहास बनाया है। देश के लोकतांत्रिक देशों में कम ही देखा गया है कि कोई चुनी हुई सरकार तीसरी बार वापसी करे। इस बार भारत की जनता ने यह भी करके दिखाया है। 60 साल पहले भारत में हुआ था। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपने यह सौभाग्य हमें दिया है। अपने सेवक मोदी को दिया है। अगर दस साल बाद देश की जनता किसी को जनादेश देती है तो यह बहुत बड़ा विश्वास है। यहीं विश्वास मेरी पूंजी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में 31 करोड़ से ज्यादा महिलाओं ने हिस्सा लिया है। यह एक देश में महिला वोटर की संख्या के हिसाब से पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा है। यह संख्या अमेरिका के पूरे आबादी के आस-पास है। भारत के लोकतंत्र की यही खूबसूरती यही ताकत पूरी दुनिया को आकर्षित भी करती है। प्रभावित भी करती है। मैं बनारस के हर मतदाता का भी लोकतंत्र की उत्सव को सफल बनाने के लिए आभार जताता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैंने नौजवान, नारी शक्ति और गरीब सभी को भारत का मजबूत स्तंभ माना है। अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही सरकार ने सबसे पहला फैसला किसान और गरीब परिवारों के लिए लिया। देश भर में गरीब परिवारों के लिए तीन करोड़ घर बनाने हों या फिर पीएम किसान सम्मन निधि को आगे बढ़ाना हो इस फैसले से मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि किसान आत्मनिर्भर बन रहा है और कृषि निर्यात में अग्रणी बना है। वाराणसी का जिक्र कर प्रधानमंत्री ने कहा कि लंगड़ा आम, जौनपुर की मूली, गाजीपुर की भिंडी। ऐसे अनेक उत्पाद आज विदेशी मार्केट में पहुंच रहे हैं। *वन जिला वन प्रोडक्ट* और जिला स्तर पर एक्सपोर्ट हब बनने से एक्सपर्ट बढ़ रहा है और उत्पादन भी एक्सपोर्ट क्वालिटी का होने लगा। अब हमें ग्लोबल मार्केट में देश को नई ऊंचाई पर ले जाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि आज दुनिया की सबसे बड़ी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर स्कीम बन चुका है। अभी तक देश के करोड़ों किसान परिवारों की बैंक खाते में 3:15 लाख करोड़ रुपए जमा हो चुके हैं। यहां वाराणसी जिले के किसानों के खाते में भी 700 करोड़ रुपए जमा हुए। मुझे खुशी है कि किसान सम्मान निधि में सभी लाभार्थी तक लाभ पहुंचाने के लिए टेक्नोलॉजी का बेहतर इस्तेमाल हुआ है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के बिना खेती की कल्पना भी असंभव है। इसलिए अब खेती को नई दिशा देने में भी माताओं-बहनों की भूमिका का विस्तार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि *नमो ड्रोन दीदी* की तरह ही *कृषि सखी* कार्यक्रम ऐसा ही एक प्रयास है। हमने आशा कार्यकर्ताओं के रूप में बहनों का काम देखा है। हमने बैंक सखियों के रूप में डिजिटल इंडिया बनाने में बहनों की भूमिका देखी है। अब हम कृषि सखी के रूप में खेती को नई ताकत मिलती देखेंगे। आज 30 हजार से अधिक सहायता समूहों को कृषि सखी के रूप में प्रमाणपत्र दिए गए हैं। अभी 12 राज्यों में ये योजना शुरू हुई है। आने वाले समय में पूरे देश में हजारों समूहों को इससे जोड़ा जाएगा। ये अभियान 3 करोड़ लखपति दीदीयां बनाने में भी मदद करेगा। इसके पहले प्रधानमंत्री मोदी का मेहंदीगंज जनसभा स्थल पर शंखनाद व हर-हर महादेव के उद्घोष के बीच किसानों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन किया। कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने स्वागत भाषण दिया। इस मौके पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम में तीन किसानों ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य, केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री पंकज चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी आदि भी मौजूद रहे।

मेरे परिवार को फंसाने की साजिश रची जा रही है : बीमा भारती

पूर्णिया (हिंस)। पूर्व मंत्री और राजद नेत्री बीमा भारती ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उनके परिवार को फंसाने की साजिश रची जा रही है और इसमें सरकार के लोगों का हाथ है। दरअसल, रूपौली में एक व्यवसायी की हत्या के मामले में पुलिस ने बीमा भारती के पटना स्थित आवास पर छापेमारी की। इस दौरान बीमा भारती काफी आक्रोशित हो गईं और पुलिस पर जमकर बरसीं। उन्होंने कहा कि एक महिला के आवास पर बिना महिला पुलिस के घुसना कानून नहीं है। इस लिए वह मानहानि का मुकदमा दर्ज करवाएंगी। बीमा भारती का आरोप है कि पुलिस बिना नोटिस के उनके घर पहुंची और धमकी दी। उन्होंने कहा कि क्या वह अपराधी या आतंकवादी को छिपा कर रखी हैं? बीमा भारती ने साफ कहा कि उनके परिवार को जानबूझकर फंसाया जा रहा है, क्योंकि वह जदयू से नाता तोड़ चुकी हैं। आरोप-प्रत्यारोप के बीच बीमा भारती ने एक बड़ा ऐलान भी किया है। उन्होंने कहा कि वह सौ प्रतिशत राजद के प्रत्याशी के रूप में रूपौली से विधायक का चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने कहा कि वह रूपौली की जनता को अकेले नहीं छोड़ेंगी बल्कि उनके साथ आंदोलन भी करेंगी। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि वह इस साजिश का डटकर मुकाबला करेंगी। इस तरह बिहार की राजनीति में एक बार फिर गरमाहट आ गई है। बीमा भारती पर आरोपों के बाद उनकी प्रतिक्रिया से माहौल और गरम होता नजर आ रहा है। आगे क्या होता है, यह देखना दिलचस्प होगा।

चुनाव जीत के बाद पहली बार नवादा पहुंचे सांसद विवेक, कई गांवों का किया दौरा

नवादा (हिंस)। लोक चुनाव में मिली जीत के बाद मंगलवार को पहली बार नवादा पहुंचे सांसद विवेक ठाकुर का एनडीए कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। भाजपा सहित एनडीए घटक दल के तमाम कार्यकर्ता इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर जोरदार स्वागत किया। नवादा पहुंचते ही सांसद विवेक ठाकुर सबसे पहले पकरीबरावां के बुधौली पहुंचकर मृतक मुखिया पप्पू मांझी के शोकाकुल परिवारजनों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। बुधौली में ही कुछ दिन पूर्व चुनाव के बाद असामाजिक तत्वों द्वारा उत्तम चंद्रवंशी को गोली मारी गई थी तथा सुनील चंद्रवंशी को पीट कर घायल किया गया था, उनके यहां भी परिवारजनों से विवेक ठाकुर ने मुलाकात किया। विवेक ठाकुर ने कहा एक ही गांव में लगातार इस तरह की घटना का होना प्रशासन के लिए चुनौती है। दोनों घटनाओं में प्रशासन द्वारा कुछ अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है, अन्य सभी अपराधियों को भी प्रशासन जल्द से जल्द गिरफ्तार करे। विवेक ठाकुर ने अपने कार्यक्रम में आगे पकरीबरावां में देवी स्थान, रूपौ में चामुंडा स्थान, आंती में पातालपुरी महादेव, हड़िया में सूर्य मंदिर, खनवां में महारानी स्थान और श्रीबाबू पर माल्यार्पण, नवादा शोभ मंदिर में दर्शन पूजन एवं समाय में आयोजित महायज्ञ में शामिल हुए। साथ ही विवेक ठाकुर का भाजपा जिला कार्यालय नवादा में भव्य अभिनंदन किया गया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विवेक ठाकुर ने कहा की यह चुनाव नवादा की जनता और हमारे कार्यकर्ताओं ने लड़ा है। हमने जो विकसित नवादा का संकल्प लिया था, वह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

उप्र सरकार कृषक उत्पादक सेल गठित करेगी, मिशन मोड में चलाएगी अभियान

लखनऊ (हिंस)। प्रदेश के अन्नदाता किसानों को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की प्रगति व प्रशस्ति का मार्ग सुनिश्चित कर रही राज्य सरकार अगले तीन महीने मिशन मोड में अभियान चलाने जा रही है। प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि प्रदेश में सक्रिय एफपीओ के ऑनलाइन पंजीयन, ऑनलाइन मार्केटिंग प्लैटफॉर्म से जोड़ने व लाइसेंसिंग तथा इक्विटी ग्रांट समेत तमाम प्रक्रियाओं के सरलीकरण की प्रक्रिया को क्रियान्वित कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, कृषक उत्पादक सेल का भी गठन किया जाएगा। राज्य सरकार ने कृषि विभाग को सक्रिय किसान उत्पादक संगठनों को सुदृढ़ करने और उन्हें ओएनडीसी तथा ई-नाम से जोड़ने की

प्रक्रिया को गति देने का निर्देश दिया गया है। इन कार्यों को बढ़ावा देने के लिए कृषक उत्पादक सेल का गठन किया जाएगा जो इम्पलिमेंटिंग एजेंसी के तौर पर कार्य करेगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 3, 240 एफपीओ आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना के अंतर्गत कार्यरत हैं जिनको शक्ति पोर्टल पर पंजीकृत किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा अनुरूप तैयार की गई विस्तृत कार्ययोजना के जरिए प्रदेश में एफपीओ को सुदृढ़ बनाने का जो फ्रेमवर्क निर्धारित किया गया है। उसमें प्रमोशन, पारदर्शी कृषि बाजार का निर्माण, इनपुट लाइसेंसिंग प्रक्रिया (खाद, बीज, कीटनाशक), मंडी लाइसेंस, जीएसटी लाइसेंस, एफएसएसआई लाइसेंस तथा मार्केट लिंकेज के लिए ओएनडीसी प्लैटफॉर्म पर ऑनबोर्ड कराना शामिल है। इस प्रक्रिया को ओएनडीसी तथा ई-नाम पोर्टल से जोड़कर पूरा कराया जाएगा। इसके अलावा, इक्विटी ग्रांट, इनपुट लाइसेंस, बीज लाइसेंस सीड डीलरशिप लाइसेंस तथा उर्वरक लाइसेंस जैसी तमाम महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं को पूर्ण करने में मदद मिलेगी। प्रदेश में एफपीओ फ्रेमवर्क को बढ़ावा देने के लिए अगले तीन महीने वृहद स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। इस क्रम में, कृषक उत्पादक सेल का गठन किया जाएगा जो इम्पलिमेंटिंग एजेंसी के तौर पर कार्य करेगा। एफपीओ को प्रोत्साहित करने के लिए इम्पिलेंटिंग एजेंसी शासन के साथ विभिन्न स्तरों की बैठकों का आयोजन करेगी और पूरे अभियान की रूपरेखा समेत विस्तृत प्रगति रिपोर्ट भी तैयार करेगी। इस रिपोर्ट की विभिन्न स्तर पर मॉनिटरिंग संभव हो सकेगी जिससे पारदर्शिता के साथ ही कार्य की प्रगति की वस्तुस्थिति स्पष्ट हो सकेगी। राज्य सलाहकार समिति (एसएलसीसी) व जिला स्तरीय मॉनिटरिंग कमेटी (डीएमसी) प्रक्रिया से संबंधित अभियान के कार्यों का पर्यवेक्षण करेगी।

झारखंड विधानसभा चुनाव के मद्देनजर दिल्ली में कांग्रेस की बैठक 24 को

रांची (हिंस)। झारखंड विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक 24 जून को दिल्ली में होगी। इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने मंगलवार को कहा कि झारखंड में चार माह के बाद विधानसभा का चुनाव है। राहुल गांधी का झारखंड से विशेष लगाव रहा है। इसलिए झारखंड में होने वाले चुनाव पर उनकी खास नजर है। लोकसभा चुनाव में झारखंड में मिली सफलता से उन्हें विश्वास है कि झारखंड में फिर से इंडिया खेमे की सरकार भारी बहुमत से बनेगी। शांति ने कहा कि 24 जून को होने वाली बैठक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में संपन्न होगी। इसमें पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित अन्य वरीय नेता उपस्थित रहेंगे। शांति ने कहा कि बैठक में विधानसभा चुनाव के संदर्भ में प्रत्येक सीट के बारे में चर्चा होगी। साथ ही जनहित के मुद्दों पर आगामी चुनाव में जनता के बीच जाने, वर्तमान महागठबंधन सरकार की उपलब्धियां को जनता के बीच पहुंचाने सहित अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा 2019 के चुनावी परिदृश्य और वर्तमान हालात पर चर्चा कर आगामी चुनाव के लिए रणनीति तैयार की जाएगी। घोषणा पत्र सहित सारे समीकरणों, गठबंधन दलों के साथ संवाद और समन्वय की रणनीति पर चर्चा होगी। शांति ने कहा कि बैठक के दौरान कांग्रेस द्वारा पिछले विधानसभा चुनाव में जिन-जिन सीटों पर उम्मीदवार उतारे गए थे उनके हार जीत पर भी चर्चा होगी और उसमें बेहतर सुधार की संभावनाओं पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड में सरकार बनाने के लिए विपक्ष आतुर और परेशान है। लोकसभा चुनाव परिणाम से भाजपा के नेता हताश हैं और झारखंड के चुनाव को प्रभावित करने के लिए केंद्र के मंत्री और मुख्यमंत्री को चुनावी कमान सौंपी गई है।

कृषि और किसान का कल्याण प्रधानमंत्री, भाजपा व एनडीए सरकार की प्राथमिकता : शिवराज सिंह

केंद्रीय कृषि मंत्री ने बाबा विश्वनाथ के दरबार में हाजिरी लगाई

वाराणसी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में भाग लेने शहर में आए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में हाजिरी लगाई। दरबार में विधिवत दर्शन पूजन के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रधानमंत्री मोदी आज पहली बार काशी आ रहे हैं। प्रधानमंत्री करीब 20 हजार करोड़ किसानों के खाते में डालेंगे। कृषि और किसान का कल्याण पीएम, भाजपा और एनडीए सरकार की प्राथमिकता रही है। इसलिए सबसे पहला फैसला प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान निधि किसान के खाते में पहुंचाने का फैसला किया। बनारस आने के पहले कृषि मंत्री ने अपने सोशल मीडिया के एक्स अकाउंट पर लिखा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों के कल्याण के लिए संकल्पित है। आज प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश के वाराणसी में *पीएम किसान सम्मान निधि* की 17वीं किस्त के तहत 9.26 करोड़ किसानों के खातों में 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि हस्तांतरित करेंगे। अब तक *पीएम किसान सम्मान निधि* से करोड़ों किसान लाभान्वित हुए हैं, यह योजना किसानों के जीवन को आसान व कृषि को प्रोत्साहित करने की दिशा में ऐतिहासिक साबित हुई है। पत्रकारों से वार्ता के दौरान प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही भी मौजूद रहे।

डोडा आतंकी हमलों में सुरक्षाबलों ने तीन लोगों को हिरासत में लिया

जम्मू (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में हाल ही में हुए हमलों में शामिल आतंकवादियों की गतिविधि के संबंध में सुरक्षाकर्मियों ने एक जोड़े सहित तीन लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। अधिकारियों का मानना है कि जिले के ऊपरी इलाकों में तीन से चार आतंकवादियों का एक समूह मौजूद है। भद्रवाह-पठानकोट मार्ग पर 11 जून की रात को चटरगल्ला के ऊपरी इलाकों में एक संयुक्त जांच चौकी पर आतंकवादियों के हमले में राष्ट्रीय राइफल्स के पांच जवान और एक विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) घायल हो गए थे। इसके बाद बुधवार शाम को जिले के गंदोह इलाके के कोटा टॉप गांव में एक तलाशी दल पर आतंकवादियों की गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। सुरक्षाकर्मियों ने डोडा जिले के जय इलाके से तीन लोगों को हिरासत में लिया है। सूत्रों ने बताया कि तीनों में एक जोड़ा और एक किशोर शामिल है।

खूंटी में पीएलएफआई नक्सली सिरिल गुड़िया गिरफ्तार

खूंटी (हिंस)। पुलिस ने तपकारा थाना क्षेत्र के भंडार टोली के पास छापेमारी कर सोमवार को प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के नक्सली सिरिल गुड़िया को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से दो कारतूस, पीएलएफआई का पर्चा, दो सौ रुपए नकदी, एक मोबाइल और एक स्कूटी (जेएच 23बी 5534) बरामद किया गया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि नक्सली सिरिल गुड़िया जो तपकरा चुकाटोली का रहने वाला है, एक होंडा स्कूटी से गुटुहातू से तपकरा बाजार टांड की ओर आ रहा है। उसके पास कारतूस है। बताया गया कि सिरिल पीएलएफआई के विशाल कोनगाड़ी उर्फ नेपाली दस्ते का सदस्य है। एसपी के निर्देश पर तोरपा के अनुमंडल पुलिस

पदाधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया। छापेमारी टीम जब भंडार टोली के पास पहुंची तो स्कूटी सवार एक व्यक्ति पुलिस को देखते ही भागने लगा। पुलिस के जवानों ने उसे खदेड़कर पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम सीरिल गुड़िया (28) निवासी तपकारा चुकाटोली बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से कारतूस और अन्य सामान बरामद हुए।

पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ने की धमकी, सुरक्षा बढ़ाई गई

पटना (हिंस)। बिहार की राजधानी पटना स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मंगलवार को ईमेल से दी गई। इसके बाद पटना एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। धमकी भरे ईमेल के मिलने की पुष्टि पटना एयरपोर्ट के डायरेक्टर ने की है। धमकी देने वाले ने मेल के माध्यम से पटना समेत देश के 40 एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी है। पटना एयरपोर्ट के निदेशक को दोपहर 01:10 बजे धमकी भरा ईमेल आया। इसके बाद पटना एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई। पटना पुलिस, डॉग स्क्वायड और बम स्क्वॉड की टीम पटना एयरपोर्ट पर पहुंची और चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु एयरपोर्ट परिसर में बरामद नहीं हुआ। डीएसपी सचिवालय ने बताया कि मेल पर एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी मिली थी। पुलिस सहित अन्य तमाम जांच एजेंसियां अपने-अपने स्तर से जांच में जुट गईं लेकिन कुछ भी संदेहास्पद वस्तु नहीं मिला। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि किसने यह मेल भेजा था और उसका मकसद क्या था?

संभावित बाढ़ और सुखाड़ को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक

भागलपुर (हिंस)। जिले में बाढ़ और सुखाड़ लोगों के लिए एक बड़ी समस्या और चुनौती बनी हुई है। एक तरफ जहां भागलपुर में गंगा और कोसी नदी में हर साल जल स्तर बढ़ने से बाढ़ का प्रकोप हो जाता है और वह विकराल रूप धारण कर लेता है, जिससे लाखों लोग प्रभावित होते हैं। इससे लोगों को हर साल जूझना पड़ता है। प्रचंड धूप गर्मी और उमस भरी गर्मी से कई एकड़ में लगे फसल सुख जाते हैं। नदी, तालाब और कुएं सभी सुख जाते हैं। भूगर्भ का जलस्तर नीचे चला जाता है, जिसको लेकर मंगलवार को संभावित बाढ़ और सुखाड़ से निपटने की तैयारी को लेकर भागलपुर के जिलाधिकारी डॉक्टर नवल किशोर चौधरी ने संबंधित पदाधिकारी के साथ भागलपुर के समाहरणालय स्थित समीक्षा भवन में एक समीक्षात्मक बैठक की और कई बिंदुओं पर चर्चा की। चर्चा के दौरान बाढ़ और सुखाड़ से बचाव को लेकर कई बिंदुओं पर समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने बाढ़ आने से पहले बांधों की मरम्मती से लेकर कई दिशा निर्देश दिए गए।

निर्जला एकादशी आज : जयपुर समेत प्रदेशभर में बही धर्म की बयार

जयपुर (हिंस)। ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की एकादशी आज निर्जला (भीमसेनी) एकादशी के रूप में जयपुर समेत प्रदेशभर में भक्तिभाव से मनाई जा रही है। एकादशी पर आज त्रिपुष्कर योग, शिव योग और स्वाति नक्षत्र का अद्भुत संयोग है। कई लोग निर्जल रह कर इस व्रत को कर रहे हैं। वहीं मंगला आरती से ही मंदिरों में ठाकुरजी के दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया था, जो दिनभर चलेगा। लोग शक्कर युक्त जल से भरा मिट्टी का घड़ा, खरबूजा, आम, कमल ककड़ी, पंखी ठाकुरजी के समक्ष अर्पण कर पुण्यार्जन कर रहे हैं। इस दिन पवित्र सरोवर या नदी में स्नान का विशेष महत्व होने से लोग जयपुर के गलता में स्नान करने भी पहुंच रहे हैं। पौराणिक मान्यता है कि इस एकादशी को करने भर से वर्ष की 24 एकादशियों के व्रत के समान फल मिलता है। जयपुर शहर के मंदिरों में जलयात्रा उत्सव मनाए जा रहे हैं। इस मौके पर ठाकुरजी को नवीन पोशाक धारण करवा कर ऋतु फलों एवं व्यंजनों का भोग लगाया जा रहा है। गोविंददेवजी मंदिर में महंत अजंन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में सुबह ठाकुरजी का अभिषेक कर नूतन पोशाक धारण करवाई गई। भक्तों में ठाकुरजी के दर्शन कर शक्कर युक्त जल से भरे घड़े और पंखी ठाकुरजी को चढ़ा कर पुण्य कमाने की होड़ मची रही। प्रवक्ता

मानस गोस्वामी ने बताया कि शाम को ग्वाल झांकी में 5.45 से 6.15 बजे तक जल विहार की झांकी सजाई जाएगी। देवस्थान विभाग के चांदनी चौक स्थित मंदिर श्री ब्रजनिधिजी एवं आनंदकृष्ण बिहारीजी में दोपहर 1 से 1.30 बजे तक जलयात्रा की झांकी सजाकर ऋतुफल अर्पित किए जाएंगे। शुक संप्रदाय आचार्य पीठ सरस निकुंज पानों का दरीबा में शुकपीठाचार्य अलबेली माधुरी शरण के सान्निध्य में सरस परिकर की ओर से शाम 7 से रात्रि 9.30 बजे तक फूल बंगले की झांकी सजाई जाएगी। इस मौके पर भजन मंडलियां पदों का गायन करेंगी। गोनेर स्थित लक्ष्मी जगदीश महाराज के मंदिर में भी सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। गलताजी तीर्थ में पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशाचार्य के सान्निध्य में जलविहार झांकी सजाई गई। युवराज स्वामी राघवेन्द्र ने बताया कि भगवान श्री निवास सहित भगवान राम के तीनों अति प्राचीन दिव्य विग्रहों का जल विहार के बाद आकर्षक श्रृंगार कर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उनकी अर्चना व आरती की। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार निर्जला एकादशी पर त्रिपुष्कर योग, शिव योग और स्वाति नक्षत्र का अद्भुत संयोग है। त्रिपुष्कर योग शाम 03:56 से पारण वाले दिन बुधवार सुबह 05:24 तक रहेगा। वहीं स्वाति नक्षत्र सुबह से शाम 03:56 तक है। शिव योग भी सुबह से लेकर रात 09 बजकर 39 मिनट तक रहेगा। ये दोनों योग और नक्षत्र शुभ कार्यों के लिए अच्छे माने जाते हैं। शिव योग साधना के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। त्रिपुष्कर योग में जो भी शुभ कार्य करते हैं, उसका तीन गुना फल प्राप्त होता है। साल की 24 एकादशियों में निर्जला एकादशी को सबसे श्रेष्ठ बताया गया है। इस दिन निर्जल रहकर व्रत रखने पर वर्ष की सभी एकादशियों का फल मिल जाता है। इस दिन जल से भरे मटके का दान करने का विशेष महत्व है। महाभारत काल में पांडव पुत्र भीम ने भी इस एकादशी का व्रत किया था। इसलिए इसे भीमसेनी एकादशी भी कहते हैं। एकादशी पर जल के दान का विशेष महत्व बताया गया है, इसलिए शहरभर में लोग जल का दान कर रहे हे। कई संगठनों-संस्थाओं की ओर से जगह-जगह स्टॉल लगाकर मिल्क रोज, शर्बत, शिकंजी और शीतल जल पिलाकर पुण्य कमा रहे हैं।

आईपीओ से दिसंबर तक 75,000 करोड़ जुटा सकती हैं 65 कंपनियां; फिर मोदी सरकार बनने से निवेशकों का भरोसा बढ़ा

नई दिल्ली।
शेयर बाजार की तेजी के बीच इस साल दिसंबर तक 65 कंपनियां आईपीओ से 75,000 करोड़ रुपये तक जुटा सकती हैं। विश्लेषकों के मुताबिक, कई बड़ी कंपनियां इस साल बाजार में उतरने की तैयारी में हैं। सिर्फ पांच कंपनियां ही 40-45 हजार करोड़ रुपये तक जुटा सकती हैं। बाजार के जानकारों के मुताबिक, अगले कुछ महीनों में 30 कंपनियां प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 50,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही हैं। इसमें से 24 कंपनियां 30,000 करोड़ रुपये के लिए बाजार में उतर सकती हैं। इस साल में जनवरी से अब तक 31 कंपनियों ने 28,523 करोड़ रुपये आईपीओ के जरिये जुटाए हैं। विश्लेषकों का कहना है कि चुनाव के बाद मोदी सरकार के लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने के साथ घरेलू शेयर बाजार में निवेशकों का मजबूत विश्वास दिख रहा है। इससे आने वाले महीनों में आईपीओ की लहर और तेज हो जाएगी। फर्स्ट क्राई ने दोबारा जमा कराया मसौदा फर्स्ट क्राई 1,816 करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी के पास दोबारा मसौदा जमा कराया है। वारी एनर्जी के साथ वन मोबिक्विक 700 करोड़ के लिए मसौदा जमा करा चुकी है। अलाइड ब्लेंडर्स को 1,500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पिछले माह व फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक को 625 करोड़ जुटाने की मंजूरी मिली है। डिपॉजिटरी कंपनी एनएसडीएल सेबी के पास मसौदा जमा करा चुकी है। इन कंपनियों के आने हैं इश्यू फर्स्ट क्राई, फिनकेयर स्मॉल बैंक, एनएसडीएल, अफकॉन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर, वारी एनर्जी, आशीर्वाद माइक्रोफाइनेंस समेत कईकंपनियों के आईपीओ कुछ महीनों में आने वाले हैं। मर्चेंट बैंकरों के अनुसार, स्टेनली लाइफ स्टाइल, वन मोबिक्विक, एमक्योर फार्मा, अलाइड ब्लेंडर्स, शिवा फार्माकेम और बंसल वायर इंडस्ट्रीज भी रकम जुटाने की तैयारी में हैं। 30-35 कंपनियां मंजूरी के इंतजार में इस साल जिन 65 कंपनियों के बाजार में उतरने की उम्मीद है, उनमें 25-30 को सेबी की मंजूरी मिल चुकी है। 30-35 कंपनियां अब भी मंजूरी के इंतजार में हैं। मसौदा जमा कराने के 2-4 महीने के बीच में सेबी की मंजूरी मिलती है।

न्यूज ब्रीफ

एक ही दिन में जेफ बेजोस को पछाड़ नंबर वन बने मस्क, नए सप्ताह के पहले दिन ही मस्क की नेटवर्थ में 6.74 अरब डॉलर की तेजी आई

वाशिंगटन । एलन मस्क और जेफ बेजोस के बीच दुनिया का सबसे बड़ा रईस बनने की होड़ चल रही है। तीन दिन में नंबर एक की कुर्सी कभी मस्क तो कभी बेजोस के पास जा रही है। मस्क नंबर वन बने थे तो बेजोस नंबर एक हो गए। नए हफ्ते के पहले दिन फिर मस्क ने बाजी मार ली। टेस्ला के शेयरों में 5.30 फीसदी तेजी के साथ ही मस्क फिर से नंबर वन हो गए। एक रिपोर्ट के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ में 6.74 अरब डॉलर की तेजी आई और वह 210 अरब डॉलर के साथ दुनिया के सबसे बड़े रईस बन गए। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 207 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं। मस्क की नेटवर्थ में इस साल 18.9 अरब डॉलर की गिरावट आई है जबकि बेजोस की नेटवर्थ 29.7 अरब डॉलर बढ़ी है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे और पेशे से इंजीनियर मस्क टेस्ला के साथ-साथ कई और कंपनियां भी चलाते हैं। इनमें माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स (पहले नाम ट्विटर), स्पेसएक्स और सोलरसिटी शामिल हैं। टेस्ला दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी है। इसका मार्केट कैप 597.78 अरब डॉलर है और यह दुनिया की 13वीं बड़ी वैल्यूएबल कंपनी है। फ्रांस के अरबपति बर्नार्ड अरनॉल्ट 200 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ में 2.03 अरब डॉलर की तेजी आई। वैसे इस साल उनकी नेटवर्थ 7.13 अरब डॉलर घटी है। दुनिया के टॉप 12 अरबपतियों में 11 अमेरिका के हैं। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के मार्क जकरबर्ग 180 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ चौथे नंबर पर हैं।

कारोबारी घरानों में झगड़ों के बीच एकजुटता से आगे बढ़ रहा एस्सार समूह, दिवालिया कार्रवाई से उबरा

नई दिल्ली । कारोबारी घरानों में मालिकाना हक को लेकर संस्थापकों में सार्वजनिक झगड़ों के बीच रुइया परिवार के नियंत्रण वाला एस्सार समूह एकजुटता से आगे बढ़ रहा है। रुइया परिवार की तीन पीढ़ियां संस्थापक भाई शशि व रवि रुइया, उनके बच्चे और पोते-पोतियां एक ही छत के नीचे रहकर संयुक्त रूप से कारोबारी साम्राज्य चलाते हैं। पहली पीढ़ी के उद्यमी शशि व रवि रुइया ने 1969 में ऊर्जा, धातु, बुनियादी ढांचे से लेकर प्रौद्योगिकी और खुदरा क्षेत्र में कारोबार करने वाले समूह की स्थापना की थी। समूह के निवेश पोर्टफोलियो का प्रबंधन करने वाली एस्सार कैपिटल के निदेशक प्रशांत रुइया ने कहा, मजबूत पारिवारिक संबंध बनाए रखने के लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि परिवार के हर सदस्य को अपनी बात कहने और आगे बढ़ने का अवसर मिले। उन्होंने कहा, पारिवारिक परंपरा तेजी से खत्म हो रही है, लेकिन हमने इसे अब तक बनाए रखा है। नए सिरे से खुद को खड़ा कर रहा समूह दिवालिया कार्रवाई से उबरकर करीब दो लाख करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने के बाद एस्सार समूह अब खुद को नए सिरे से खड़ा कर रहा है। समूह का राजस्व 15 अरब डॉलर है। रुइया ने कहा, समूह की कर पूर्व आय के संदर्भ में हमारा 'रन रेट' एक अरब डॉलर है। समूह का वर्तमान मूल्यांकन करीब 8 अरब डॉलर है। समूह की 14 कंपनियां हैं, जिनमें निवेश बढ़ाया जा रहा है। इनमें से कुछ अंतरराष्ट्रीय हैं।

एफटीए के कारण यूएई से सोने और चांदी का आयात 210 फीसदी बढ़ा, कारोबार 10 अरब डॉलर के पार पहुंचा

नई दिल्ली । मुक्त कारोबार समझौते (एफटीए) के कारणभारत का संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से सोने-चांदी का आयात 2023-24 में 210 फीसदी बढ़कर 10.7 अरब डॉलर पहुंच गया। 2022-23 में यह 3.5 अरब डॉलर था। सोने-चांदी के आयात में तेज वृद्धि मुख्य रूप से दोनों देशों के व्यापक इकनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीईपीए) के तहत भारत की ओर से यूएई को दी गई शुल्क रियायतों की वजह से हुई है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के मुताबिक, सोने और चांदी का आयात घटाने के लिए समझौते के तहत रियायती सीमा शुल्क दरों में बदलाव की जरूरत है।

फिच ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

वित्त वर्ष-25 के लिए 7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत किया, ये आरबीआई के अनुमान के बराबर

नई दिल्ली।
फिच रेटिंग्स एजेंसी ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को मार्च में अनुमानित 7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है। एजेंसी ने कंज्यूमर स्पेंडिंग में सुधार और निवेश में ग्रोथ का हवाला देते हुए भारत की ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया है।

फिच ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 6.5 प्रतिशत की ग्रोथ रेट का अनुमान लगाया है। वहीं वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 6.2 प्रतिशत की ग्रोथ रेट से भारत की इकोनॉमी के बढ़ने का अनुमान लगाया है।

फिच का अनुमान आरबीआई के अनुमान के बराबर - फिच का अनुमान आरबीआई के अनुमान के बराबर है। इस महीने की शुरुआत में आरबीआई ने अनुमान लगाया था कि रूरल डिमांड में सुधार और इन्फ्लेशन में नरमी के कारण चालू वित्त वर्ष में भारतीय इकोनॉमी 7.2 प्रतिशत रेटी से बढ़ेगी।

वित्त वर्ष-24 में 8.2 प्रतिशत की रेट से बढ़ी थी भारतीय इकोनॉमी - पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में भारत की इकोनॉमी 8.2 प्रतिशत की रेट से बढ़ी थी, जबकि मार्च तिमाही में ग्रोथ रेट 7.8 प्रतिशत रही थी। फिच को उम्मीद है कि 2024 के आखिरी तक इन्फ्लेशन घटकर 4.5 प्रतिशत रह जाएगी।

2025 और 2026 में इन्फ्लेशन एवरेज 4.3 प्रतिशत रहेगी - वहीं 2025 और 2026 में इन्फ्लेशन एवरेज 4.3 प्रतिशत रहेगी। फिच ने कहा कि उसे उम्मीद है कि आरबीआई इस साल पॉलिसी इंटरेस्ट रेट्स में 25 बेसिस पॉइंट्स की कटौती करके इसे 6.25 प्रतिशत कर देगा।

2024-25 में 6.6 प्रतिशत रह सकती है भारत की जीडीपी : वर्ल्ड बैंक - कुछ दिनों पहले वर्ल्ड बैंक ने 2024-25 के लिए भारत का जीडीपी अनुमान 6.6 प्रतिशत पर बरकरार रखा था। इससे पहले वर्ल्ड बैंक ने अप्रैल में भी भारत की जीडीपी का अनुमान 6.6 प्रतिशत बताया था।

वर्ल्ड बैंक ने कहा था कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहेगा। हालांकि, भारत के विस्तार की गति धीमी होने की उम्मीद है।

वर्ल्ड बैंक ने बताया था कि वित्त वर्ष 2023-24 में उच्च विकास दर के बाद वित्त वर्ष 2024-25 से शुरू होने वाले तीन वित्तीय वर्षों के लिए एवरेज 6.7 प्रतिशत प्रति वर्ष की स्थिर ग्रोथ का अनुमान है।

भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 26 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी - वर्ल्ड बैंक ने भारत की अर्थव्यवस्था के वित्त वर्ष 26 में 6.7 प्रतिशत और वित्त वर्ष 27 में 6.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया है। वहीं वित्त वर्ष 24 में नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस ने जीडीपी के 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया है।

आरबीआई ने जीडीपी अनुमान बढ़ाया, महंगाई अनुमान बरकरार रखा - आरबीआई ने के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत किया आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 का महंगाई अनुमान 4.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा

जीडीपी क्या है - जीडीपी इकोनॉमी की हेल्थ को ट्रैक करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सबसे कॉमन इंडिकेटर्स में से एक है। जीडीपी देश के भीतर एक स्पेसिफिक टाइम पीरियड में प्रोड्यूस सभी गुड्स और सर्विस की वैल्यू को रिप्रजेंट करती है। इसमें देश की सीमा के अंदर रहकर जो विदेशी कंपनियां प्रोडक्शन करती हैं उन्हें भी शामिल किया जाता है।

दो तरह की होती है जीडीपी - जीडीपी दो तरह की होती है। रियल जीडीपी और नॉमिनल जीडीपी रियल जीडीपी में गुड्स और सर्विस की वैल्यू का कैलकुलेशन बेस ईयर की वैल्यू या स्टेबल प्राइस पर किया जाता है। फिलहाल जीडीपी को कैलकुलेट करने के लिए बेस ईयर 2011-12 है। वहीं नॉमिनल जीडीपी का कैलकुलेशन करंट प्राइस पर किया जाता है।

कैसे कैलकुलेट की जाती है जीडीपी - जीडीपी को कैलकुलेट करने के लिए एक फॉर्मूले का इस्तेमाल किया जाता है। यहां सी का मतलब है प्राइवेट कंजम्प्शन, जी का मतलब गवर्नमेंट स्पेंडिंग, आई का मतलब इन्वेस्टमेंट और एनएक्स का मतलब नेट एक्सपोर्ट है।

जीडीपी की घट-बढ़ के लिए जिम्मेदार कौन है - जीडीपी को घटाने या बढ़ाने के लिए चार इम्पॉर्टेंट इंजन होते हैं। पहला है, आप और हम। आप जितना खर्च करते हैं, वो हमारी इकोनॉमी में योगदान देता है। दूसरा है, प्राइवेट सेक्टर की बिजनेस ग्रोथ। ये जीडीपी में 32 प्रतिशत योगदान देती है। तीसरा है, सरकारी खर्च। इसका मतलब है गुड्स और सर्विसेस प्रोड्यूस करने में सरकार कितना खर्च कर रही है। इसका जीडीपी में 11 प्रतिशत योगदान है। और चौथा है, नेट डिमांड। इसके लिए भारत के कुल एक्सपोर्ट को कुल इम्पोर्ट से घटाया जाता है, क्योंकि भारत में एक्सपोर्ट के मुकाबले इम्पोर्ट ज्यादा है, इसलिए इसका इम्पैक्ट जीडीपी पर निगेटिव ही पड़ता है।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कैशलेस भुगतान में तेज उछाल, छह साल में 20.4 प्रतिशत से बढ़कर 58.1 फीसदी हुआ

नई दिल्ली ।
रिपोर्ट में बताया गया है कि मोबाइल वॉलेट के व्यापक इस्तेमाल से वैकल्पिक भुगतान में उछाल आया है। यह यूपीआई द्वारा संचालित होता है और क्यूआर कोड को स्कैन करके रियल टाइम में मोबाइल भुगतान की सुविधा प्रदान करता है।

भारत में बीते छह वर्षों में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कैशलेस भुगतान में तेज उछाल देखा गया है। 2018 में यह 20.4 फीसदी था और 2024 में बढ़कर 58.1 फीसदी हो गया। आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली कंपनी ग्लोबलडेटा ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। नकद हस्तांतरण के अलावा अन्य भुगतान विकल्पों में यूपीआई, डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड शामिल हैं। रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया है कि वैकल्पिक भुगतान में उछाल के लिए मोबाइल वॉलेट का व्यापक इस्तेमाल जिम्मेदार है। यह यूपीआई द्वारा संचालित होता है और क्यूआर कोड को स्कैन करके रियल टाइम में मोबाइल भुगतान की सुविधा प्रदान करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया-प्रशांत (एपीएसी) क्षेत्र में मोबाइल और डिजिटल वॉलेट जैसे भुगतान मंचों ने नकद और बैंक हस्तांतरण (ट्रांसफर) के पारंपरिक तरीकों को पूरी तरीके से बदल दिया है। रिपोर्ट में आगे इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि इस तरह के वैकल्पिक भुगतान मंच चीन और भारत जैसे देशों में पहले लोकप्रिय हैं और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजारों में भी लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। चीन पूरे एशिया प्रशांत क्षेत्र में कुल कैशलेस भुगतान का करीब दो-तिहाई हिस्से का नेतृत्व करता है। हालांकि, भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है। साल 2018 से भारत में वैकल्पिक भुगतान के मंचों के इस्तेमाल में वृद्धि हुई है। कंपनी की रिपोर्ट से पता चलता है कि एशिया प्रशांत क्षेत्र में फिलीपींस, मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे देशों में भी इसी तरह की प्रवृत्ति देखी जा रही है।

एयर इंडिया महाराष्ट्र में खोलेगी फ्लाइंग स्कूल, हर साल 180 पायलटों को मिलेगी ट्रेनिंग, जल्द शुरू होगा परिचालन

नई दिल्ली ।
भारत की राष्ट्रीय एयरलाइन एयर इंडिया पायलटों की कमी से निपटने के लिए महाराष्ट्र के अमरावती में एक फ्लाइंग स्कूल खोलने की योजना बनाई है, जिसका उद्देश्य सालाना 180 पायलटों को प्रशिक्षण देना है। बिना किसी पूर्व उड़ान अनुभव के संभावित पायलट पूर्णकालिक अकादमी में दाखिला ले सकते हैं, जिससे उन्हें प्रशिक्षण के अगले चरणों को पूरा करने के बाद एयर इंडिया के कॉकपिट में शामिल होने का स्पष्ट रास्ता मिल जाएगा। एयर इंडिया अनुभवी और प्रमाणित पायलटों को प्रशिक्षकों के रूप में भर्ती करने की योजना बना रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को उच्च-गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिले। फ्लाइंग स्कूल में प्रवेश के लिए चयन प्रक्रिया कठोर होगी, जिसमें उम्मीदवारों का मूल्यांकन उनकी शैक्षणिक योग्यता, शारीरिक फिटनेस और व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। एयर इंडिया के फ्लाइंग स्कूल से सफल उम्मीदवार न केवल एयर इंडिया के भीतर बल्कि

वैश्विक स्तर पर अन्य विमानन कंपनियों में भी करियर बनाने के लिए अच्छी तरह से तैयार होंगे। इस पहल का उद्देश्य विमानन उद्योग में कुशल पायलटों की बढ़ती मांग को पूरा करना और भारत में इस क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देना है। एयर इंडिया के इस कदम से न केवल विमानन क्षेत्र में नई उम्मीदें बढ़ेंगी, बल्कि भारतीय युवाओं को विमानन क्षेत्र में उनके सपनों को पूरा करने का एक और माध्यम मिलेगा। इस स्कूल के माध्यम से एयर इंडिया ने अपने तकनीकी और प्राधिकरण के लिए एक मजबूत प्लेटफ़ॉर्म बनाने का उद्देश्य रखा है।

पिछले एक हफ्ते में सब्जियों की कीमतें तेजी से बढ़ीं

नई दिल्ली ।
एनसीआर सहित उत्तर भारत में इस समय भीषण गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। भीषण गर्मी की मार अब फल-सब्जियों की कीमतों पर भी देखी जा रही है। जिससे पिछले एक हफ्ते में कई सब्जियों के दाम डबल हो गए हैं। आजादपुर मंडी में व्यापारियों का कहना है कि गर्मी के कारण सब्जियों का उत्पादन कम हो गया है। जो उपज रहा है, वह खेतों से मंडियों में नहीं पहुंच रही हैं। बढ़ते तापमान के कारण अधिकांश खेतों में सब्जियों की फसल बर्बाद हो रही है, जिससे आवक पर असर पड़ा है। भीषण तपिश और हीट वेव में आप ही नहीं, खेतों में हरी सब्जियों के पौधे भी जल रहे हैं। एक किसान बताते हैं कि हैं कि इस मौसम में चाहे कितना भी पानी दें, लौकी-घीया के बेल जल रहे हैं। भिंडी-टमाटर का पौधा भी झुलस सा गया है। एक तरफ तापमान और तेज धूप की वजह से खेतों में ही हरी सब्जियां के पौधे सूख रहे हैं। जो कुछ सब्जी मंडी तक पहुंच जाती है, वे भीषण गर्मी की वजह से खराब हो रही हैं। टमाटर, घीया, तोरई की फसल नष्ट हो गई है, जिसका असर अब बाजारों पर 50 फीसदी तक दामों में

उछाल देखने को मिल रहा है। पिछले हफ्ते टमाटर के दाम 25 से 30 रुपये किलो था, वह 40 से 45 रुपये किलो पहुंच गए हैं। शिमला मिर्च 100 रुपये किलो, नींबू पहले जो 80 से 100 रुपये किलो का बिक रहा था, वह अब 160 रुपये किलो तक पहुंच गया है। ऐसा ही हाल फलों का भी है। सेब, आम, अनार, पपीता, तरबूज, खरबूजा, मौसमी, नारियल पानी जैसे फलों के भाव में 25 से 30 फीसदी तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है।

डॉ अनुराग बत्रा बने इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविजन आर्ट्स एंड साइंसेज के सदस्य

नई दिल्ली ।
एक्सचेंज फॉर मीडिया के संस्थापक और चेयरमैन डॉ. अनुराग बत्रा को इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविजन एंड साइंसेज का सदस्य चुना गया है। डॉ. बत्रा 60 से अधिक देशों के 900 से ज्यादा सदस्यों के उस समूह में शामिल हो गए हैं, जो दुनिया की अग्रणी टेलीविजन और मीडिया कंपनियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। अनुराग बत्रा को एक्सचेंज फॉर मीडिया को संस्थागत बनाने, मीडिया, टेलीविजन और डिजिटल से संबंधित डोमेन में एक नया और अग्रणी प्लेटफॉर्म बनाने के उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया है।

कौन हैं डॉ अनुराग बत्रा

डॉ. अनुराग बत्रा एक आंत्रप्रेन्योर, राइटर, एंजेल इन्वेस्टर, टीवी शो होस्ट हैं। जिनका मानना है कि अगर आप किसी चीज में गहराई में विश्वास करते हैं तो वह सच हो जाती है। डॉ. बत्रा एक्सचेंज फॉर

मीडिया समूह के संस्थापक और एडिटर इन चीफ हैं। ये कई बड़े मीडिया ब्रांड्स का प्रबंधन करते हैं। डॉ. बत्रा बिजनेसवर्ल्ड मीडिया समूह के भी चेयरमैन और एडिटर इन चीफ हैं। बिजनेसवर्ल्ड एक कंटेंट टेक मीडिया कंपनी है। डॉ. बत्रा ने मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, गुरुग्राम के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य के तौर पर भी काम किया है। साथ ही डॉ. बत्रा कई प्रमुख मीडिया मालिकों, संपादकों, पत्रकारों के संपर्क में रहे हैं। बत्रा मीडिया, टेलीविजन और नए मीडिया के विशेषज्ञ माने जाते हैं। मीडिया जगत पर वह एक किताब भी लिख रहे हैं, जिसका शीर्षक मीडिया मुगल्स ऑफ इंडिया है। यह किताब 2025 में प्रकाशित होगी। डॉ. अनुराग बत्रा ने भविष्य के कई मीडिया टेक स्टार्टअप में भी निवेश किया है, जो भारतीय डिजिटल मीडिया और मीडिया टेक पर अपना प्रभाव डाल रहे हैं।

क्या है इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविजन आर्ट्स एंड साइंसेज

इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविजन आर्ट्स एंड साइंसेज, अमेरिका के बाहर बनाए जा रहे टेलीविजन में उत्कृष्टता को मान्यता देता है। न्यूयॉर्क शहर में हर साल नवंबर में इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स का आयोजन किया जाता है। वर्तमान में एमी अवार्ड्स कॉमेडी, डॉक्यूमेंट्री, ड्रामा, बच्चों के प्रोग्राम, खबरों आदि वर्गों में दिए जाते हैं। अवार्ड्स गतिविधियों के अलावा इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ टेलीविजन एंड साइंसेज एक मेंबरशिप आधारित संगठन है।

एलआईसी अपनी संपत्तियों को बेचकर जुटाएगी 60 हजार करोड़, मेट्रो शहरों में बेच सकती है महंगी इमारतें

नई दिल्ली । भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने कहा है कि वह देश के मेट्रो शहरों में स्थित अपनी रियल एस्टेट सम्पत्तियों को बेचने की योजना बना रही है। इसके लिए कंपनी अपने प्लॉट और कमर्शियल इमारतों को बेचेगी। इसके लिए एलआईसी ने एक इंटरनल टीम को निर्देश दिया है। जानकारी के मुताबिक एलआईसी प्रक्रिया मुंबई में अपनी संपत्तियों की बिक्री से शुरू करेगी। अगर एलआईसी की कुछ बहुमूल्य सम्पत्तियों की बात करें तो इनमें दिल्ली के कनाट प्लेस स्थित जीवन भारती बिल्डिंग, कोलकाता के चितरंजन एवेन्यू स्थित एलआईसी बिल्डिंग और मुंबई के एशियाटिक सोसाइटी और अकबररैली में हाउसिंग प्रॉपर्टी शामिल हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अंतिम वैल्यूएशन के दौरान इन संपत्तियों का कुल मूल्य 50-60 हजार करोड़ के बीच बताया गया है। इसके साथ ही एलआईसी देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस प्रदाता और स्टॉक मार्केट में सबसे ज्यादा निवेश करने वाली कंपनी है। सार्वजनिक क्षेत्र की इस इंश्योरेंस कंपनी के पास 51 ट्रिलियन रुपये (51 लाख करोड़) की संपत्तियां हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बिक्री की प्रक्रिया को शुरू करने से पहले कंपनी अपनी संपत्तियों का मूल्यांकन शुरू कर सकती है। एलआईसी ने अपनी कई संपत्तियों का मूल्यांकन नहीं किया है और संभावना जताई जा रही है कि इन संपत्तियों का मूल्यांकन उनकी असली कीमत से पांच गुना अधिक कीमत पर हो सकता है जो कि 2.5-3 लाख करोड़ रुपये के आस-पास होगा। बता दें कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान एलआईसी का मुनाफा 40,676 करोड़ रुपये रहा। सार्वजनिक क्षेत्र की यह कंपनी भारत में जमीनों का मालिकाना हक रखने के मामले में तीसरे स्थान पर है। इस मामले में भारतीय रेलवे दूसरे स्थान पर है। एलआईसी अपनी संपत्तियों के प्रबंधन और बिक्री के लिए एक नई इकाई का गठन भी कर सकती है।

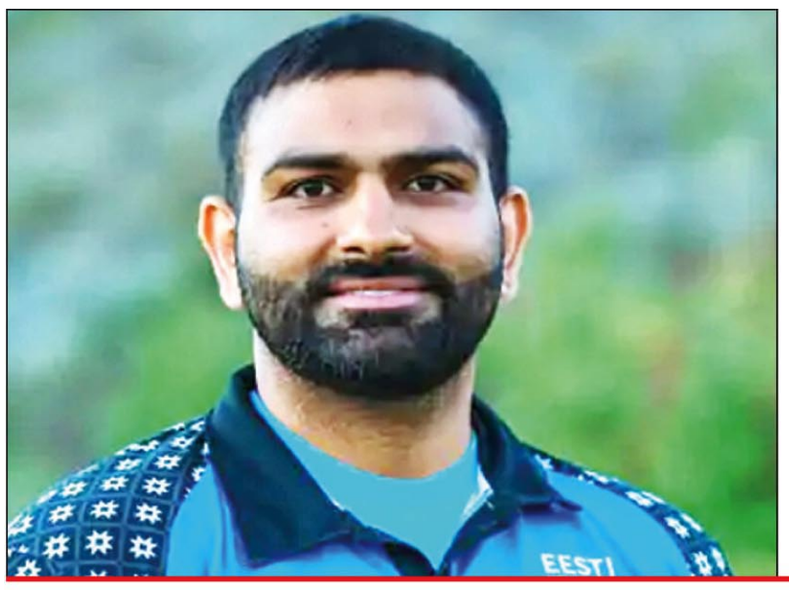

साहिल चौहान ने लगाया टी-20 इंटरनेशनल का सबसे तेज शतक : 27 बॉल पर सेंचुरी पूरी की, 18 छक्के मारे ; 4 महीने पहले 33 बॉल पर बनी थी सेंचुरी

नई दिल्ली।
एस्टोनिया के साहिल चौहान टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज शतक जमाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। साहिल ने साइप्रस के खिलाफ 27 बॉल पर सेंचुरी लगाकर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। मैच साइप्रस के इपिसकोपी में खेला गया। साहिल ने 41 बॉल पर 144 रन की पारी खेली। इनमें 6 चौके और 18 छक्के शामिल रहे। साहिल की इस पारी के दम पर एस्टोनिया ने 191 रन का टारगेट 13 ओवर में चेज कर साइप्रस पर 6 विकेट की जीत हासिल की।

निकोल का 4 महीने पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

साहिल ने चार महीने पहले नामीबिया के बैटर जैन निकोल लॉफ्टी-ईटन का रिकॉर्ड तोड़ दिया। जैन निकोल लॉफ्टी-ईटन ने ट्राई सीरीज के पहले मुकाबले में नेपाल के खिलाफ महज 33 बॉल पर सेंचुरी पूरी की थी।

उन्होंने 36 बॉल की पारी में 101 रन बनाए। ईटन की पारी में 11 चौके और 8 छक्के शामिल रहे। उन्होंने 280.55 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए थे।

साहिल ने गेल का आईपीएल रिकॉर्ड भी तोड़ा

साहिल ने अपनी इस शानदार बल्लेबाजी के दम पर वेस्टइंडीज के विस्टफोटक बल्लेबाज क्रिस गेल का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। गेल ने 2013 आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए पुणे वॉरियर्स के खिलाफ महज 30 गेंदों पर शतक जड़ा था।

उन्होंने भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को भी पीछे छोड़ा, जिन्होंने 2018 में दिल्ली के लिए खेलते हुए हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 32 गेंदों पर सेंचुरी लगाई थी।

एस्टोनिया की साइप्रस पर बड़ी जीत

साइप्रस ने दूसरे टी-20 मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। साइप्रस के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज तरनजीत सिंह ने 17 गेंदों पर दो चौकों और पांच छक्कों के सहारे 44 रन की पारी खेली। साइप्रस ने 20 ओवर में सात विकेट पर 191 बनाए।

जवाब में एस्टोनिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने महज 40 रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिए। हालांकि, एस्टोनिया ने 13 ओवर में चार विकेट पर 194 रन बनाकर जीत दर्ज की। इससे पहले, एस्टोनिया ने पहले मैच में साइप्रस को पांच विकेट से हराया था। इस तरह एस्टोनिया ने छह मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। दोनों टीमों के बीच अब तीसरा और चौथा टी- 20 मुकाबला खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

रोमानिया ने 24 साल में पहली जीत दर्ज की, यूक्रेन को इतने गोल से हराया, कोच को दिया जन्मदिन का तोहफा

नई दिल्ली । निकोलेई स्टेनसियू ने पहले हाफ में लंबी दूरी से गोल दागकर रोमानिया को बढ़त दिलाई जिसके बाद दूसरे हाफ की शुरुआत में रजवान मारिन और डेनिस मिहाई ड्रेगस ने दो गोल दागकर टीम की 3-0 से जीत सुनिश्चित की। रोमानिया ने यूक्रेन के खिलाफ यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2024) में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की। खेले गए इस मुकाबले में रोमानिया ने यूक्रेन को 3-0 से एकतरफा अंदाज में हराया। रोमानिया की इस टूर्नामेंट में 24 साल में पहली और कुल दूसरी ही जीत है। इस तरह टीम ने कोच एडवर्ड इओर्डनेस्कु को जन्मदिन का तोहफा दिया। राष्ट्रगान बजने पर भावुक हुए खिलाड़ी रोमानिया आठ वर्षों में किसी प्रमुख टूर्नामेंट में पहली बार खेल रहा है और राष्ट्रगान बजते ही कई खिलाड़ी रो पड़े। यूक्रेनी फुटबॉल महासंघ ने संघर्ष को उजागर करने के लिए मैच से पहले मई 2022 में रूसी सैनिकों द्वारा नष्ट किए गए स्टेडियम के स्टैंड की म्यूनिख में झलक भी दिखाई। स्टेनसियू ने दिलाई बढ़त निकोलेई स्टेनसियू ने पहले हाफ में लंबी दूरी से गोल दागकर रोमानिया को बढ़त दिलाई जिसके बाद दूसरे हाफ की शुरुआत में रजवान मारिन और डेनिस मिहाई ड्रेगस ने दो गोल दागकर टीम की 3-0 से जीत सुनिश्चित की। स्टेनसियू का एक शॉट क्रॉस बार से भी टकराया लेकिन इसके बावजूद रोमानिया ने यूक्रेन को आसानी से हरा दिया। 24 साल पहले इंग्लैंड को 3-2 से हराकर उलटफेर के बाद से रोमानिया की किसी बड़े टूर्नामेंट में यह पहली जीत थी।

विश्वकप खेलने से पहले नेत्रवलकर ने देर रात जागकर पूरे किये थे प्रोजेक्ट

फ्लोरिडा । भारतीय मूल के अमेरिकी तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर ने इस विश्वकप में अपनी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया है। नेत्रवलकर के शानदार प्रदर्शन के कारण ही पहली बार टी20 विश्व कप खेल रही अमेरिकी टीम सुपर आठ में पहुंची है।

नेत्रवलकर की गेंदबाजी के आगे विराट , रोहित के अलावा कई दिग्गज बल्लेबाज विफल रहे हैं। सौरव के लिए हालांकि विश्वकप में खेलना आसान नहीं रहा। इसका करण है कि वह एक साफ्टवेयर इंजीनियर भी हैं। ऐसे में उन्हें विश्वकप से पहले देर रात तक काम करना पड़ा। इसके बाद ही उन्हें विश्वकप खेलने के लिए छुट्टी मिल पायी। इस क्रिकेटर ने कहा, हर प्रोजेक्ट की एक डेडलाइन होती है, इसलिए वहां भी काम का दबाव रहता है, कई बार ऐसा हुआ है जब मैंने देर रात में काम किया है। मुझे अपना क्रिकेट कार्यक्रम पता है, इसलिए मैं अपने मैनेजर के साथ मिलकर उसी हिसाब से योजना बनाता हूं। मैंने विश्व कप के लिए टीम में आने से पहले अपना काम पूरा कर लिया था। जब हमनें सुपर 8 के लिए क्वालीफाई किया तो मैंने अपने ऑफिस में बताया कि मैं कुछ दिन छुट्टियों पर ही रहूंगा। अब मेरा पूरा ऑफिस मेरा खेल देख रहा है और मेरा सहयोग कर रहा है। नेत्रवलकर का 2024 में नेटवर्थ लगभग 1-2 मिलियन डॉलर के आसपास है। इसमें उनका वेतन , विज्ञापन, अनुबंध और निवेश शामिल है।

सुपरआठ मुकाबलों से पहले तरोताजा होने वॉलीबाल खेलते दिखे भारतीय खिलाड़ी

बारबडोस । भारतीय टीम अब टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर आठ मुकाबलों में उतरने के लिए तैयार है। भारतीय टीम ने लीग मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया था जिससे वह उत्साहित है। भारतीय टीम को सुपर आठ में अपना पहला मुकाबला 20 जून को अफगानिस्तान से खेलना है। इससे पहले भारतीय टीम के खिलाफ तरोताजा होने के लिए बीच पर वॉलीबाल खेलते हुए दिखे। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो भी डाला है। टीम इंडिया को अफगानिस्तान के खिलाफ पहले सुपर-8 मैच के बाद 22 जून को बांग्लादेश के खिलाफ खेलना है। इसके बाद उसे अपने अंतिम मैच में 24 जून को ऑस्ट्रेलिया से खेलना होगा। सुपर-8 में चार-चार टीमों के दो ग्रुप बनाए गए हैं। कम से कम तीन में से दो मैच जीतने वाली टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी। हर ग्रुप से दो टीमें अगले दौर में पहुंचेंगी। भारतीय टीम सुपर-8 के लिए पहले अपनी अंतिम ग्यारह में कोई बदलाव करना नहीं चाहेंगी हालांकि विराट कोहली की फॉर्म को लेकर चिंता बनी हुई है। विराट लीग स्तर में विफल रहे थे। वहीं बल्लेबाजी कोच विक्रम राठोड़ का कहना है कि नेट्स में विराट पूरी तरह से फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उनके बल्ले से रन नहीं आना फिलहाल कोई चिंता की बात नहीं है।

इगोर स्टिमैक भारतीय टीम के कोच पद से बर्खास्त

विश्व कप क्वालिफायर में खराब प्रदर्शन के बाद हटाए गए

नई दिल्ली।
भारतीय फुटबॉल टीम के हेड कोच इगोर स्टिमैक को अखिल भारतीय फुटबॉल संघ ने मुख्य कोच के पद से बर्खास्त कर दिया है। हाल ही में हुए फीफा विश्व कप 2024 क्वालिफायर में टीम इंडिया का प्रदर्शन खराब रहा था। इसके बाद एआईएफएफ ने यह फैसला लिया है। भारतीय टीम ने दूसरे राउंड में कुवैत से ड्रॉ खेला था, जबकि कतर से अहम मुकाबले में हार गई थी। ऐसे में टीम इंडिया ने पहली बार फीफा विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने का मौका गंवा दिया था।

मीटिंग के बाद लिया गया फैसला

स्टिमैक को बर्खास्त करने का फैसला एआईएफएफ अधिकारियों द्वारा की गई मीटिंग के बाद लिया गया। इस मीटिंग की अध्यक्षता एआईएफएफ के उपाध्यक्ष एनए हैरिस ने की। इस दौरान बैठक में मेनला एथेनपा (सदस्य, कार्यकारी समिति और अध्यक्ष, वित्त समिति), अनिलकुमार प्रभाकरन (सदस्य, कार्यकारी समिति और अध्यक्ष, प्रतियोगिता समिति), आईएम विजयन (एआईएफएफ तकनीकी समिति के अध्यक्ष) क्लाइमेक्स लॉरेंस (एआईएफएफ तकनीकी समिति के सदस्य) और सत्यनारायण (कार्यवाहक महासचिव) भी शामिल हुए।

स्टिमैक को तत्काल प्रभाव से मुक्त किया गया

एआईएफएफ ने बयान में कहा, सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम के फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफिकेशन अभियान के निराशाजनक परिणाम को देखते हुए सदस्यों ने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की कि टीम को आगे ले जाने के लिए एक नया मुख्य कोच सर्वश्रेष्ठ होगा। एआईएफएफ सचिवालय ने स्टिमैक को नोटिस जारी किया है और वह तुरंत प्रभाव से अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त किए जाते हैं।

अनुबंध बीच में समाप्त करने से एआईएफएफ को भरनी पड़ सकती है फीस

हालांकि, स्टिमैक को तत्काल प्रभाव से हटाने से भारतीय फुटबॉल संघ को अच्छी खासी कीमत चुकानी होगी। उन्हें जून 2026 तक अनुबंधित किया गया था और एआईएफएफ को अब उनके अनुबंध को जल्दी समाप्त करने के एवज में 360,000 डॉलर (लगभग 3 करोड़ रुपये) के भारी मुआवजे बिल का सामना करना पड़ सकता है।

भारतीय फुटबॉल के एक युग का अंत

स्टिमैक का जाना भारतीय फुटबॉल के लिए एक युग का अंत है। फीफा विश्व कप 1998 में एक खिलाड़ी के रूप में कांस्य पदक जीतने वाले स्टिमैक ने स्टीफन कॉन्सटेंटाइन के जाने के बाद 15 मई 2019 को ब्लू टाइगर्स की देखरेख की जिम्मेदारी संभाली थी। स्टिमैक के मार्गदर्शन में भारत ने चार बड़े खिताब जीते हैं। इनमें दो सैफ चैंपियनशिप, एक इंटरकॉन्टिनेंटल कप और एक त्रिकोणीय राष्ट्र सीरीज शामिल है।

स्टिमैक के नेतृत्व में कई खिताब जीते

वह पिछले साल सैफ चैम्पियनशिप, त्रिकोणीय सीरीज और इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीतकर एक साल में तीन ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय कोच बने थे। हालांकि, भारत इस साल एएफसी एशियाई कप में आस्ट्रेलिया, सीरिया और उज्बेकिस्तान से हार गया था। इसके बाद विश्व कप क्वालिफायर में खराब प्रदर्शन ने एआईएफएफ को उन्हें बर्खास्त करने के लिए मजबूर कर दिया।

एआईएफएफ बड़े बदलाव की ओर

यह दर्शाता है कि एआईएफएफ बड़े बदलाव और दीर्घकालिक सफलता प्राप्त करने ध्यान केंद्रित कर रहा है। साथ ही नए मुख्य कोच की नियुक्ति पर भी कड़ी नजर रहेगी। फैंस को उम्मीद है कि नया कोच भारतीय फुटबॉल को अगले स्तर पर ले जाने में मदद करेगा।

रोहित, विराट सुपर आठ और आगे बेहतर प्रदर्शन करेंगे तो पिछला खराब प्रदर्शन प्रशंसक भूल जाएंगे : मांजरेकर

मुम्बई ।
पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि अगर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सुपर आठ और आगे के मैचों में बेहतर प्रदर्शन करते हैं तो लीग चरण में इनके खराब प्रदर्शन को लोग भूल जाएंगे। मांजरेकर के अनुसार रोहित टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल या फाइनल जैसे बड़े मैचों में निर्णायक पारी खेलते हैं तो ग्रुप चरण में उनका प्रदर्शन अधिक मायने नहीं रखेगा। विराट ने टूर्नामेंट में अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उनमें वह पांच रन ही बना पाये हैं। रोहित ने आयरलैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाया पर पाकिस्तान और अमेरिका के खिलाफ वह रन नहीं बना पाये। मांजरेकर ने कहा, 'अगर आपने रोहित और विराट जैसे खिलाड़ियों का चयन किया है, तो आपने अनुभव को प्राथमिकता दी है। आप अपने अनुभवी खिलाड़ियों को विश्व कप में ले जाना चाहते हैं, जिससे वे तब अच्छा प्रदर्शन करें, जब वास्तव में इसकी सबसे अधिक जरूरत हो। उन्होंने कहा, 'इसलिए मुझे इसको लेकर कोई परेशानी नहीं है कि इनमें से कुछ खिलाड़ी लय में नहीं हैं। अगर यह खिलाड़ी सेमीफाइनल या फाइनल में निर्णायक पारी खेलकर टीम को विजेता बनाते हैं तो आपके सीनियर खिलाड़ियों से इसी तरह के प्रदर्शन की अपेक्षा की जाती है। साथ ही कहा, 'अगर आपका कोई युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करता है तो वह आपके लिए बोनस है हालांकि सीनियर खिलाड़ियों को अधिक योगदान देना चाहिए और मुझे लगता है कि यही वजह है कि चयन समिति ने टी20 विश्व कप के लिए अनुभव को प्राथमिकता दी। वहीं युवा शिवम दुबे ने आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम में जगह बनाई लेकिन वह विश्व कप में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। मांजरेकर को अब भी शिवम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'हमें इसके लिए इंतजार करना होगा कि शिवम ने आईपीएल में जिस तरह से स्पिनरों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। वह उस प्रदर्शन को दोहरा पाते हैं या नहीं। विश्व कप में स्पिनरों के खिलाफ खेलना आसान नहीं है ।

टेस्ट क्रिकेट को बचाने बीसीसीसीआई आगे आये : ग्रेव

ब्रिजटाउन ।
क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉनी ग्रेव ने कहा कि आज के दौर में टेस्ट क्रिकेट का भविष्य खतरे में नजर आ रहा है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उसे बचाने के लिए आगे आना चाहिये। ग्रेव के अनुसार दुनिया भर में क्रिकेट खेलने वाले सदस्य देशों में टेस्ट प्रारूप को बचान और इसके विकास में बीसीसीआई अहम भूमिका निभा सकता है। सीडब्ल्यूआई से 2017 में जुड़ने वाले ग्रेव ने व्यस्त कार्यक्रम के बाद भी टेस्ट क्रिकेट के प्रति बीसीसीआई की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए ये बातें कहीं। साथ ही कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बाहर भी टेस्ट प्रारूप को बचाने के लिए अधिक प्रयास करने होंगे।

आईसीसी के नौ प्रतिस्पर्धी पूर्ण सदस्यों में से केवल तीन बड़े सदस्य ही 2023-2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में पांच मैचों की सीरीज खेलेंगे। वहीं तीन अन्य पूर्ण सदस्य आयरलैंड, अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे 2019 में शुरू की गई इस चैंपियनशिप में भी तक शामिल नहीं किये गये हैं। उन्होंने खेल के भविष्य और बीसीसीआई द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका को लेकर कहा, 'उसे

नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभानी है क्योंकि ताकत, प्रभाव और संसाधनों के मामले में वे अब नंबर एक बोर्ड हैं। उन्होंने जिस तरह से खेल के तीनों प्रारूपों को खेलना जारी रखा है, वह शानदार रहा है। टेस्ट क्रिकेट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता मुझे नहीं लगता कि यह कभी इतनी मजबूत रही होगी जितनी अब है। ग्रेव ने कहा कि आईसीसी में भारत के रुख का काफी प्रभावशाली रहता है। उन्होंने कहा, 'आईसीसी द्वारा लिए जाने वाले प्रमुख निर्णयों में उनकी भूमिका काफी अहम रही है। पिछले 12 महीनों में क्रिकेट को ओलंपिक में प्रवेश दिलाने में भी बीसीसीआई ने आईसीसी को पूरा सहयोग दिया है।

भारतीय टीम को सुपर आठ में बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर से रहना होगा सतर्क

एंटीगा ।
भारतीय क्रिकेट टीम अभी टी20 विश्वकप के सुपर आठ की तैयारियों में लगी है। इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबल 20 जून को अफगानिस्तान और 22 जून को बांग्लादेश और 24 जून को ऑस्ट्रेलिया से होना है। सुपर आठ में भारतीय टीम के सभी मुकाबले वेस्टइंडीज में खेले जाएंगे। इसमें भारतीय टीम को रोहित शर्मा एंड कंपनी के मुकाबले अफगानिस्तान, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया से है। सुपर आठ में सभी टीमों से उसे सावधान रहना होगा क्योंकि यहां तक पहुंची अफगानिस्तान भी कमजोर नहीं मानी जा सकती है।

भारतीय टीम को विशेष रुप से बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान से सतर्क रहना होगा। रहमान आजकर जबरदस्त फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वह विरोधी टीमों के बल्लेबाजों के लिए मुसीबत बनते नजर आ रहे हैं। ऐसे में भारतीय टीम के बल्लेबाजों को रहमान के खिलाफ अलग रणनीति बनानी होगी। रहमान ने श्रीलंका के खिलाफ मैच के दौरान अपने चार ओवरों में महज 17 रन दिए थे और तीन अहम बल्लेबाजों को आउट किया था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुस्ताफिजुर ने अपने चार ओवरों में महज 18 रन ही दिए हालांकि वो

विकेट नहीं ले पाये थे। फिर नीदरलैंड्स के खिलाफ मुस्ताफिजुर ने चार ओवरों में एक विकेट लेकर महज 12 रन दिए।

वैसे आंकड़ों पर नजर डालें तो मुस्ताफिजुर का टी20 में भारत के खिलाफ रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने कुल 9 मैचों में भारत से खेला है और इस दौरान वो केवल चार विकेट ही ले पाये हैं। . मुस्ताफिजुर की इकोनॉमी भी खास अच्छा नहीं रहा है. उन्होंने इस दौरान करीब नौ की इकोनॉमी से रन दिये हालांकि टी20 में नौ की इकनोमी को औसत माना जाता है हालांकि अभी टी20 विश्वक कप में वह चार मैचों में सात विकेट ले चुके हैं।

ट्रंप के साथ अपने संबंध सार्वजनिक करने से बचती दिखीं सेरेना, कहा- मैंने कई राष्ट्रपतियों से बातचीत की

वाशिंगटन ।
टेनिस सुपरस्टार सेरेना विलियम्स ने एक रिपोर्टर के उस सवाल का जवाब देने से इन्कार दिया, जिसमें उसने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछा था। इस दौरान सेरेना ने कहा कि उन्होंने ट्रंप के अलावा भी कई राष्ट्रपतियों से बातचीत की है। टेनिस सुपरस्टार सेरेना विलियम्स इन दिनों इसलिए चर्चा में हैं, क्योंकि उनका नाम लगातार अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कॉल सूची में है। जब सेरेना से ट्रंप के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछा गया तो वह रक्षात्मक हो गईं और उन्होंने अपने संबंधों को सार्वजनिक करने से इन्कार कर दिया। सेरेना एक साक्षात्कार में शामिल हुईं। इस दौरान रिपोर्टर ने सेरेना से संभावित रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनके

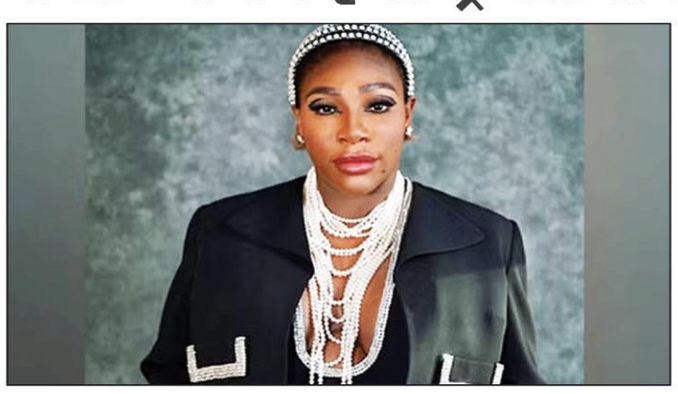

संबंधों के बारे में पूछा। हालांकि विलियम्स ने सवाल को ठीक से नहीं लिया। तुरंत जवाब देते हुए कहा, मेरा मतलब है, क्या यह साक्षात्कार इसी बारे में है सेरेना के पूछने के बाद भी रिपोर्ट अपने सवाल पर कायम रहा। उसने जिज्ञासा व्यक्त करते हुए कहा, जब किसी को राष्ट्रपति से बात करने का मौका मिलता है तो मुझे उत्सुकता होती है कि उसने राष्ट्रपति से किस बारे में बात की। अप्रत्याशित रूप से बातचीत में शामिल हुईं सेरेना इस सवाल के जवाब में सेरेना रक्षात्मक दिखीं। उन्होंने अपनी निजता को सार्वजनिक करने से इन्कार किया। कहा, मैं कई राष्ट्रपतियों से बात करती हूं। मैंने बराक, क्लिंटन और रोनाल्ड रीगन तक से बात की है। बावजूद इसके रिपोर्ट ने सेरेना से ट्रंप के साथ संबंधों के बारे में बताने का आग्रह किया। इस पर सेरेना ने रिपोर्ट को रोक दिया। हालांकि, न चाहते हुए भी सेरेना विलियम्स अप्रत्याशित रूप से ट्रंप के इर्द-गिर्द घूमने वाली बातचीत में शामिल हो गईं। 27 जून को आमने-सामने होंगे ट्रंप और बाइडन बता दें कि पिछले महीने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक अदालत ने गुप्त धन मुकदमे के अंतिम फैसले में 34 गुंडागर्दी मामलों में दोषी ठहराया था।

एक प्रारुप से दूसरे में ढ़लना कठिन : बेयरस्टो

नॉर्थ साउंड । इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो खेल के तीनों ही प्रारुपों में अब तक शानदार प्रदर्शन करते आये हैं। टी20 विश्वकप में भी इस बार इंग्लैंड की टीम के सुपर आठ में पहुंचने में उनकी अहम भूमिका रही है। बेयरस्टो ने कहा कि प्रदर्शन के कारण ही वह लंबे समय से तीनों ही प्रारुपों में बने हुए हैं। उन्होंने स्वीकार किया है कि यह एक कठिन काम है, लेकिन फिर भी उस संतुलन को बनाए रखने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। बेयरस्टो ने कहा कि कभी-कभी एक प्रारूप से दूसरे प्रारूप में ढलना कठिन होता है और इसमें थोड़ा बदलाव करना पड़ता है पर ये कुछ ऐसा है जो मैंने अपने पूरे करियर में किया है। इसलिए मैं इसमें कुछ भी बदलाव नहीं करूंगा। इस मामले में थ में खुशकिस्मत हूं कि इंग्लैंड के लिए तीनों प्रारूपों में खेल रहा हूं। बेयरस्टो ने कहा कि मैं टेस्ट में विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी करना पसंद करूंगा। यह वही है जो मैं करना चाहता था। मैंने इसके बारे में सोचने में ज्यादा समय नहीं बिताया है। खेल लगातार और तेजी से आ रहे हैं। मुझे लगता है कि मैंने ऐसा किया है। इस साल की शुरुआत में जब हम घर से निकले थे तब से लगभग पांच रातें घर पर बिताईं। इस दौरान अलग अलग जगह पर खेला। ऐसा कर आप सीखने की कोशिश करते रहते हैं, आप उन अनुभवों और चुनौतियों का आनंद लेते रहते हैं जो आपके सामने आते हैं और मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण बात है। बेयरस्टो ने कहा कि कभी-कभी एक प्रारूप से दूसरे प्रारूप में ढलना कठिन होता है और इसमें थोड़ा बदलाव करना पड़ता है

तनाव तो नहीं पेट की गड़बड़ी का कारण?

तनाव शरीर के अलग-अलग अंगों पर प्रभाव डालता है। पेट भी इससे अछूता नहीं रहता। इरिटेबल बाउल सिंड्रोम पेट की एक आम समस्या है, जो बड़ी आंत पर असर डालती है। होमियोपैथी एवं मेटाफिजिक्स एक्सपर्ट डॉ. रश्मि अरोड़ा के अनुसार आमतौर पर पेट की समस्याओं से परेशान रहने वालों में तनाव एक बड़ा कारण पाया गया है। क्या हर तरह का तनाव रोग का कारण बनता है? उत्तर है नहीं। अप्रत्याशित तनाव, जिससे पहली बार सामना होता है या उस स्थिति में जब व्यक्ति को तनाव से दूर होने का तरीका नहीं सूझता, तब पेट पर इसका असर पड़ता है। नतीजतन कुछ को इरिटेबल बाउल सिंड्रोम (आईबीएस) की समस्या हो जाती है।

तनाव और आइबीएस: मेटा हेल्थ की नजर से आईबीएस या स्पास्टिक कोलोन लंबे अरसे तक चलने वाली बीमारी होती है, जिसमें बड़ी आंत प्रभावित होती है। आईबीएस में आमतौर पर लक्षण के तौर पर पेट में मरोड़ उठना, पेट दर्द, पेट फूलना, गैस और डायरिया या कब्ज की समस्या होती है। आईबीएस से ग्रस्त अधिकतर व्यक्तियों में तनाव ने घर कर लिया होता है या फिर वे बार-बार तनावपूर्ण स्थितियों से दो-चार होते रहते हैं।

तनाव की यात्रा: इरिटेबल बाउल सिंड्रोम से ग्रस्त व्यक्ति में चिड़चिड़ाहट, अधीरता और क्रोध की अधिकता होती है, जो आंत की सूजन का कारण बनती है। सूजन यानी आकार का बढ़ना। क्रोध की अभिव्यक्ति के समय आंखें चौड़ी हो जाती हैं और नाक फूल जाती है। वैसे ही अंदर दबा गुस्सा अंदर के अंग यानी आंत के आकार को बढ़ाता है। मेटा हेल्थ की दृष्टि से इरिटेबल बाउल सिंड्रोम उनको होता है, जिनमें कोई क्रोध दबा हुआ होता है और वह उसे बाहर अभिव्यक्त करने की इच्छा नहीं रखते। रोगी के अवचेतन में यह विचार होता है कि वह इस क्रोध को दूर नहीं कर सकता। मस्तिष्क में आंत संबंधी समस्याएं ब्रेन स्टेम में दर्ज होती हैं और सुलझाई जाती हैं। आईबीएस को बढ़ाने वाली स्थितियां, जिन्हें हम ट्रिगर इवेंट्स कह सकते हैं, व्यक्ति के माहौल में होती हैं। यह शुरू होता है एक बड़े झटके से, फिर उससे तनाव होता है। कई बार तनाव की पहली स्थिति खत्म नहीं होती कि दूसरी शुरू हो जाती है और इस तरह आईबीएस पनपता है।

उपचार का तरीका: आईबीएस से ग्रस्त लोगों का सबसे बड़ा विश्वास यह होता है कि अगर उन्होंने उस विशिष्ट स्थिति को अभिव्यक्त किया तो उनके सामान्य जीवन में समस्याएं आ जाएंगी। लोग उनके बारे में नकारात्मक सोच सकते हैं। मेटा हेल्थ अप्रोच के माध्यम से लंबे समय से पेट की गड़बड़ी से जूझ रहे लोगों के ऐसे नकारात्मक अनुभवों की खोज की जाती है। उस अनुभव से संबंधित उनके नजरिए को संकीर्ण की बजाय विस्तार देने की कोशिश की जाती है, ताकि वे उस अनुभव से संबंधित अपने गुस्से या भावनाओं को प्रदर्शित कर सकें। उनके भय को खत्म कर उन लोगों के आत्मविश्वास को मजबूत बनाने की कोशिश की जाती है। यह कुछ महीनों तक चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें थेरेपी और दवाई एक साथ चलते हैं।

थ्री डी प्रिंटिंग से बनेंगी हड्डियां...

3 डी प्रिंटिंग को लेकर कई तरह के रिसर्च चल रहे हैं। इससे अब मानव अंग बनाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। हाल ही में अमेरिका के जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी में भी इस पर एक रिसर्च किया गया है। वहां ऐसे मेटेरियल पर रिसर्च चल रहा है, जिसकी मदद से 3डी प्रिंटिंग के जरिए नई हड्डियां बनाई जा सके। इससे पहले 3डी प्रिंटिंग के जरिए जो भी हड्डियां बनाई गई हैं, वे पूरी तरह से कृत्रिम थीं। मगर अब जो हड्डियां तैयार की जा रही हैं, उनके मेटीरियल में 30 प्रतिशत मानव हड्डियां मिली हुई हैं। इसमें बायोडीग्रेडेबल पॉलिएस्टर का इस्तेमाल हुआ है। कृत्रिम चीजों के इस्तेमाल से हमारा शरीर प्लास्टिक की चीज से तालमेल नहीं बैठा पाता है, मगर यदि इसमें बोन पाउडर का प्रयोग होता है, तो यह शरीर की कोशिकाओं को आकर्षित करता है और उसके आसपास नेचुरल टिश्यू बन जाते हैं। इस मेटेरियल का यूज करके इसे किसी भी हड्डी का शेप दिया जा सकता है। अब डॉक्टरों की निर्भरता दूसरों द्वारा दान की हुई हड्डियों पर नहीं होगी। इस रिसर्च में चूहे की खोपड़ी में छोटा-सा छेद कर दिया गया। अब उस छेद को 3डी प्रिंटेड मेटीरियल से भर दिया गया है। इसके साथ में ही स्टेम सेल का भी प्रयोग किया गया। अब उसके ठीक होने की प्रक्रिया पर नजर रखी गई। पता चला कि पूरी तरह से कृत्रिम चीजों से बनी हड्डियों की तुलना में इन नई हड्डियों के आस-पास नए टिश्यू का ग्रोथ अधिक हुआ था।

क्लॉथ फोल्डिंग मशीन...

अक्सर हम लोग घरों में देखते हैं कि ज्यादातर कपड़े इधर-उधर बिखरे रहते हैं जिन्हें संभालने के लिए महिलाओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस बात पर ध्यान देते हुए फोल्डीमेट कंपनी ने एक ऐसी आटोमेटिक क्लॉथ फोल्डिंग मशीन विकसित की है जो घर में आपके कपड़ों को संभालने में मदद करेगी। इस मशीन में आपको बस इसके क्लिप पर अपनी टी-शर्ट और पेंट को टांगकर इसे ऑन करना होगा, जिसके बाद यह मशीन रोबोटिक हैंड की मदद से कपड़े को अंदर खींच लेगी और उसे सही तरीके से फोल्ड कर देगी। इसके नेक्सट प्रोसेस में कपड़े को स्टीम ट्रीटमेंट और इस पर परफ्यूम स्प्रे किया जाएगा। इसके बाद कुछ ही समय में इसकी स्क्रीन पर ट्रे फुल शो होगा और प्रेस किए गए कपड़े इस मशीन से बाहर आ जाएंगे। इसके क्रिएटर्स का कहना है कि यह मशीन आपके कपड़ों को दोगुनी तेजी से प्रेस कर देगी। उम्मीद की गई है कि इस मशीन को अगले साल तक बिक्री के लिए उपलब्ध किया जाएगा।

घूमने के लिए इनसान की सीमाएं फिलहाल पृथ्वी तक ही सीमित है, जिसे बढ़ाने के लिए कई देशों के वैज्ञानिक, स्पेस एजेंसियां और निजी कंपनियां पिछले कई दशकों से जुटी हैं। हाल में इस दिशा में कुछ नई कामयाबी हासिल हुई है, जिसके आधार पर उम्मीद जताई जा रही है कि इन्सान के पर्यटन का दायरा अब अन्य ग्रहों तक विस्तार ले सकता है।

अब स्पेस टूरिज्म की ओर...

धरती से आगे कहीं घूमने जाने की योजना बना रहे हैं, तो बस तैयार हो जाइए तारों और ग्रहों की दूसरी दुनिया के सैर पर जाने के लिए। हम अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन की ओर से कराये जाने वाले उस सैर-सपाटे की बात कर रहे हैं, जो धरती पर नहीं, बल्कि अंतरिक्ष में की जा सकती है। नासा का कहना है कि हम सबसे पहले बृहस्पति ग्रह की ओर बढ़ रहे हैं और यह बेहद रोमांचक भी है। सौरमंडल की अविश्वसनीय घटनाओं को बिलकुल पास से देखना चाहेंगे? या फिर अपने ग्रहों के चारों ओर की खूबसूरती, शुक्र पर होने वाली अम्ल वर्षा, पृथ्वी से तीन गुना बड़े ग्रह बृहस्पति के चारों ओर उठते तूफान और पड़ोसी चंद्रमा व दूसरे ग्रहों के अद्वितीय सौंदर्य का अनुभव करना चाहेंगे? यदि हां, तो इसके लिए आप भी अंतरिक्ष में सैर की योजना बना सकते हैं। यह कोई कोरी कल्पना नहीं, बल्कि स्पेस टूरिज्म यानी अंतरिक्ष पर्यटन को बढ़ावा देने के मकसद से रोमांचक अनुभवों का दावा करने वाले कुछ आकर्षक पोस्टर भी जारी किये हैं। कोई भी व्यक्ति किराया चुका कर अंतरिक्ष भ्रमण का रोमांचक आनंद उठा सकता है, जो एक सपना साकार करने जैसा होगा। अंतरिक्ष सैर-सपाटे के लिए अंतरिक्ष यानों-शटलों की विभिन्न तरह की डिजाइनों पर न केवल काम शुरू हो चुका है, बल्कि कुछ के परीक्षण भी किए जा चुके हैं।

यात्रा 2018 में संभावित

नासा ने बीते साल 14 दिसंबर से मध्य फरवरी, 2016 तक अंतरिक्ष यात्रा के लिए मंगल ग्रह पर जाने के लिए इच्छुक योग्य व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किये थे। इसके लिये नासा ने अंतरिक्ष यात्री द्वारा बनाया गया अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) का दिलचस्प वीडियो भी जारी किया है। खास बात यह है कि मंगल ग्रह पर जाने के लिए तत्पर आवेदकों की संख्या काफी चौंकाने वाली है। कुल 18,300 आवेदकों में से 8 से 14 यात्रियों को चुना जाना तय किया गया है। ट्रेनिंग के बाद उन्हें वहां भेजने के लिए तैयार किया जायेगा। उनकी यह यात्रा वर्ष 2018 में संभावित है। अंतरिक्ष अभियानों के लिए नासा अलग-अलग क्षेत्रों से योग्य अमेरिकी नागरिकों का चयन करती है। इनमें पायलट से लेकर इंजीनियर और वैज्ञानिक से लेकर डॉक्टर या फिर उसकी शर्तें पूरी करने वाला कोई भी सामान्य नागरिक हो सकता है।

एयर टैक्सियों से यात्रा

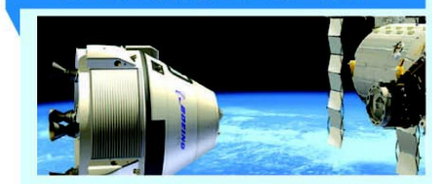

स्पेस में सैर के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित अंतरिक्ष यान-शटल को खास तरह से डिजाइन किया गया है। इसमें स्पेस टैक्सी स्पोर्ट्स कार की तरह छह सीटों वाली होंगी। नासा के कॉमर्शियल क्रू प्रोग्राम के अध्यक्ष केस ल्यूडर्स के अनुसार, ये टैक्सियां विमान बनाने वाली कंपनी 'बोइंग' और दूसरी कंपनी 'स्पेसएक्स' द्वारा बनाई जा रही हैं। बोइंग द्वारा बनायी जानेवाली टैक्सी 'सीएसटी100' है, जबकि स्पेसएक्स द्वारा बनायी जानेवाली टैक्सी का नाम 'ड्रेगन' रखा जाना है। ये यान न केवल अंतरिक्ष यात्रियों को 'इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन' तक लाने और ले जाने का काम करेंगे, बल्कि वहां उनके लिए जरूरी सामान भी मुहैया करवाएंगे। इसके लिए इन यानों की सेवाएं 2017 से शुरू हो सकती हैं। इन यानों में ईंधन के रूप में ऑक्सीजन और इथेनॉल के मिश्रण का इस्तेमाल किया जायेगा, जबकि अन्य यानों में हाइड्रोजन पैराक्साइड, नाइट्रस ऑक्साइड गैस के इस्तेमाल का प्रयोग की जांच-परख जारी है।

ये लोग जाएंगे स्पेस में

इस बारे में नासा के प्रशासक और पूर्व अंतरिक्ष यात्री चार्ली बोल्डेन का कहना है कि चुने गये अमेरिकी धरती से अंतरिक्ष यानों के जरिये उड़ान भरेंगे और इस समूह में कुछ विशेष प्रतिभाशाली पुरुष और महिलाओं को चुना जायेगा। अमेरिकी यान से अंतरिक्ष की ओर शुभारंभ करेंगे।' उन्होंने यह भी कहा कि चुने गये प्रतिभागियों को अंतरिक्ष विमान तंत्र, स्पेस वॉकिंग और टीम वर्क का कड़ा प्रशिक्षण दिया जायेगा। उसके बाद ही प्रशिक्षण पूरा होने पर अलग-अलग अंतरिक्ष यानों में से किसी एक पर भेजा जायेगा। सफल प्रतिभागियों की घोषणा वर्ष 2017 के मध्य तक की जायेगी।

क्यों खास है स्पेस टूरिज्म

स्पेस टूरिज्म के प्रति आकर्षण के कई कारण हैं। जैसे अंतरिक्ष से दिखनेवाली सबसे खूबसूरत नीली धरती को देखने का आनंद और जीरो ग्रेविटी की अनुभूति के साथ अंतरिक्ष की रोमांचक घटनाओं का अनुभव होने के साथ इससे वैश्विक 'स्टेटस सिंबल' भी हासिल होगा । यही कारण है कि अंतरिक्ष की सैर के सपने पूरे करने वाले आवेदकों की संख्या वर्ष 1978 में 8000 की तुलना में दोगुनी से भी अधिक हो गई है।

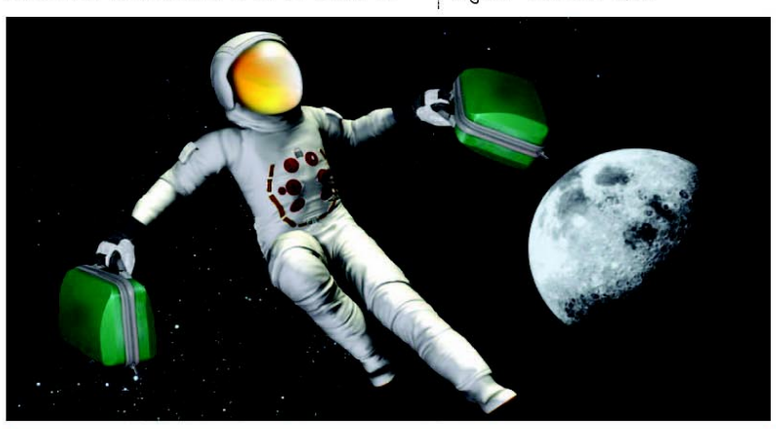

अंतरिक्ष में होटल

ऑर्बिटल टेक्नोलॉजीज नाम की रूसी कंपनी ने अंतरिक्ष में होटल स्थापित करने की भी योजना बनाई है। यह कंपनी वर्ष 2030 तक मंगल ग्रह पर जानेवाले अंतरिक्ष पर्यटकों को आकर्षक सुविधा देने की घोषणाएं करेगी। सरकारी सहयोग से चलने वाली इस कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सरगई कोस्तेंको के अनुसार, यह महत्वाकांक्षी योजना एक ऐसे आरामदायक होटल की है, जिसका पहला मॉड्यूल करीब 20 घनमीटर का होगा और इसमें सात पर्यटक रह सकेंगे । हालांकि यहां महज पांच दिन बिताने के लिए यात्रियों को करीब 10 लाख डॉलर खर्च करने होंगे।

अंतरिक्ष पर्यटन के पोस्टर

हाल में ही में नासा ने अंतरिक्ष पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'भविष्य के सपने' का दावा करते हुए 14 विंटेज यात्रा के आकर्षक पोस्टर जारी किए हैं। इसे नासा की जेट प्रोपल्सन लेबोरेटरी ने वर्ष 2016 के कैलेंडर के रूप में बनाया है, जो केवल नासा के कर्मचारियों, वैज्ञानिकों, इंजीनियरों को बांटे जायेंगे। जेपी एल्ल इसकी डिजिटल प्रतियां हर माह के हिसाब से जारी करेंगी, लेकिन कोई भी व्यक्ति इस फर्म की वेबसाइट से हार्ड कॉपी के रूप में इसे खरीद सकता है । इन पोस्टर में महीने के हिसाब से अलग-अलग विषय रखे गये हैं, जिनमें से एक 'द ग्रेड टूर' नासा के वॉयजर मिशन को दर्शाता है। इस मिशन पर नासा ने हर ग्रह की गुरूत्वाकर्षण के हिसाब से प्रत्येक स्पेसक्राफ्ट की गति को निर्धारित कर दिया था, ताकि स्पेसक्राफ्ट सौरमंडल की सीमाओं से परे जा सके। इस पोस्टर का नामकरण इन्हीं बातों को ध्यान में रख कर किया गया । एक अन्य पोस्टर 'इनसोलाडस' में शनि ग्रह के चंद्रमा को दिखाया गया है, जहां 100 से अधिक झरने हैं।

2001 में हुई थी शुरुआत

दो करोड़ डॉलर की टिकट लेकर अंतरिक्ष में सैर पर जानेवाले पहले अंतरिक्ष पर्यटक अमेरिका के एक व्यवसायी डेनिस टीटो थे । 28 अप्रैल, 2001 को उन्हें अमेरिका की कंपनी एक कंपनी स्पेस एडवेंचर लिमिटेड द्वारा रूसी अंतरिक्ष एजेंसी के सहयोग से स्पेस में भेजा गया था। उनकी 10 दिवसीय रोमांचक यात्रा 6 मई, 2001 को खत्म हुई थी और वे सकुशल पृथ्वी पर लौट आये थे। आज भी किराया चुका कर अंतरिक्ष पर्यटन करवाने वाली एकमात्र संस्था यही है। टीटो के बाद दक्षिण अफ्रीका के कंप्यूटर उद्योगपति मार्क शटलवर्थ ने 25 अप्रैल से 5 मई 2002 तक अंतरिक्ष की सैर की, तो तीसरे अंतरिक्ष पर्यटक के तौर पर ग्रेगरी ओल्सेन एक अक्टूबर से 11 अक्टूबर, 2005 तक का समय गुजारते हुए कुछ प्रयोग भी किये। दुनिया के पहले स्पेस टूरिस्ट के रूप में प्रसिद्ध हो चुके टीटो करीब 500 दिनों की मंगल ग्रह की यात्रा पर जाने की तैयारी कर चुके हैं। उम्मीद जताई गई है कि जनवरी, 2018 में एक स्वयंसेवी संस्थान 'इंस्पिरेशन मार्स फाउंडेशन' के तहत वे मंगल की यात्रा पर जा सकते हैं। अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनने के सबसे क़रीब आपको 'स्पेस एडवेंचर' कार्यक्रम ले जाता है, जिसके अंतर्गत प्रतियोगी को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में दस दिनों तक रहने का मौका मिलता है और इसके लिए उसे चुकाने पड़ेंगे करीब दो अरब 75 करोड़ रुपए।

वर्जिन गेलेक्टिक की वापसी

अंतरिक्ष पर्यटन की दौड़ में वर्जिन गेलेक्टिक की वापसी हो चुकी है। अगर इस परियोजना में सबकुछ ठीक-ठाक रहा, तो छह लोगों को अंतरिक्ष में पहुंचाने की क्षमतावाले स्पेसक्राफ्ट में विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रोफेसर स्टीफन हॉकिंग के भी अंतरिक्ष पर्यटक बनने की इच्छा है। अपनी यह इच्छा उन्होंने वर्जिन गेलेक्टिक के नये वीएसएस यूनिट के नये स्पेसशिप टू क्राफ्ट के अनावरण के दौरान जताई थी। वर्जिन के मालिक रिचर्ड ब्रैनसन ने इस मौके पर कहा, 'हम नये अंतरिक्ष युग में प्रवेश कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि हमें एक नयी वैश्विक एकता बनाने में मदद मिलेगी ।' प्रोफेसर स्टीफन हॉकिंग ने कहा, 'यदि मैं अंतरिक्ष में जाने के योग्य और सक्षम हूं और रिचर्ड मुझे वहां ले जाना चाहें, तो मुझे स्पेसशिप में उड़ान भरने पर गर्व होगा ।' इस स्पेसक्राफ्ट को इस तरह से डिजाइन किया गया है, ताकि इसमें बैठे यात्रियों को स्पेस की उप-कक्षा में पांच मिनट तक के लिए ले जा सके। इस लिहाज से इसमें यात्रा करनेवाले पर्यटक को कुछ समय तक अंतरिक्ष का नजारा देखने का अनुभव होगा, जो नासा के अंतरिक्ष पर्यटन के उस नजारे से कुछ अलग होगा, जिन्होंने वहां दस दिन तक गुजारे हैं। इसके लिए काफी महंगी टिकट रखी गयी है, जो 2,50,000 डॉलर है ।

क्यों मात खा गया वीचैट...?

हर स्मार्टफोन यूजर फेसबुक और व्हाट्सऐप से वाकिफ है। फेसबुक मैसेंजर भी लोगों के बीच काफी पसंद किया जाता है, लेकिन अगर वही सवाल आप वीचैट के बारे में पूछेंगे, तो लोग उसके बारे में शायद कम जानते होंगे। दुनिया भर में 76 करोड़ से भी ज्यादा लोग वीचैट इस्तेमाल करते हैं, लेकिन उसके बाद भी मैसेजिंग की दुनिया में व्हाट्सऐप बेताज बादशाह है। व्हाट्सऐप के 100 करोड़ से वो बहुत पीछे नहीं है। अपने स्मार्टफोन पर मानो सभी लोग व्हाट्सऐप को जगह जरूर देते हैं, लेकिन वीचैट के लिए वह जगह बनाना मुश्किल हो रहा है। चीन के अंदर वीचैट बेझिझक पहले स्थान पर है, लेकिन कई वजहों से वो दुनिया भर में अपनी छाप नहीं बना पा रहा है।

क्या है वजह

वर्ष 2012 में जब वीचैट अलग-अलग देशों में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहा था, तो हर कहीं किसी न किसी चैट ऐप ने अपनी जगह बना ली थी।अमरीका में व्हाट्सऐप, इंडोनेशिया में ब्लैकबेरी मैसेंजर और भारत में भी व्हाट्सऐप काफी पसंद किया जाने लगा था। वीचैट ने चीन पर ध्यान देकर दूसरे देशों में वैसे ही प्रोडक्ट लांच नहीं किए, जैसे कि चीन में अगर आप वीचैट इस्तेमाल कर रहे हैं तो उसने कई गेमिंग कंपनियों के साथ करार किया है, जिससे कि आप गेम भी खेल सकते हैं, ऐसा दूसरे देशों में नहीं किया गया है।

व्हाट्सऐप ने क्या किया

वीचैट के मुकाबले व्हाट्सऐप ने टेक्स्ट और वॉइस पर ध्यान दिया और जल्दी ही वीडियो कॉलिंग लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। वीचैट इस मामले में पीछे नहीं रहा है, लेकिन फिर भी वो मात खा गया। मैसेजिंग के बाजार में एक बार किसी कंपनी ने ग्राहकों का दिल जीत लिया तो उसके बाद उसे हटाना बहुत मुश्किल होता है। आपके सभी दोस्त अगर व्हाट्सऐप पर होंगे तो आपके वीचैट पसंद करने से कुछ नहीं होगा। ब्लैकबेरी मैसेंजर के साथ शुरुआत में ऐसा ही हुआ था, लेकिन बाद में कंपनी की हालत खराब हो गई। मैसेंजर तब सभी ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ तब नहीं मिलता था। ब्लैकबेरी ने उसे बदलने की कोशिश की पर तब तक काफी देर हो चुकी थी।

लो ब्लड प्रेशर होने पर तुंरत करें ये काम

लो ब्लड प्रेशर में ब्लड प्रेशर 90 से भी कम हो जाता है। इसकी वजह से शरीर के दूसरे अंग भी प्रभावति होते हैं। नमक का पानी पीने से ब्लड प्रेशर सामान्य हो जाता है। कैफीन के अलावा लेमन जूस, किशमिश, तुलसी फायदेमंद है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए दिल का स्वस्थ होना बहुत जरूरी है। लेकिन वर्तमान में अनियमित खानपान और अस्वस्थ दिनचर्या के कारण उच्च रक्तचाप और निम्न रक्तचाप की समस्या बढ़ रही है। जब किसी के शरीर में रक्त-प्रवाह सामान्य से कम हो जाता है तो उसे लो ब्लड प्रेशर कहते हैं। सामान्यत: ब्लड प्रेशर 120/80 होता है। यदि ब्लड प्रेशर 90 से कम हो जाए तो उसे लो ब्लड प्रेशर कहते हैं। इसे अगर गंभीरता से न लिया जाए तो इसका असर शरीर के दूसरे अंगों पर पड़ता है। ऐसे में शरीर में ब्लड का दबाव कम होने से आवश्यक अंगों तक पूरा ब्लड नही पहुंच पाता जिससे उनके कार्यों में बाधा पहुंचती है। ऐसे में दिल, किडनी, फेफड़े और दिमाग आंशिक रूप से या पूरी तरह से काम करना भी बंद कर सकते हैं। लो ब्लड प्रेशर की समस्या होने पर तुरंत ये काम करें।

नमक का पानी

नमक का पानी लो ब्लड प्रेशर के लिए बड़े काम का है। इससे ब्लड प्रेशर सामान्य हो जाता है। नमक में सोडियम मौजूद होता है और यह ब्लड प्रेशर बढ़ाता है। ध्यान रहे, नमक की मात्रा इतनी भी ना दें कि इससे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़े। बहुत ज्यादा मात्रा में नमक सेहत के लिए फायदेमंद नहीं माना जाता। कम ब्लड प्रेशर में एक गिलास पानी में डेढ़ चम्मच नमक मिलाकर पी सकते हैं।

कैफीन का सेवन करें

कॉफी भी बड़े काम की है। ब्लड प्रेशर कम होने पर स्ट्रांग कॉफी, हॉट चॉकलेट, कोला और कैफीन युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करने से रक्तचाप सामान्य हो जाता है। यदि आपको अक्सर निम्न रक्तचाप रहता है तो आपको रोजाना सुबह एक कप कॉफी पीना चाहिए। लेकिन यह भी ध्यान रखें कि इसके साथ कुछ न कुछ जरूर खाएं।

फायदेमंद है किशमिश

किशमिश को पारंपरिक आयुर्वेदिक दवा के रूप में देखा जाता है। लो ब्लड प्रेशर होने पर किशमिश खाना बहुत फायदेमंद होता है। रात में 30 से 40 किशमिश भिगो दें और सुबह खाली पेट इसका सेवन करें। जिस पानी में किशमिश भिगोई थी आप उस पानी को भी पी सकते हैं। महीने में आप ऐसा एक बार कर सकते हैं। इसके अलावा एक गिलास दूध में 4-5 बादाम, 15-20 मूंगफली और 10 से 15 किशमिश भी मिलाकर ले सकते हैं।

गुणकारी है तुलसी

तुलसी कम होते ब्लड प्रेशर को सामान्य करने में मददगार साबित होती है। इसमें विटामिन सी, पोटैशियम, मैग्नीशियम जैसे कई तत्व पाए जाते हैं जो दिमाग को संतुलित करते हैं और तनाव को भी दूर करते हैं। जूस में 10 से 15 पत्तियां डाल दें। एक चम्मच शहद डाल दें और रोजाना खाली पेट इसका सेवन करें।

लेमन जूस पिएं

लेमन जूस उच्च रक्तचाप में काफी फायदेमंद होता है लेकिन ये निम्न रक्तचाप में भी फायदेमंद होता है। जब डीहाइड्रेशन की समस्या हो तो यह बहुत ही उपयोगी है। कई बार लेमन जूस में हल्का सा नमक और चीनी डालकर पिया जा सकता है। इससे शरीर को एनर्जी मिलेगी। साथ ही लीवर भी सही से काम करता है।

हेल्दी खानपान और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने से भी लो ब्लड प्रेशर की समस्या नहीं होती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**